

I	991
RUBEN H. H. H.	

۱۱۹۱

कोशान॥

॥ ३ ॥

लायन ॥ वाचिमार्कसंभानमास ॥ कवलवाचिमार्गसिआनगजा ॥ ज्ञापांः चिरुजल ॥ यागु हान लाना ॥ काठुकइसां क नमाल ॥ चिरुज
लमसियका ॥ ५ चिरुयागचियगु ॥ सिनक न्यापूइ ४ कवल ५ चिरुजल लानाः कन्याकाजन ॥ ज्ञापांः लावृद्ध जल ॥ ५ मर्मजल ॥ संघ
जलः असपालयाग ॥ संघक सवृद्ध ५ यागु पूजाइसां वांलाकयायगु ५ ॥ अतिजल ३ १० गंधी कजा ५ सा ॥ संपूर्णसियाविज्ञानावा
क ॥ कवलसर्व ५ अयका ॥ सकजयानायकइया ॥ मालिकइया विज्ञानावा ५ अतिजल ५ या ५ ॥ हलोकउनपिकाका कसीकी ४
अतिजल ५ ॥ ५ मर्मजल ५ ॥ संघजल ५ ॥ क न्याम्यहं ॥ पूजापं वापुवाजम ॥ अतिजल ५ मजलं गंधा ग ४ ॥
कवलहाकने निजम आत्माइया विज्ञाक ५ ॥ संसात्रसूर्ययागु ५ ॥ अस्मिख ५ ५ दकलोकयाग ५ ॥ गंधनं इसां रवयका विज्ञानावा ५ ४
पूर्ववाल हानं वृद्धयापू ५ अयका वा ५ ॥ दक हानं गु लया वा निरुया वा ५ ॥ दकलोकयाग ५ ॥ धर्मयापासाइया ॥ लोकइसाउ ५ ५
जयाना विज्ञानावा संघजल ॥ असपाल अतिजल याग पूजायां मालावान ह नकपी ॥ कवलसंघक पूजा ५ यागु ॥ संघक स
मियायगु ॥ गंध ५ मइगु ॥ गंडी ५ नावागु ॥ सफांग ५ यागु ५ नाः ५ गंधः पूजायायगु गंधा ५ ना ५ सा ॥ धमनं ॥ स्वलावसू ४

पुलिशला वाधि विरुहानशलाः विरुहलं संयक संवद्ध याग पूजा यायगु इल ॥ कर्बल ५ विरुज त्रयाग ता नाडा ॥ अथ वा वाधिज्ञान स
डा नासर्कल सत्य याग उ ५ अयायगु निमोर्हि न ॥ गडा धना विज्ञाना वाधि ॥ अथि जल याग शसां ॥ अथि साहस ॥ महा माहस ॥ लोक
अथु स ॥ अनेक २ रवन इगु ली ॥ ५ दह रवन शसां ॥ अनेक व कि वासद या वागु ॥ अनेक २ जागं जाग याः स्वाहा या वागु ॥ स्वां शसा
दका हया दाह पागय इल ॥ हानं ना नापु काज या ॥ कल शसां सया वागु दह कल कल हया दाह लपगु इल हया क जन पी का का ५
यावति पूषा नि ॥ अजानि येव ॥ लेष इ जाग नि च ॥ या नि स नि ॥ जला नि यो व नि व स नि ला क ज नि व स क म ना ज पानी ॥
गु क थं या ना वा ॥ कर्बल हानं ना नापु काज याः वासना नापु काज या ना हया दाह जप ॥ हानं अनेक जल ॥ असंख्य दया वागु हया दाह
लप ॥ हानं म ना ज म य शया वागु पुष्पली वागु लंख क या हया ॥ अथि जल याग त्रान या का पूजा याय ॥ कर्बल हानं ॥ अनेक जल या
खा नि दया वागु ॥ असंख्य जल दया वागु ॥ पल व रू शसां दाह लपगु इल हया क जन शया वाधि ॥ का का ५ गु क थं यायगु ॥ ४

॥ ७ ॥

॥ ३ ॥

॥ ४ ॥

कर्बल हानं ॥ पुगु कालं ॥ अनेक जागं जाग या ॥ स्वां शसां ॥ कल कल मूल शसां ॥ शिमा गिय क ५ वा क ॥ जागं जाग या हा या वागु ॥ सया
वागु ॥ अथि जल याग त्रान या का पूजा याय ॥ कर्बल हानं ॥ अनेक जल या
सि सा कल शसां ॥ अनेक गु दया वागु शसा हया ॥ अथि जल याग शसा दाह जप पूजा यायगु ॥ ५ गु विरुज त्रयाग ता ना डा ५
महि धजा ॥ जल मया स ५ अथ ॥ वन पुद सा ५ ॥ विव क ज म्या ॥ लला ग ॥ सपुष्या रज न्था कल ५ दमा ५ अथ ॥ सल लन म साखा ॥
दवा नि ल क पु व ग ५ अथ ॥ कल य इ मा ॥ अजल मया चर का ॥ सजां सि जां रा र ह र व ल नि हं स स ना ल न म ना ह जालि ४
कर्बल हानं ॥ दवा ग पि अदि शसां ॥ ५ दह रवन ॥ असंख्य रिगु वासना दया वागु ॥ गंध ॥ अथ ॥ जस ॥ दहं ॥ हानं दह जल शसां सया वागु क
लप दह सिमा अदि ॥ हानं सां ड सि अदि ॥ अथि म ना ह जलं हा ना वागु ॥ कर्बल हानं ॥ पल व रू ॥ चडा सा ॥ उडा सा ॥ जागं जाग या स्तान
इ सा गि सा गिय क ५ अथ वि ये ॥ कर्बल हानं ॥ अडा गगु लनं सं रू क शया वागु लखं पु ज शया वागु ॥ अथि जल याग शसां
५ कर्बल शसां दाह लप पूजा रा वयाय ॥ ५ गु विरुज त्रयाग ता ना डा ५ का का हया क जन शया वाधि ॥ ४

पूर्वकालः हानं वं स पुसापियम्बाक ॥ उत्पतिशयावागु ॥ कवल ॥ कूड ॥ गजकू ॥ दसाधयागु ॥ अदिकं कनेम्बाक ॥ वययायम्बाक ॥ उत्पति
 शयाडागु ॥ घासशदि ॥ वद ॥ दलरुलदक ॥ कायगु ॥ शयावान ॥ हानं ॥ कूड ॥ गजकू ॥ वलयाना ॥ पुसापिनासयका ॥ हायकातयागु ॥ ४५
 जादि ॥ बहियाजागदक ॥ हानं ॥ अनेक ॥ स्नान ॥ ५० ॥ दल ॥ अदिकाया ॥ पूजायागु ॥ सगजामदयका ॥ विसंघनं ॥ अत्यंत ॥ सातायमानइ ॥ ५१
 यक ॥ ५२ ॥ दूक ॥ गया ॥ कर्षल ॥ ग ॥ अकास ॥ स ॥ सुपाव ॥ दि ॥ ज ॥ शयाडा ॥ ल ॥ डा ॥ धनु ॥ असंख्य ॥ सक ॥ ग ॥ पू ॥ न ॥ याना ॥ पू ॥ न ॥ म ॥ श ॥ ५३
 अक ॥ सु ॥ जा ॥ ग ॥ नि ॥ व ॥ स ॥ स ॥ जा ॥ ग ॥ न ॥ य ॥ नि ॥ वा ॥ पू ॥ व ॥ वि ॥ ल ॥ स ॥ ल ॥ नि ॥ अ ॥ का ॥ स ॥ ध ॥ नु ॥ पु ॥ स ॥ न ॥ व ॥ धी ॥ नी ॥ स ॥ र्वा ॥ पि ॥ पि ॥ मा ॥ म ॥ प ॥ नि ॥ ग ॥ हा ॥ लि ॥ पु ॥ ५४
 ५५ ॥ सक ॥ हा ॥ हा ॥ या ॥ डि ॥ गु ॥ स्म ॥ ति ॥ रा ॥ व ॥ न ॥ न ॥ डा ॥ ध ॥ ना ॥ वि ॥ ज्ञ ॥ ना ॥ या ॥ क ॥ ५६ ॥ अ ॥ ग ॥ रि ॥ ज ॥ ल ॥ या ॥ ग ॥ का ॥ या ॥ पू ॥ जा ॥ रा ॥ व ॥ इ ॥ सा ॥ या ॥ य ॥ गु ॥ ५७ ॥ ह ॥ क ॥ जा ॥ क ॥ ज ॥ न ॥ इ ॥ या ॥ वा ॥ वा ॥ ५८
 अ ॥ दा ॥ या ॥ व ॥ द्वा ॥ ५९ ॥ मु ॥ नि ॥ पु ॥ ड ॥ व ॥ र्णा ॥ ६० ॥ नि ॥ र्वा ॥ ति ॥ या ॥ म्प ॥ स ॥ पू ॥ उ ॥ क ॥ र्ण ॥ ६१ ॥ ग ॥ रु ॥ नु ॥ त ॥ न्ने ॥ व ॥ न ॥ द ॥ दि ॥ ली ॥ या ॥ म ॥ हा ॥ दू ॥ या ॥ मा ॥ म ॥ न ॥ रु ॥ म्प ॥ मा ॥ ना ॥ ६२
 क ॥ व ॥ ल ॥ ६३ ॥ सक ॥ हा ॥ ६४ ॥ डि ॥ गु ॥ ६५ ॥ वि ॥ र्ज ॥ न ॥ ल ॥ ज्ञ ॥ न ॥ श ॥ सा ॥ क ॥ या ॥ हा ॥ या ॥ ६६ ॥ ग ॥ डा ॥ ध ॥ ना ॥ वा ॥ पी ॥ अ ॥ रा ॥ ग ॥ वा ॥ न ॥ म्प ॥ नी ॥ ६७ ॥ ग ॥ पी ॥ ६८ ॥ वा ॥ वि ॥ स ॥ ल ॥ वा ॥ पी ॥ ६९ ॥ सक ॥ ल ॥ या ॥ ग ॥ स ॥ जी

ॐ ॥ व्याकृमानशयकं दाहलपा ॥ पुनर्वा ल कलपालं पिंस ॥ अथि जागु रावइ सां पूजाया सा ल दाम्दकं कया ॥ अन्कल वल दान
पुसादइ सा विद्या ॥ माहाकृपा डं नया विष्का कपिंस ॥ कलपाल पिन सदा सर्व कालं ॥ मनोमयी रावनं ॥ पूजाया नागु कलह प
जम्भज जित्त ॥ ॐ ॥ कृष्णमइ म ॥ महादजी ड म्भनं ॥ पूजाया यगु ॥ वत्सकनं कूं मइ मया गु विरू ॥ कलपालं पि
अपूषकान सि ॥ महादजी ड ॥ पूजार्थमन्यत ॥ मम नाहि ॥ किर्ति ॥ अनामना र्थय ॥ पूजार्थिना गुरु कुना ॥ ॐ ॥ दमात्म ॥
कृष्ण ददामि ॥ आत्मानमहं ॥ जिनयः सुवनः सर्ववन दात्मजय ॥ पवित्रहम ॥ कृष्ण गुरु सत्वा ॥ यत्नात् ॥ दासत्वे सये मिरु कपा ट
सं ॥ सत्त्वहितयाय निमिर्निनं नाथ ॥ अयका कलपालं ॥ जिमा गु विरू ॥ अथ सइ रावं पूजाया नागु कया विष्का ई ॥ कवत जिगु वि
रू सकल पुमानं ॥ सकल न भगनयाग ॥ डी सपाल या पुत्र सकल वाधिस तपिं ॥ न भगन पि धमीगु ॥ अगस आना वाधिं ॥ सत्त्वपि
जिगु गु अल वनं ॥ कलपाल या वाक नश्या ॥ कलपाल या गु लवत गति वा ना ॥ अजिगु काय वाक ॥ विरू ॥ जिं दाहलपा कलपाल याग
जिं सजलनं अयाह पि जत्त ॥ ८

याचि
या
॥ ६ ॥
॥ क ॥

पुनर्वातलुलपालयाकृपान॥ कलपालयाभाषयन॥ असंतावसरयमदयकासतपालियात॥ हिनयायगुडल॥ कवर्लभापांति
पापकर्मया नागु॥ मरुगुकर्म॥ आपनंयाकाडीया॥ आपउकुतपालयाकृपान॥ अदकडिंसिल॥ मिखात्रवन॥ आडाली॥ २
उगुपापकर्मकियाचिहूयायमरुग॥ ६०॥ ॥ पयिगहनासि॥ एवत्कन॥ तिलाएवससहिगकनामि॥ पूर्वद्विपापं ४
समतिक्रमामि॥ नान्यवेपापं पुकनामि तय॥ ६०॥ ॥ संवृद्धधर्मसंघष॥ वेद्यष॥ प्रतिमाष॥ पुष्यजलादिः पुनानुः
मादना॥ ६०॥ ॥ हपजमचल॥ असंताव॥ सदाकालं॥ विद्यानावापीसंयकसंवृद्धधयापि॥ वृद्ध॥ धर्म॥ संघ॥ दवतापी
येष्टदवतापी॥ हानं॥ गिनलदवतापिया॥ पुतिमात्रप॥ अदकसकहन॥ सदासर्वकालं॥ अनकजातयादवतापिचिद्याय
मात्रावान॥ हानं॥ अनकजातजागया॥ स्नानआदि॥ अनकजलेआदिइसा॥ अआकालवागमनावाधं॥ खालीमइय
वजसाइयावानमालहपलमचज॥ ६०॥ ४वाचिसत्वा॥ महासत्वा॥ पुजयमितयअडिनानु॥ तथा॥ सर्वाभूनीका
रसपुगान्पुजयाम्यहं॥ ६०॥ ४कवलगथाभासा॥ वाचिसत्वा॥ महासत्वापिंसं॥ अलंकापां २०अगर्हपिंन॥ पु

॥ ७ ॥
॥ २ ॥
॥ ३ ॥

जायानाविद्यागुथां॥ डाथांहुं॥ अडुडिं॥ मुनिमध्यांडाधनाविद्यानावाक॥ ज्ञानधगनआदि॥ कवलनधगर्हयापुगु
इयाविद्यानावापी॥ वाचिसत्वापि॥ असकलयात॥ डिंपुजायायगुडल॥ हपजमचल॥ ६०॥ ॥ सजाइसागवसा
सोसिवाहं॥ पुष्टदधि॥ सुमिसडुमिमद्या॥ संरवह्यष॥ नान्यथा॥ ६०॥ ॥ हानं॥ असपालपिंन॥ इयगुसत्र॥ अं
इनं॥ सागलयागु॥ सजसवधं॥ अनकरत्तगुवाना॥ गधिजागुअसा॥ दकगुलयाखानिअइया॥ पजमचलयापु
मइयावागु॥ त्रुपा० वाना॥ नवनालधयागु॥ गुंगनालकायातावं॥ अन्यथाधयागु॥ मरुगु २ रव॥ कुनंमइगु॥ मघ
हाजथां॥ रिगु॥ गीतयाना॥ रावयाना॥ त्रुयायगु॥ हजाकऊन॥ ६०॥ ॥ सर्वद्विजानसंरव॥ पुलमि॥ पुलमाव
हं॥ सर्वाय्ययगतावधन॥ सहधर्मगलनमान॥ ६०॥ ॥ हानं॥ सधर्मयाअस॥ माहाडसइयाविद्यानावापि॥ अ
नाग॥ अनागन॥ प्रसूत्यन॥ इयाविद्यानाइयधुंकिपि॥ आदिबृद्धदिपंकलआदिइसा॥ इयाविद्यापि॥ असाकसिंहआदि॥

॥ स ॥

۱۱۱

गजादि ॥ पडिगुदिसासंविज्ञानावापि ॥ जावूळ अयकावापिकइसा ॥ महाकवृत्तपिधर्मयाक ॥ सकलवाचिसत्वजादिः
यां ॥ हानवानाः लाहाडिंपतिइसांइयाना ॥ विनियानावानाहपत्रमय ॥ चलीइसां अथवावायागुइल ॥ १० ॥ ४
अनादिगतिसंकात्रल ॥ उन्नयनेववापना ॥ यत्नया ॥ पणुनापापंकृतं काजितमववा ॥ १० ॥ ५ ॥ हितितल ॥ अनापा ॥ अना
अमदयावागु ॥ उलाडान ॥ अलिडान ॥ अकाअयमरुगु ॥ असंताय ॥ उन्नकया ॥ अर्थवापुअइया ॥ राजयाना ॥ अर्थवा
अगुअना ॥ पणुअइया ॥ मदअयागु ॥ माहनेरअइया ॥ मरुइया ॥ असंखपापकर्मयानाडाल ॥ हदेवहितितल ॥ १० ॥ ६
यअनुमादिता ॥ केविदासद्यागायः माहित ॥ तदप्ययः दमयापिष ॥ पुअतापनतापिता ॥ १० ॥ ७ ॥ हपत्रलडिइसा माह
दाहइया ॥ दाहिइया ॥ भयया असास ॥ दानकयायगुलिहर्षमानयाना ॥ किहूरकिवागु माहसुरव अकायाना ॥ अथालपा
पयनाइल ॥ लिपाधमनपसंगापवाया ॥ मत्रतापंइसां दाहइयाका ॥ वाताम्रडि ॥ डिगुअपापदईरुकाविकारईह ॥ १० ॥ ८

वाचि व
 र्था
 ॥ ८ ॥
 ॥ वा ॥

अत्र लघु यः प्रकाशः ॥ माता पिता वामया ॥ गुण न्यस्य ॥ कथा काय वामुद्धि रिकुतं ॥ ॥ कवल किं गित लया गशः ॥
 अर्थः ॥ मां ॥ वी ॥ गुण आदि ॥ अर्थः ॥ मम पिता नं ॥ अपका जयाना ॥ आपालं ॥ दाघ विया डायानु ॥ काय ॥ वाक ॥ विरु आपाः ॥
 लं दाघ दया गु पापया नाडाल हप जम ॥ ग्री गित ल ॥ ॥ अनक दाघ इष्टन ॥ मया पापन ॥ माहिता ॥ यत्कृतं ॥ दाउ लंपा
 पं ॥ गत्सर्वे दल याम्यहं ॥ ॥ ॥ हगु ॥ ह गित ल ॥ किं शसा ॥ माह रुया ॥ इष्ट रुया ॥ आपालं दाघ डाय ॥ इः रव सियी ॥ गु
 अनेक २ आपालं पापया नाडाल ॥ पापया नागुली ॥ माहारयंक लनं क्काना प्रया वागु ॥ अधाल ॥ नज करी गया काडः रव सि
 किं ॥ न ॥ अधिं या नाडायानु ॥ पाप दकं क लपो लं रुसां ॥ वृक का विष्मा इह पजम ॥ ल ॥ अधिं रुसां पाप द ॥ ना ॥ वागु ॥ ॥ ॥
 कथय निः ॥ गाम्य सा निष्ठा दिक्का सि ॥ साक ॥ माह रुया विसा जिनी ॥ दाकि लपाय समया ॥ ॥ ॥ कवल माहारयंक लरु
 या वागु ॥ इः रव सा नायायी गु ॥ क्काना प्रक डायु रय रव ना ॥ हिं हिं मन हास वाया वा न ॥ नासं नं वाया वा न ॥ मन नं र सुन रु
 किं थ जलं रवा नाडाल रुया गु पाप ॥ ॥ ग ॥ थ या ना रुके ॥ का वा ना ह ॥ ॥ ॥ ॥ ग ॥ ह गित ल ॥ ॥ पाप मरुके ॥ किं रुसां काज डाय

॥ ७ ॥
 ॥ २ ॥
 ॥ ८ ॥

किं रुया डानी ॥ ॥ पाप मरुके सिय मयानी ॥ किं गु पाप मरुके ॥ किं रुया मयानि ह ॥ ॥ ॥ ॥ क्काना प्रया वागु ॥
 यं ॥ म ॥ रु विष्म मयातक ॥ स ॥ स ॥ स ॥ ज वि सा स ॥ आक सि कः महा तनि ॥ ॥ ॥ कवल ॥ म ॥ रु काल ॥ ग पी म ॥ असा ॥ अ वि सा सी
 पज रव डक गु ॥ आ स ॥ का ॥ अय म ॥ रु ॥ बाल व ॥ रु न ॥ अ ॥ रु ॥ वृद्धा ॥ वृद्धा ॥ का ॥ ह ॥ अय म ॥ रु ॥ हा न ॥ किं इ रिव ॥ का ॥ रु ॥
 ॥ का ॥ ह ॥ अय म ॥ रु ॥ हा न ॥ जि ॥ मां ॥ वी ड ॥ काय ॥ आय ॥ क ॥ ग पि द नी ॥ का ॥ ह ॥ पज व ना प नी लाय ॥ पज व आ स ॥ का ॥ ह ॥ वि नि
 ला क्क्या सा ह ॥ क्काना श सा गयी म ॥ कवल व ड मल ॥ थ ॥ रव क डाय ॥ रय ग ॥ म वि या क्क नायं कि ॥ पुर्न बाल ॥ ड ॥ काल ॥
 डायी वले ॥ किं गु पाप मरुके ॥ का ॥ अय म ॥ माह रु धाल न ज कयं का ॥ असं रव इः रव सिय का गयी ॥ जिं जा सिल ह पज म ॥ ॥ ॥
 कवल ॥ अधिं या ना गया गु पाप मरुके ॥ म ॥ रु काल वया ॥ डि सिं यी ॥ का ॥ व ॥ रु काल ह ॥ ॥ ॥ पुर्न बाल ॥ का ॥ ल म ड ॥ ड ॥
 ॥ पाप मरुके ॥ ॥ गित ल या गुः सं ज ल ड ॥ ना ॥ पुन्य गु सा ॥ न या ना ॥ ॥ मनी या य इ ल ह वा क्क रु न नी ॥ अर्थ ॥ पाप कर्म ॥
 या गु या य मरुके ॥ ॥ गित ल या के रुसां ॥ क्काना जल ॥ थ ॥ ला हा नि पा हा क्क ल पा वि न पि या य ह ॥ वा क्क रु न नी का का ॥

॥

۱۱۱

ॐ हव ॥ गिष्ठनस्तवत् ॥ गतायक पयापय ॥ तं प्रिमिने ॥ कुरु पापं ॥ तदवम ॥ पूजस्थितं ॥ ॐ ॥ ४ पूर्नवालपुगुपकाः
 आपालंशसा ॥ धजन्मशाय ॥ वयानंवान ॥ अनानंवान ॥ १० पय ॥ धजपययाकाजल ॥ डिं ॥ आपालंपापयाग ॥ धपापदक
 गनमडां ॥ जिगुरुअनहवानावान ॥ ॐ ॥ १० वमाडागासीनि ॥ मयानेव ॥ समिकु ॥ माहान्नयविद्वधे ॥ कुरुपापमनक
 १॥ ॐ ॥ कवलजिंशसां ॥ मनयाभाहजया ॥ दाषराव ॥ आपालंयाना ॥ अनकपुकाजं ॥ आपाजंपापकर्मयाग ॥ धयानाडा
 यागुपाप ॥ वजावजशसा ॥ अनडायावान ॥ धपापसुनानंमका ॥ नानंमडा ॥ इडाअजकवानवान ॥ ॐ ॥ जाकिदिव
 मविन्मममायुषा ॥ वर्धतेवध ॥ आयस्य ॥ वागमानास्मि ॥ ममजिवायहंकर्थं ॥ ॐ ॥ पूर्नवाल ॥ दिनस ॥ जगिसं ॥ पजरवः
 विस्त्राजमयास्य ॥ कवल ॥ नरायलशसा ॥ अयानंवानः ॥ नानंवान ॥ धशायरुनाडाअनः ॥ सियन ॥ कालधयागुशसां ॥ धनकडा
 यी ॥ शजिं ॥ पय ॥ पययाकाजल ॥ यानागयागुपाप ॥ कालमडाडा ॥ धपापशसागधयानादकहं ॥ ॐ ॥ धज ॥ धपापमरुके
 काजधयागुडायमनु ॥ ॐ ॥ ॐ हव ॥ गिष्ठनस्तवत् ॥ गतायक पयापय ॥ तं प्रिमिने ॥ कुरु पापं ॥ तदवम ॥ पूजस्थितं ॥ ॐ ॥ ४ पूर्नवालपुगुपकाः

9

कर्षलउशुवर्षगस॥ उद्यालया०॥ सुसुजकग॥ असा॥ पासासमपिमइ॥ सुसापुन्य॥ यासक॥ सुजकइ॥ उशुपुन्या॥ असा
 जिंजायानागयामइ॥ रणालिजिजा॥ ५॥ कृपा॥ ५॥ अनिरु॥ ययागुपययाका॥ मरुगुपापक॥ मजक॥ यानागल॥ उका
 लजर्मइलुं॥ कडा०॥ वलजिं॥ अक॥ यायह०॥ ५॥ ॥ ॥ अनिरु॥ जिं॥ वि॥ का॥ संग॥ दि॥ ए॥ यम॥ जानना॥ पुम॥ सुन॥ मदाः
 ५॥ वरुपापं॥ मयाजिगं॥ ॥ ॥ कर्षल॥ ५॥ ५॥ इ॥ यी॥ गु॥ जा॥ जिं॥ म॥ सी॥ या॥ जिं॥ वि॥ बाल॥ म॥ या॥ सु॥ म॥ न॥ या॥ ग॥ ह॥ र्ष॥ या॥ ना॥ म॥ द॥ म॥ का
 इ॥ या॥ काम॥ या॥ ज॥ स॥ ज॥ क॥ ०॥ का॥ या॥ ना॥ मि॥ र्वा॥ म॥ इ॥ म॥ का॥ ५॥ ॥ ॥ स॥ ग॥ ह॥ न॥ ५॥ या॥ गु॥ म॥ र॥ व॥ ना॥ का॥ इ॥ का॥ अनिरु॥ इ॥ या॥ वा॥ गु॥ ५॥ स॥ ज
 ल॥ या॥ ग॥ प॥ ज॥ र॥ व॥ सु॥ र॥ व॥ या॥ य॥ ग॥ ५॥ अनिरु॥ स॥ त्रि॥ ल॥ द॥ ह॥ जि॥ वी॥ का॥ या॥ य॥ ग॥ ना॥ पा॥ लं॥ पा॥ प॥ क॥ म॥ र्म॥ क॥ मा॥ ०॥ या॥ ना॥ वा॥ न॥ ॥ ना॥ व॥ ज॥ न॥ नी॥ ॥ ॥
 अ॥ इ॥ क॥ द॥ ५॥ म॥ प॥ य॥ ना॥ नि॥ य॥ म॥ ना॥ वि॥ शु॥ ष्य॥ ति॥ वि॥ षा॥ सि॥ ग॥ दी॥ न॥ इ॥ वि॥ न॥ न्य॥ द॥ व॥ क॥ ल॥ ज॥ ग॥ गु॥ ॥ ॥ ॥ कर्षल॥ जि॥ गु॥ ५॥ जी॥ ज
 स॥ ॥ अ॥ ग॥ ह॥ क॥ त॥ ५॥ न॥ ॥ ज॥ न॥ म॥ इ॥ ग॥ ड॥ या॥ का॥ ना॥ य॥ का॥ मि॥ गु॥ ५॥ स॥ ॥ कर्षल॥ ५॥ ग॥ ह॥ म॥ इ॥ ५॥ स॥ यं॥ का॥ स॥ जी॥ ल॥ या॥ ला॥ ॥ हि॥ ॥ क॥
 व॥ क॥ नी॥ म॥ द॥ य॥ सु॥ क॥ य॥ ॥ अ॥ र्थ॥ वा॥ प्या॥ सं॥ दा॥ ह॥ या॥ ना॥ ल॥ र॥ व॥ त्व॥ न॥ ष्य॥ य॥ ना॥ का॥ ॥ अ॥ र्थ॥ जी॥ ज॥ गु॥ इ॥ र॥ व॥ गु॥ के॥ ना॥ मि॥ र॥ वा॥ ५॥ या॥

פ

३

११

प्रा ३

[illegible]

पद ४

कर्मलमदुमकाश्या ॥ अहंकारया ना ॥ गुण्यागु वचन लंघनाया नागुलि ॥ अड्डितसाजधलथागवलेदयी ॥ १० ॥
 कियलाकमिमं एवला ॥ वधनूपचिनपि ॥ नकाकी ॥ कापियास्थामि ॥ किमसर्वे ॥ पुमापये ॥ १० ॥ हानं धकावलाकि ॥
 किगुसजाल ॥ ला ॥ हि ॥ कय ॥ अंगदकं तालतासिनाडानमाजीगुसजाल ॥ १० ॥ यय ॥ अपियया नातयापि ॥ वंध ॥ वई ॥
 १० ॥ मिस् ॥ दा ॥ किजा ॥ काय ॥ कजापिसकनकूयायत ॥ १० ॥ १० ॥ यमनु ॥ मविना ॥ यकागविदिवंसदा ॥ अगुला ॥
 त्रियतइः स्व ॥ निः सत्रयं ॥ तत ॥ कथं ॥ १० ॥ केवल ॥ अहंकारगुडः स्वशु ॥ विरुसकीया ॥ जान ॥ किन ॥ मनंरा ॥
 गिरुयकावाना ॥ अ ॥ १० ॥ किंयो नाडयागु ॥ इः स्वशुयीगु ॥ पापकर्मगथायानातत्रयायह ॥ १० ॥ मया ॥
 रुन ॥ मृन ॥ यत्पाप ॥ पुकृमं पुना ॥ पुकृया ॥ यवसावय ॥ पुकृकावयमवय ॥ १० ॥ हापां किं ॥ १० ॥ का मली ॥
 या ॥ मृशया ॥ इष्टकर्मयानावान ॥ कर्वलपुण्यागु ॥ वावामनय ॥ काय ॥ वाक ॥ विरु ॥ दसाकृगलपाप ॥ अदिमस्व ॥
 कर्मयानाडयागुली ॥ महा ॥ दा कया किमन ॥ विरुनाश्या ॥ कलपालयाकवि हिंया ना ॥ हरगवानहपजम ॥ ल ॥ १३ ॥

॥१॥

॥२॥

॥१३॥

तसर्वः दशयामय ॥ ना ॥ नामगुगादिन ॥ कृताजली इः स्वशान ॥ पनापय ॥ पुनपुन ॥ १० ॥ कर्वलना ॥ १० ॥ यकविस्माना ॥
 वा ॥ कलपालयाहान्यडवाना ॥ विमियानावाना ॥ कवलजिगथा ॥ क ॥ वसा ॥ पापंरुसादाहशयका ॥ महारयडयागु ॥
 काग्यनावानाहपुहना ॥ कर्वलकलपालयातकृताजली ॥ १० ॥ लाहानियाहाकलपाविमियानावाना ॥ १० ॥ पापदकृ ॥
 काविस्काई ॥ वालंवालविमिंहगुगुहपजम ॥ १० ॥ १० ॥ अयंसवयंवन ॥ पुनिगृहुनुनायका ॥ नरुडकमि ॥
 देना ॥ नकजीयांमी ॥ सर्वदा ॥ १० ॥ १० ॥ हनाथ ॥ यकविस्मानावा ॥ सकलसुतयामालिकरुयाविस्मानावा ॥
 ह ॥ १० ॥ जिंयागु ॥ मयागु ॥ कर्वा ॥ अकतयम ॥ अस्यानातयागु ॥ पापदकृकाविस्काई ॥ आडालीपापकर्मगु ॥
 त्ययायमस्व ॥ ह ॥ १० ॥ १० ॥ १० ॥ अयायइः स्ववि ॥ अमं ॥ सर्वसर्व ॥ कर्त ॥ गुर ॥ अरमादपुमादन ॥ सुखंमिष्टनु ॥
 इः मिता ॥ १० ॥ १० ॥ पुनवाल ॥ ससाज ॥ लाकपिसकलसनं ॥ इरवराजयायमानागुली ॥ १० ॥ पापकर्मनंयायगुः ॥

सिगु काना ॥ इत्यसिवावापि लोकजनपित॥ सकसितं ॥ सिगु काना वागु रवना ॥ सुखराजयागु रवना ॥ अिशता अति सुखी इयावा
नाह जाकजन ॥ १० ॥ संसाज इत्य ॥ वेमा कं ॥ मनुमाद ॥ मजिलि वं ॥ वाचिसुखत्व ॥ वृद्धत्वं मनुमाद ॥ वगाथिना ॥ १० ॥
पूर्णवालधसंसाज ॥ सजीलयाग अजलया नावापि ॥ प्रालिपि सर्कल स्यनं ॥ संसाजयागु ॥ इत्य इक गाता ॥ माकडान्यगु
वाचि वयासिइसां बीना ॥ वाचिसुखइया ॥ वृद्धत्वं अयागु ॥ वृद्ध अजा मइया माकडललानाडगु रवना ॥ अिमाहाखसी
इयावीना ॥ १० ॥ चित्ता त्याद ॥ समुदा ॥ सर्वसुख सुखावहान् ॥ सर्वसुख हिगार्थना ॥ मनुमाद व ॥ मसिना ॥
कवलधसंसाज ॥ सकल प्रालिपि ॥ उअजयाय अका ॥ समुदपुमाननं ॥ विरूड साहया ना ॥ सदाकालं ॥ वाचि वया
सचजयाका ॥ सकल सुखयाका जल इत्यसिया ॥ सुखयाग हिगया ना ॥ सर्कलयाग इत्य अयागु कका ॥ सुखगु वरुया
ना अगु रवना ॥ अिशता हाषसी इलह जाकपि ॥ १० ॥ सर्वदिक् संस्थि ॥ वृद्धा न्याययामी ॥ कृताउली ॥ अर्मपुधिपं

३

॥ ३ ॥

198

कुर्यन्तु॥ महाइ॥ ख॥ पपाणिना॥ ॐ॥ कर्तव्यं च डिगुदिसावापी॥ सकलस्थानस॥ विज्ञानावापि॥ बुद्धरगवानपि॥ च
सकलयाकेशसां॥ लाहानहाकलपाविनमियानागुरुल॥ गथाजकविंक्रियानागुरुल॥ असा॥ हिनाथकलपापिसं॥ जा
ग॥ द॥ माहसचलपा॥ इ॥ खसियावापि॥ धर्मधयागु॥ मिखासखनावापी॥ मीरामइपी॥ काशयकावापीगइ
सां॥ धर्मियागुपीमरुइसाकना॥ मिखाइसाखका॥ विज्ञाहूपनम्य॥ ॐ॥ जिनानिमागुकासा॥ याचना
मी॥ समादजात॥ कल्याननत्यानिष्ठु॥ मारुड॥ मिदजइत॥ ॐ॥ पुनवालनिर्वानपुदविइसां॥ कामनाया
ना॥ निवानपडवीलाना॥ विष्णुकपीदकृत॥ अगर्हपिं॥ वापिस्तत्त्वपिंन॥ कृगाजली॥ अय॥ नाहहाकलपाविनि
यानावापी॥ हिनाथकलपालपिसं॥ दकजगुरुसंसाजयाग॥ उ॥ अजयानाविअई॥ केवलकल्पकल्पसोनावापी॥ ती
कजनपिं सकलयामं॥ वापिस्तत्त्वधयागुमयना॥ अ॥ अशयावापिसं॥ इसा॥ वापिस्तत्त्वधयागुमयना॥ ॐ॥ ४
कनसंपदियं॥ सुइखरा॥ पमिलठ॥ अ॥ पृथापसा॥ धनी॥ यदिनागु॥ विविक्तिगहितं॥ पुन्यध्यापं समागमकृत॥ ४॥

पूर्णवालधरवसंसाअपिशया॥वृद्धयापुपुद्विलायगु॥अग्नानजपीशसां॥संपगिअयागुलायग॥साहाइल्लरइयावीनः
गधजगधसा॥साहाजनपिसंशसां॥जलाकसवनडीना॥इःखसियाअनकमाहुं०यानाहगुध॥डीधहसा॥पूर्वाधध
यगुषहजकजनपी॥अर्थग॥ध॥मनूषाजमसं॥हिनकंस्मृतिगया॥वाधिज्ञानलायगुचिरु॥पत्रष॥ककाजकडाहुं०
उगुवर्षने॥पुत्रार्थसाअनयायमाल॥डीधंसम्यकस्मृति॥उगुवर्षनेकातुकइना॥वाधिज्ञानअनलाययमा॥अल
उगुवर्षनिसमयागधसा॥लिपाहाकनंउगुसंपुमि॥इलहाकनंआयीमधुन॥अमविहूधयागुनं॥ककाजकडायी
लिपाआयीमधुनहजकजनपी॥काकाचिरुकातुका॥ॐ॥जागयध॥मेधधनाधकात्र॥विश्रुतकलं॥दमय
मिपुकासं॥वृद्धानुलायन॥गध॥कदाधिलोकस्य॥पुल्लसु॥मकि॥कनंस्यागु॥ॐ॥कवलहानंवाधिज्ञानलाय
संम्यकस्मृतिअयागु॥अष्टगुइल्लरइयावीन॥धलायगजोसाहाधक॥गधजगधसा॥यायागधिसंशसांमधउत्पुमि

७

२

१५

इया॥रिउकत्वपूयायागुध॥अर्थकपुर्वसाभाअपत्रस्यककाजकइसां॥गीवृद्धरगवानयागु॥अनूलावनं॥संम्यक
स्मृतिवाधिज्ञान॥लायगुचिरु॥ककासागुजकडाहुं०॥उगुवर्षनिल्याहामडाक॥कातुकइलमासहजकपी॥ॐ॥
कल्याननत्यागुमिचिकयडा॥इष्टमनीलेहिंनमनदव॥यगु॥सुखेनेव॥सुखंपरुंमलकालावयित्यपुमिनाम्॥उ
नोयान्॥ॐ॥कवलहानंअसंसात्र॥कल्पकल्प॥आपातंकल्पनक॥लाकपिंकहिगयायधका॥विर्जयाअविज्ञान
अधि॥मनिअजपिसं॥संसात्रहकलपुलियाग॥सुखवदयानाविहुं०धका॥अमविहूइसा॥उत्पमियाग॥अनकपुकात्रं
हिगयाग॥सुखगुवर्षयागउदाजयानाविज्ञान॥ॐ॥रावइःखमनात्रि॥गधुकारमेजपिसत्वयसनानिहनुकारमे
वइसोयसगानि॥हानुकारमेनविषवाहिं॥सदव॥वाधिसिगुं॥ॐ॥ॐ॥पूर्णवालधसंसात्र॥जकयागइःखरय
नजयाना॥सुखगुवर्षयानावियगु॥चिरुइयाअधि॥गीवृद्धरगवानयागु॥वाधिज्ञानमलाककदाचिरु॥यायइयाः
मरु॥लाकहिगयायगु०॥क्यायापिंजक॥वाधिज्ञानअयागुलायकया॥हजकजनइयाअधिजाकायाकनंयायगु०

एव सात्रकवधना ॥ बजाक ॥ सगगाजां ॥ सुपुञ्जककुरान ॥ समजामत्र लोकवंधनीया ॥ एवमि ॥ स्मादिगजव ॥ वाविचिरु ॥ ॥६॥
 पुनर्बालवा विज्ञानध्यानु ॥ गधिया ॥ असा ॥ एव सात्रक ॥ संसात्रलूपिसागत्रइजा वापिसं ॥ वाविचिरु ॥ असा ॥ समजलयाय
 मातुनं ॥ गधिया ॥ पुन ॥ अयका विज्ञाना जी मयाग ॥ सकलस्यनं लोकध्यापिसं ॥ पूजायाय ॥ मोन्यवंडनायाका ॥ वावि
 सत्व ॥ अयका वा ना वात्र ॥ ॥००॥ ॥ अस्विपुमिमासिमा ॥ गृहिता ॥ अत्र जलपुतिमां ॥ कजात्यनयां ॥ असजागमनीव ॥ वध
 नीयं ॥ सुदृढं ॥ गृह्णतु ॥ वाविचिरुजल ॥ ॥०॥ ॥ मध्याकात्रला ॥ ॥०॥ ॥ अस्विपुमिमाध्यानु सजीलताता ॥ सुविमुक्तः
 तलाव सजीलताता ॥ अत्र जलपुतिमाध्यानु कनमाता वात्र ॥ अस्विपुमिध्यानु सजीलताता ॥ गधिया ॥ असा ॥ असं
 रथरयंकवधु ॥ गग ॥ वध ॥ माहंदाहृया वात्र ॥ अर्थवाहान ॥ माया ॥ माह ॥ काम ॥ काध ॥ गगमायाजालस रमुलपाइनु
 सजील ॥ अत्र जलपुतिमाध्यानु गधिया ॥ सजीलध्यानु पुमिमा ॥ अमृत्यश्यावात्र ॥ कर्बलमध्यानाध्यावाध्याका

॥७॥

॥२॥

॥१६॥

अयमरु ॥ पुनर्बालसकलसकलमध्यानु साधनयात्रा ॥ दृक्कज्ञानयात्रा ॥ उत्पतिश्या ॥ सकत्रयात्रमाहात्रय ॥ गत्रयात्रावि
 यीरुयका ॥ अत्र जलपुतिमाध्यानु ॥ अधिजात्रुधकासियका ॥ अस्विपुमिमायात्राता ॥ वाविज्ञानध्यानु कानुककना ॥ वा
 विचिर्या ॥ अत्र जलसाधमाता वात्राका ॥ ॥००॥ ॥ सुपत्रिद्विगमपमय ॥ अरिवरुमत्य ॥ जगदकसाधवाह ॥ गतिपनः
 न ॥ विपवास ॥ भीलासंदृढं ॥ गृह्णतु ॥ वाविचिरुजल ॥ ॥०॥ ॥ वाविचिरुजलध्यानु ॥ गधियात्रासियकनु ॥ असा ॥ असं
 सात्र ॥ दृक्कज्ञानयात्रात्राधिश्यावात्र ॥ अस्वि ॥ सार्थवाह ॥ अयकावात्र ॥ महाजनं ॥ अनेक ॥ अमृतलेगुजल ॥ हजा ॥ मागी
 आदि ॥ दृक्कज्ञान ॥ पजीकायात्रा ॥ गधियात्रा ॥ असा ॥ अत्रयात्रुपजीका ॥ गुल ॥ अति ॥ गज ॥ रवनाउकर्म ॥ सियकापजीकाया
 न ॥ उध्यानु ॥ अतिपनध्यानु ॥ विपवाससिलध्यानु ॥ अमरपति ॥ दण ॥ अमि ॥ वावाउला ॥ रमुलपावावावापीहला
 कपि ॥ किमीसननं ॥ संन्यकसंबुद्धयात्रुज्ञानपुद्विलायनु ॥ असा ॥ अत्रयात्रु ॥ वावायना ॥ वाविज्ञानध्यानु ॥ अधिजात्रु

काविर
या
॥१८॥
॥या॥

निगुदया अर्थ ॥ कययागुश्यावान ॥ सिजाइकय ॥ गथागथासा ॥ ॥१०॥ ॥ गनुकाम ॥ गनुययथाहद ॥ यतियत ॥
गदुतुदो ॥ नयायया ॥ यथसंख्यनपदिते ॥ ॥११॥ ॥ निगुदुगथागथासा ॥ कडान्यथाकाययागुकगु ॥ ॥१२॥ काया ॥
जाडानागु ॥ अथागु ॥ यथाययायका ॥ खजकहा ॥ यपालहयाना वाङ्मथ ॥ वाचिपनीधीययागु ॥ विरुधयागु ॥ याय
ऊकधयावाङ्म ॥ वाचिपुस्थनययागु ॥ यायधुक्क ॥ ॥१३॥ निगुदुःवजावृद्धिमानश्यावापि ॥ पंलिङ्गकमियावानहा ॥
डाथानुज्ञानदयका ॥ हानीजनश्यावापिलोकपिसंन ॥ वाजाकसियका ॥ ॥१४॥ ॥ वाचिपुलि ॥ विरुस्य ॥ संसायपि ॥
रुलमहर् ॥ नत्वविकिन्न ॥ पृषत्वं ॥ यथापुस्यानवेगस ॥ ॥१५॥ ॥ वाचिपुलिचिचिरुधयागु ॥ वाचिज्ञानस ॥ वि
रुङ्कयानागु ॥ ॥१६॥ वाचिज्ञानइसा ॥ विरुङ्कयानागुलं ॥ ॥१७॥ संसाय ॥ माहागधंगुपुन्यगुदलदयावान ॥ वाचिपु
स्थनययागुयागुपुन्यजा ॥ कूपुनतगतयमइ ॥ अथांवाधधंवाधका ॥ ॥१८॥ हाकयाकायमइ ॥ गवलसंरुयीम

॥३॥
॥२॥
॥१८॥

रुगुमहागधंगुपुन्यथा ॥ ॥१९॥ ॥ वर् ॥ पुन्यपर्यग ॥ सत्वधनु ॥ पुमाकने ॥ समाददाति ॥ नचिगमनियतनवेगसा ॥
पुनवालथसंसाय ॥ वाचिपुस्थनयाजा ॥ वाचिध्याययागुयाजा ॥ उलिधुलिमदयक ॥ अंसंख्यलोकयाग ॥ माक
कायगु ॥ विरुयाजा ॥ मनयागदामनमयास ॥ वाचिपुस्थनयाजा ॥ ॥२०॥ वाचिध्याययागुपुन्यं अंसंख्यइ ॥ थुलिइ
उलीइधका ॥ सुनानी ॥ संख्यायायमइ ॥ गथागथासा ॥ ॥२१॥ ॥ गनु ॥ पुतिनि ॥ स्रफस्य ॥ पुमकस्यापयक ॥ अवि
नपुन्यथाजा ॥ पुर्वगणनरसमा ॥ ॥२२॥ ॥ कर्वलवाचिविनुश्यावाङ्मपुर्वयाग ॥ दनावासान ॥ पुमकश्यावासान ॥ ॥२३॥
डाजावासान ॥ वाजावासान ॥ नयावासान ॥ लनावासान ॥ वाजवाल ॥ वित्रमइयकसदाकालंइसा ॥ गथाअकासु
कलवृद्धिइयाजायी ॥ डाथानु ॥ पुन्ययागुध ॥ लाहायावाजीहाकपी ॥ ॥२४॥ ॥ जगदाननुविजस्य ॥ जगदिइ ॥ रवा
पधस्यव ॥ विरुजलस्य ॥ यत्पुन्यं ॥ अकथहि ॥ पुमीयत ॥ ॥२५॥ ॥ पुनवालजगगयाग ॥ अननुयायीगुवीज ॥
ऊर्गन्यागइ ॥ रवहजलयागुगु ॥ ॥२६॥ ॥ मेवधीययागु ॥ विरुजलस्ययागु ॥ पुन्ययागुसंख्यापुसंसाहायमइहा ॥ ॥२७॥

कवि
१२
सं

हिंसासंसनसागल॥ युद्धपुका॥ विशिष्यते॥ किंपुन॥ सर्वसत्त्वाना॥ सर्वसिद्धमयमाग॥ १०॥ पुनर्वालज्जडउच्छ्रयः
यगु॥ वाचिचिह्नहान॥ आसाजकयानामागलं॥ शीरगवानयाग॥ पूजायानागुयावयसिनं॥ आपालंरुलदयावान॥
कवेलसकलसत्ययाग॥ सुखवियधका॥ उद्यमयागशागुपुन॥ महाउरुमधकासियकी॥ चलिइसांवाचिह्नानया
अंगकर्मधयागुथा॥ १००॥ ॥ इःखमवाशिधवति॥ इःखनिसनलभया॥ सुखकयव॥ समाहाग॥ स्वसुखंघुति
चय्यायापुसंसा॥ १०१॥ ॥ पनेवाचिवय्यायागुपुसंसाइसायायतेना॥ ॥ पुनर्वालज्जडउच्छ्रयः॥ वाचिह्नानमइ
म॥ इखहलभयायइया॥ कवल॥ सुखगुलागयायधका॥ अनेगरजगुनयोसानं॥ धमीग॥ उगुसुखइसांभगु
धशया॥ सुखदहनाभयाना॥ रुकावियी॥ अलइखनंनुइयावाना॥ १०२॥ ॥ यसुखां॥ सुखनकालं॥ पीलीगा
नांमनेकस॥ न॥ कि॥ सर्वसुख॥ कय्यागि॥ सर्वपिडा॥ कित्रुवा॥ १०३॥ ॥ केवलवाचिह्नानइमपुनर्वाल॥ सुखयाग॥

७
७
१२

अनेकपुकातं॥ पीडायागसां॥ डयाइसां॥ सदाकालं॥ गिसांगियथं॥ अनेकपुकाजं॥ सुखधयागुवदइयका॥ अनेकुवा
नावान॥ गधवाधसा॥ धगुचिह्नं॥ धगुसजीलं॥ पन्यागउच्छ्रययायगुली॥ इयसियाइःखधयागुसहयाग॥ डया
गइसा॥ इःखदहुरुका॥ अनेकगुसुखनानंदइलहनाकजन॥ १०४॥ ॥ नामयत्यपि॥ संमोहि॥ साधसुन॥ समकुठ॥
कुठावागादसंमिगं॥ पृषवागादसंकुन॥ १०५॥ ॥ कवलमूलजामाहइसां॥ धकागभयाना॥ संसाय॥ एयधकागभयानावाक
साधसुनानइ॥ माहुरुका॥ पुनसाधनायाना॥ वियीक॥ धडासमानमिहधयाकसुइ॥ धर्मसमानक॥ मिगसुइ॥ सिंड
ला॥ सियकाकाहुनाकपि॥ १०६॥ ॥ कृमय॥ पुनिकुर्वय॥ साविःगावत॥ पुसस्यते॥ अयापात्रिग॥ साधसुन॥ वाचिसत्यकि
सुखयाग॥ १०७॥ ॥ पुनर्वालज्जडउच्छ्रयः॥ शिगुहानवाना॥ पुनयाइसांयानावाक॥ अर्थवाधमयानावाक॥ पुनसुखयाग॥
पुसंसायायकागभइयावान॥ असाधधयाकने॥ वाचिसत्ययावय्यासि॥ कुनमइक॥ अर्थवाधमयानावाक॥

माहसल यशसा वाक् ॥ अमन्यया गशसां ॥ साधुधयगुला ॥ अकान ॥ वयानयाय ॥ ॐ ॥ ॐ गिसगुपना ॥
 दिनस्यपुत्र ॥ कयषं ॥ अहदय ॥ कजातिस ॥ कलषादयसंख्या ॥ सकत्यात्रयके वावसगानि ॥ नाथशरु ॥ ॐ ॥ कय
 लसुनां ॥ युनसाधनयागु ॥ धर्मश्रद्धिवाचि वर्याशसां वलयानाश्ल ॥ अर्थवागधगक्यापुत्रधयका ॥ वाचिस
 त्वशया वाचिगु ॥ गुक्तसं ॥ कयषधयागु ॥ पापममिगया ॥ निखिधयायी ॥ उक्तसिगशसां ॥ पुगुपापंशसां ॥ अद्यालन
 जकरीका ॥ कलपरगक ॥ सासनायानागु ॥ धका ॥ नाथशयावि कावाक् ॥ शरुगवानन ॥ आह्लादयकावि कावाक् ॥ ॐ ॥
 अथयस्यमम ॥ पुसामति ॥ पुसवेकस्य ॥ गताधिकैरुल ॥ महगाहिवलन ॥ पापकर्म ॥ दिनपुत्र ॥ पुतंलयगु ॥ ॐ ॥
 गत्मानकोय ॥ अर्थ ॥ गहिला ॥ सरुट ॥ वाचिसिहं ॥ जिनात्मज ॥ सिक्काननिकमगु ॥ यरुद्वयानिष्टमगु ॥ ॐ ॥
 पुर्वगतपधिजागु ॥ गवांशसा ॥ कवलभापालंरुलशसायगु ॥ धका ॥ धगुमननं सियका ॥ गधगक्या ॥ पुत्रधयकावा ॥
 पि ॥ वाचिसत्वपिसं ॥ अनकगुजकनयाना ॥ वाचि वर्यावक्याना ॥ कवलवाचिसानशसा ॥ कागुककना ॥ सिक्कायागुगधधसा ॥

॥३॥
॥३॥
॥२०॥

गुत्रयागुवावाचन ॥ धमंस्तनंसियका ॥ मगिशसां कं धंदा मदयक ॥ अनकजकनशगुमिगाना ॥ सदासर्वकालं वाचि वर्याशसां व
 लयानावि कावाक् ॥ धधिजायी ॥ वाचिसत्वपिरु ॥ धंशरधका ॥ धगुमननं पुसंसायानावाचन ॥ अलजाधमंडलीयानागुली ॥
 वदानधंगु रुलशसाजाना ॥ पापधयागुदकाहनाडीनी ॥ ममगुहं मयानं ॥ पुतगुकर्मशिया वाचनदयीधका ॥ नाथधयका ॥
 वि कावाक् ॥ सरुगुनं ॥ आह्लादयकावि कावाक् ॥ गहाकजनपी ॥ ॐ ॥ ॐ गिगु वाचि वर्या ॥ उवायाक् ॥ मया कया
 वलीमागुहं ॥ ॐ ॥ कवलधलीहानं ॥ संशकशया ॥ वाचिपुत्थनसुतां ॥ पुत्रधयानइमिय ॥ मधम ॥ उनुम ॥ पु
 त्रधधका ॥ धयाग ॥ इमियवि धनं पुत्रशया ॥ संलगकायधयागु पिजगु ॥ पुनवाचि वर्यायायत ॥ धर्मपापया
 त्वशयावाचन ॥ ॐ ॥ तयापिच ॥ यधससुनकिं ॥ पलिलंयत ॥ नाथवेत ॥ कायतयतं ॥ गलनापि ॥ नलं वजीरु ॥ ॐ ॥
 धधधका ॥ अश्यावलीकिग ॥ लधयापिसं ॥ हापांरशया वि कावाक् ॥ गधगक्यपिसं ॥ आह्लादयकावि कावाक् ॥ ॐ ॥

हेलाकजनपि॥ किमीसंशसांधनीनिस्यं॥ याकनं२जअसकअं पुजारायया॥ रकिया नावाचिचय्यविरूयानावा॥ चवाचिः
वय्याव रुमयागजाअसा॥ इःखसियायमवगुडायीमरु॥ अलमरुवलगुपागलनं॥ सफयागात्यडाना॥ इःखसिया वा
नमाली॥ ॥१०॥ ॥यदिचैवं॥ पुतिह्राय॥ साधयन्॥ नैकर्म॥ नानिसवविसेवाय॥ कागतिस्म॥ रुविष्यति॥ ॥१०॥
पुनवालगुक्रस्यनं॥ पुगुहानसियका॥ पुतिह्रायनंनिचययाना॥ कायायीधका॥ मनउकगया॥ चर्मकूमयास्य॥ चडाग
कठिजाकधका॥ आयाजावानी॥ अर्जया॥ कृगतिइडु॥ लाधकाअसा॥ थडाकदयाजागु॥ पत्रिवाल॥ धनसेपति॥ दकगागाः
अंधंका लशयाजागु॥ पाकाजकुरुडीना॥ इःखरागजकयाना॥ डानेमालीहजाकपी॥ ॥१०॥ ॥मनसा॥ विरुयित्वाडु॥
यानदकात्पुननज॥ सपु॥ गारवगीत्पुनमत्यमात॥ पिवरुनि॥ ॥१०॥ ॥कवलगुक्रस्यनं॥ मनउक॥ अरुनकगु॥ वि
रुनाउकयाना॥ दान॥ पुनकसमकूनमयास्य॥ लिपायागमानिधका॥ सचयजकयाना॥ नु॥ कयाग॥ कूडयाला

॥गु॥
॥२॥
॥२१॥

सुविमुखचयागुनलकस॥ पुरुअयका॥ नयलनमखंका॥ इःखसियावावायमाली॥ निस्यनं॥ ॥१०॥ ॥किस्तगानुच
न॥ सेरयसुखेत्पुदुष्यरावत॥ यस्मादापयमानासो॥ सर्वसत्तापहानिकुन॥ ॥१०॥ ॥चसंसाय॥ उरुजडया॥ माः
हागडाधनावागु॥ सुखलायगु॥ पुनकजर्मस॥ सुना॥ पनखरतिजामागु॥ पुनकायसिमतिकल्पनागयो॥ उगुअस
खअधयक॥ एतिवाजक॥ एतिवाजकमनकाया॥ चकामयास्य॥ हानं॥ पापनंरुयाना॥ उरुस्य॥ उगुका॥ विद्युयायी
उरुस्यग॥ अथवासकलसत्ययाग॥ अर्पहानीयाना॥ वियागुलोपायलाना॥ अहाकया॥ कायमअया॥ अरुसंखसंखाम
उगु॥ नजकस॥ कृतिडाडानावानीइल॥ ॥१०॥ ॥याइयय॥ कलमयस्य॥ पुष्यविद्युं॥ कविष्यति॥ गस्य॥ इडुमिपु
यंतं॥ नासिसत्तापहानिन॥ ॥१०॥ ॥कवलपुनयागु॥ चर्मयाकास॥ सुनापतरव॥ ककमाठ॥ विद्युयानाविः
॥१०॥ डामनुष्ययाग॥ अरुसमवनं॥ इडुमिधयागु॥ मरिगुगतिउनिधका॥ सीयका॥ सत्वघागकधयागु॥ सत्तिया
नस्यजागुका॥ गवलसंकपाविरूयायमया॥ ॥१०॥ ॥उकस्यापिहि॥ सत्वस्य॥ हिगहत्वा॥ हगाहवन्॥ ॥१०॥ ॥४

उ

अथ कासपयकं ॥ अतिना ॥ किं मुदहिनां ॥ ॥ कर्बलधस्यग ॥ अथ कास ॥ अं तु यो गं सं हिं नं यं यं ॥ सर्क क ॥
 स्मग ॥ हि न इ यो गु क का वि यी ॥ प ड न न व स्य नं रु यी ॥ अथ या का ल न ॥ अर्ग रू सं सा ज ॥ सर्क द क हि न या ना ॥ अ को ग पु मा
 लं ड लि पु ति म द य क ॥ प न्य श सां ड ल य मि श यी ह ना क ज न ॥ अथ या का ज ल ड अ स वा य मा ल ॥ ध र्म नं या य मा ल ॥ कर्बल
 ध र्म रू वि द्यु या ना वि स्य ली ॥ डी म न्म षा या ड रू ल श यी ला ॥ कर्बल अ ल य र्ज न ल क ध या गु ॥ ग थ ग अ सा ॥ उ रू न या
 ना या य म रू गु ॥ अ धा ल न न क स मा यी नं सं ॥ पा प ध या गु कं नं या य म मा ह ना क ॥ - ३० - ॥ अ प म या ग ना वृ ध ८
 सर्व स त्व ॥ ग व ष का ॥ लं म षा न स द्वा र्ध ल ॥ वि कि त्सा ॥ र म च ल अ ना ॥ - ३० - ॥ ह ना क ज न पि ॥ अ ग थ ग अ सा ॥ अ र
 ग वा न पि सं ॥ बा वि स त्व पि सं ॥ अ न क पु का ल ॥ अ त्व श गु ति या ना ॥ स क ल स त्व या ग मा ला ह या ॥ उ द्वा त्र या य न ॥ डी स ॥ श या
 वा गु ॥ ध र्म सा स द य का वि स्म ग ॥ कि पिं म र्व श या प ड गु दा षं ॥ डी अ व च ल ॥ श या वा गु न डी ध गु ॥ अ र ग वा न या वा वा ॥

॥ ३० ॥

रू सा ज ग ति ड अ ल शं गु ॥ डी स थ का य गुं क्का म या पिं कि पी ह ना क ॥ ॥ न हि द से स च रि ने ॥ स द्र मि ॥ ल र य पु न ८
 स द्र ना व ल य मा या ॥ पा प म व ॥ कृ गः सूर्यं ॥ ॥ पु र्न वा ल कि मी सं ॥ अ म थ हं ड क ॥ च ल या ना ॥ इः र व सि या श यी गु ॥ अ पा
 लं क ल ड अ न्य ध न क ल ॥ प ड ग क कि मी सं ॥ स द्र मि ॥ रिं गु ग ति ला य म रू नी ख ला ॥ क व ल कि मी सं ॥ स द्र गी डी न्य गु ॥ धा म या
 स ॥ म रू गु धा या ना वा न ह ना क ज न पि ॥ उ किं क दा रि क् कि पी स ल ग नी ला यी म रू ॥ अ ल स ल मि म ला स्य ली ॥ हा नं पा प
 ह ज क या ना ॥ अ ल उ र गु धा ॥ ग व ल शं गु ॥ अ मि ॥ अ स द्र मि ध या गु ग व ल ला ॥ गु व ल सं ला य रु यी म रू ॥ ॥
 य दा कृ ग ल या र म श पि ॥ कृ ग ल यं ॥ क ना वि न ॥ अ पा य इः र व सं म रू ॥ किं क जी ष मि ॥ ग दा श री ॥ ॥ ८ ॥ अ ग थ ग अ
 सा ॥ कि मी सं ॥ हा यां र नं ॥ अ नं ॥ गु गु र थ स पु च या य गु ॥ अ व स ल डी यी ॥ ड गु र थ स ॥ कि मी सं ॥ पु न्य गु सा ध ना या य गुः

कामयास्य ॥ मृडश्या ॥ ममताजकयाना ॥ पापकर्मयाग ॥ पुन्यलायगु ॥ ज्वलत्स ॥ चयागुगथा ॥ जा ॥ ५३ ॥ यथा ॥ इवत् ॥ ४
 चयागुगथा ॥ जा ॥ मृलकया ॥ जाजाश्या ॥ वात्रिगुवषठशु ॥ ॥ अर्थका ॥ माहाजनश्या ॥ असंखे ॥ चनसंपत्तीदया ॥ वागु
 वषठश्या ॥ उगुवषठ ॥ पुन्य ॥ चयागु ॥ अर्थका ॥ जा ॥ दान ॥ पुन्य ॥ किम् ॥ धर्म ॥ अदिश्या ॥ मयापिसं ॥ अर्थका ॥
 सत्गुज्जया ॥ काजा ॥ न्यदसानं ॥ धर्मसा ॥ रुयागु ॥ ज्ञानमन्य ॥ अर्थका ॥ ज्ञानमकास्य ॥ वापि ॥ अजापिंका ॥ किपी ॥ अल
 पापयानागुली ॥ नत्रकयागु ॥ इः खलयश्या ॥ उगुवषठस ॥ ॥ मीसं ॥ कं ॥ पुन्ययायी ॥ अलहायाका ॥ अगुगु ॥ इः खसिवा
 य ॥ रिगुगथलं ॥ शु ॥ मरु ॥ ॥ ॥ अकवग ॥ को ॥ लया ॥ पापम ॥ वापि ॥ चि ॥ यक ॥ हन ॥ सुगति ॥ ल ॥ वापि ॥ कल्याका ॥
 लनेत्रपि ॥ ॥ ॥ पुन्याल ॥ किमीसं ॥ क ॥ लश्या ॥ वागु ॥ कामयास्य ॥ अकसलगु ॥ क ॥ ल ॥ चयागु ॥ ज्वलत्स ॥ मशु ॥ ना
 लशु ॥ ॥ मरिगु ॥ याजकयाना ॥ असंख पापजक ॥ द ॥ विकशु ॥ मकावापि ॥ किपी ॥ हानं ॥ किमीसं ॥ सुयगीलायगु ॥ ४

७३२

[illegible]

जलयायी अथानं हुकमहू ॥ कर्बलिवर्क किलथ गानागयागुथं ॥ उखं भुर्यं ॥ गनमडास्य ॥ मंनुमाह याजाः वस्यगयाना
वस्यगयानागुथं ॥ कृणायमहू ॥ अचनइयाचा न ॥ अर्थक असामर्थशयकाचा न कियो ॥ ॐ ॥ सर्वदवा ॥ मनु
ष्या ॥ यदि सुसुखलनुव ॥ गनापि ॥ यीचिकं वहि ॥ समुदानयितुं कम ॥ ॐ ॥ पुनकालसंकलदव ॥ मनुष्य अ
दि ॥ सनुतावइयाचा सान ॥ कलमागुजकइ ॥ अमिसंदिमात ॥ अविचिनलक यकीमरव ॥ अविचिनलकयकी
मिसुअसा ॥ अमकिमीकचागु अहकालयागुलीयकि ह्याकजनपी ॥ कर्बल अहकालयाक ॥ कमाद ॥ मरव ॥ अ
हकाजयागुयास्यायमसा ह्याकजनइयाचापी ॥ काकाकिमीसं मसीयीकी ॥ ॐ ॥ सर्वहिताय ॥ कल्याण
लानुकूलनसविता ॥ सव्यमाना ॥ लमीक ॥ सगजा ॥ इः काजका ॥ ॐ ॥ पुनकाल ॥ किमीसं ॥ सकलयाग ॥ हिता
कल्याणयीगु ॥ अत्रकूल ॥ कर्मसु ॥ पापगु कल्याणागया ॥ अत्रकूलस ॥ सवामया ॥ किमीसं ॥ इः खजकयायया नाचा न्यमात
॥ इः खयाकइयाचा म ॥ पापरूपी ॥ अहकाल ॥ लीर ॥ सनुयागु सवाया नाचा न ॥ अलनचागु ॥ इः खसियाचा न ॥ ॐ ॥

बाधित
या
॥२५॥
या॥

एववाकलपालका ॥ ॐ ॥ नजकादिष्यपि ॥ वधवागका ॥ मतिवेस्मनि ॥ लारपंडज ॥ यदितिष्टति ॥ कृत ॥ सुखं ॥ नव ॥ ॐ ॥ ८
पुनर्बालगथायासा ॥ एवसंसाजसागल ॥ पुनातयन ॥ दयकातयन ॥ एववाकलपालकायासा ॥ अहंकातयागु ॥ ॐ ॥
हंकात ॥ शिगुदकहका ॥ घातक ॥ आदियाना ॥ नजकादिष्यपि ॥ लसगया ॥ उसकइसांइयमदयका ॥ संसाजलपीधः
यागु ॥ वधगमलेकनात ॥ ॐ ॥ सा ॥ ॐ ॥ रुकी ॥ अथिजा ॥ एववाकलपालका ॥ माहृपीइसां ॥ पंडलेवीनावासा
ली ॥ डायजा ॥ सुखधयागु ॥ गुरधयागुगुयययी ॥ कदाचिरुद ॥ मरु ॥ सदासर्वकाल ॥ इवहजकइयावाजीहजाकज
नइयावापी ॥ ॥ ॐ ॥ अहंकाती ॥ पापकाती ॥ मसीयक ॥ समानहं ॥ ॐ ॥ ॥ अकात्रलेनेव ॥ विपुक्रानि ॥ म
यष्यलकाजवदः ॥ हंति ॥ महार्थसिध ॥ समुद्रतस्य ॥ इः खानिकसमानव ॥ बाधकाजि ॥ ॐ ॥ ॥ कर्बल ॥ एवसं
साज ॥ मनुष्यपिसं ॥ विनाअपजाध ॥ विनासकाजमययात ॥ घातकयाजा ॥ उगुघातकरवना ॥ हर्षमानयाजा ॥ अहंकात ॥ ८

गु
३
२५

सिंहा २

इसांसिगियथरातपा ॥ मरिगुकास ॥ उषमयाजावाज ॥ कबलगुगुख ॥ माहृगंधइयावागु ॥ अर्थसिधिइगु ॥ सुखलायगु का
सइसाइमिवाहमना ॥ एवाजकसंसियांगगु ॥ उषमकिमीसंमया ॥ अथीजागु अर्थसिधिसुखलायगु कायासा ॥ पलषरुकि
वाहि ॥ इवसहयायमरुत ॥ कायसुखलायगु लीकापलइयावाजाहजाकजजपी ॥ ॐ ॥ ॥ लुकिवीकानागु ॥ निवदधिग
केवस ॥ बांडाल ॥ कृषिवजाद्या ॥ भीतागपादि ॥ यसनं ॥ सहकु ॥ उगुद्विगार्थ ॥ सहस्य ॥ कथनं ॥ ॐ ॥ ॥ हजाकजजपी
किमीसं ॥ वाकरगजकजयाना ॥ कूदंकजकजययाकाल ॥ अनेकरकल्पनायाना ॥ बांडालकमभादि ॥ वंकाधयागु
रालिकुव्या ॥ सीगल ॥ गापनागु सहयाजा ॥ कर्बलपलवभादिगया ॥ अनेक ॥ देलउममवावाडला ॥ वपालभादिया
ना ॥ मपिगुगुमिमाताकनाइया ॥ पुनर्बाल ॥ वाकलीइया ॥ आपाहइः खसियाइल ॥ विनामकाल ॥ पथिजागु ॥ इः खस
हयायइ ॥ पुनर्बालपथीजागुजगलउधतयाना ॥ हिनयायगु कासजा ॥ पलषरुमिना ॥ इः ख ॥ गथासहयायमरुतहजाकपी ॥ ॐ ॥

ॐ ॥

शामवसु॥ दहं हूनाडीनी॥ अथवाथवसुगीगाडीन्यमास्यली॥ शामवसु॥ अणसयानाचाना॥ पापवधं॥ माहाइत्य
कन्याचानमालीहजाकपी॥ ॥३॥ इःखनकुसि॥ इःखन॥ हेतुमिकुसि॥ इमि॥ स्वपनाअगतइःख॥ कस्मादन्य
त॥ इषाग॥ ॥३॥ इमिगिश्यावापि॥ किमीसं॥ इखशुं॥ गुक्राशसा॥ किमीसं॥ अहनेतु॥ ॥३॥ याना॥ इःखयाह
तु॥ इःखशुं॥ कजम॥ किमीसं॥ यानाचान॥ कर्तलथमया॥ नागुपाप॥ धडां॥ तुइलमवृत्ता॥ थमया॥ नागु॥ कर्मणिगंन
इखइलमवृत्ता॥ मपिसं॥ इखविलधका॥ मवयातपायानाइल॥ कर्तलथमया॥ नागु॥ इखवथमवयात॥ कापायाय
गु॥ मवयातपायायसाहजाकजनी॥ ॥३॥ ॥३॥ मना॥ धर्मनिगि॥ स्व॥ मननु॥ सुखसकमि॥ त्रिगिजोदय॥ हास्या
इःखहो॥ कथंनय॥ ॥३॥ पुनवातथधिजागु॥ ॥३॥ इयावागु॥ वगतडाधनावागु॥ माकडागु॥ धर्मियावा
माहधर्मिगीप्या॥ ममगायाना॥ सुखधका॥ जागत्रनिधयागु॥ र्यात्रधका॥ सलशया॥ थथमनं॥ इखकर्मयाना

॥३॥
॥३॥
॥३॥

इखइयका॥ मपिसुहतायाका॥ कायइयाहजाक॥ थथइयमय॥ ॥३॥ वाचिकेनु॥ विद्यागन॥ केवकन
गवाधना॥ विपत्रिजीहजीजागा॥ गस्मादाधि॥ पुसाधय॥ ॥३॥ पुनवातथइहजाका॥ किमीसं॥ गधनावागु॥ वा
धिहानधयागुयाग॥ विजागयाना॥ गीगा॥ मवृगु॥ रुधिकर्म॥ पापसचलयाजाडाल॥ आ॥ थउ॥ किमीग॥ विपत्रा
इइयका॥ इःखनयाचान्यमात॥ अथपाकाजल॥ हायागु॥ वाधिहानधयागु॥ साधनायाना॥ पुनइयावागु॥ कर्म
यायमातधका॥ ॥३॥ सुइइयाविस्माम॥ एगवानं॥ आहादयकाविस्माम॥ ॥३॥ मिथकल्पयाचिग॥ पापका
य॥ व्यथा॥ तव॥ तस्मात्कार्य॥ पुहेकेनु॥ तावयवीत्वेवमादजाग॥ ॥३॥ ॥३॥ केवलमिथकल्पनाधयागु॥ पापध
यागु॥ थउचिरुं॥ यानागुपापआदि॥ दधकृततपापस॥ चलया॥ नागुवथ॥ किमीग॥ अगुं॥ माहाइखइल॥ अथया
काजल॥ थउचिरुं॥ रिंका॥ पुइइयावागु॥ रिगुका॥ वाधिहानस॥ वांताक॥ आदलतावगया॥ वाधिहानसाधनयायमात॥ ४

३
२
२८

नहि जाय ॥ विद्या ताप ॥ जायत ॥ पापत्रिनां ॥ इः रयानि ॥ दोमनस्यानि ॥ रयानी ॥ विविधान्यपि ॥ १७ ॥ अथ ॥ पापकाः
 नावापि ॥ पापकालधयापि ॥ अनेकपुनरिति ॥ विपत्रिहृश्या ॥ इः रयकहृश्या ॥ केवलमनं गवसाजया ॥ अयकं स्वः
 नाडनी ॥ पापकाजीधयापीनी ॥ दामनश्या ॥ याना २ गुह्याना ॥ मश्या ॥ सनी ॥ कर्बल ॥ मननं ॥ एगिश्या ॥ अने २ गुह्यडी
 या ॥ इः रयश्या ॥ १७ ॥ पापकालीधयापि ॥ हृश्या ॥ नाकजनपी ॥ १८ ॥ पापकासी ॥ सखका ॥ यययगहिगकृति
 नउनेवे ॥ गत्यापि ॥ इः रय ॥ १९ ॥ निहंनयु ॥ २० ॥ पुनबलिगुह्या ॥ पापकाजीलं ॥ २१ ॥ पुनबलाय ॥ २२ ॥ कायानाश्या
 गन २ डाना ॥ अनेकगुह्यासांनं ॥ यकहृयासांनं ॥ कक्यानां ॥ डायनजा ॥ उगुपापहृडी ॥ ना २ ॥ २३ ॥ डुहपाप ॥ ल्यल्युडी
 या ॥ सगुधंश्या ॥ अर्धवासु ॥ अष्टधश्या ॥ दकका ॥ नासया ॥ ना ॥ कूका ॥ विर्या ॥ २४ ॥ पापकालीयागहृडी ॥ जनपी ॥ २५ ॥ धिडा
 गुइरयश्या ॥ धका ॥ धर्म ॥ धर्म ॥ कर्म ॥ दानपुनया ॥ धका ॥ धयागु ॥ धका ॥ २६ ॥ एगवानं ॥ अज्ञादयका ॥ विर्या ॥ २७ ॥ धर्मपाग ॥
 सार्कूनश्या ॥ मरुहृजाकपी ॥ २८ ॥ मनात्रध ॥ पुनहृगां ॥ ययपुनेवे ॥ गकृति ॥ नउनेवापि ॥ गत्यापि ॥ २९ ॥ दला ॥ लपि ॥ पुन ८

कर्वल॥ मनःश्रुतिं॥ विरुहिका॥ भुक्तकर्मधर्मयाजाजी॥ धर्मस्मिता॥ मन्त्रा॥ धर्मयाजा॥ प्रययागुपुलावंशसांभल
डीमन्त्रया॥ गलंडासां॥ गनंजायाजा॥ सदाकालधु॥ मनागुदुका॥ पुनश्चयका॥ सकलस्यांनं॥ माययाका॥ पूजायाका
आनं॥ कीनाजीनयदीहजाकजनपि॥ १०१ ॥ विपुल॥ सगंधा॥ लीगल॥ सनालह॥ गर्हगता॥ मधुलजिनसनाल
नकुतापविशुद्धतय॥ मन्त्रिकजवाधिनाकुज॥ विनिगर्त॥ मुदवपुष्ट॥ हगताएवंति॥ सगमस्य॥ पुन॥ कलते॥ १०२ ॥
हजाकजननी॥ धर्मकाजीश्यायापी॥ नभागतया॥ हाडान्यवीना॥ धर्मयाका॥ सगपुष्टयात॥ गधिजागु॥ इदं॥ लाधसा
कर्वलः॥ अत्यंतवालागु॥ सगंधासीगलतुंश्यायागु॥ पत्यसाया॥ गर्हसविकानावीका॥ अलगवान॥ ससलवालश्यावी
गु॥ हानयाकथाकना॥ अलगवानयालाहति॥ गंधपत्यसायया॥ कलतनं॥ गुल॥ हान॥ उत्यमिश्याडाधंशसा॥ वाधी
हानशसा॥ अधीस्थनयाकासंपूर्णहानंकुलतश्याका॥ नभागतयापुष्टयाका॥ महासुखशीगयाना॥ अत्यंतवालावीना॥

॥७॥
॥३॥
॥२८॥

पुनर्गल॥ धर्मकालीयाधधश्या॥ पापकाजीया॥ गंधावीधसा॥ १०३ ॥ यमपुष्टयापनीत॥ सकलकविजार्जिः
वातुसुत॥ वङ्गापविडग॥ नामनिविक्तगु॥ कलदसि॥ मन्त्रिघात॥ सगंधाकित॥ मासदल॥ पतति॥ सगंधलाहधज
लीव्यपुष्टवङ्गस॥ १०४ ॥ पुनर्गलअलजा॥ पापयाका॥ पापकालीयात॥ गंधयायीजाधसा॥ अत्यंतहानापुष्टयापिः
जमइरुपिसंकका॥ रथगंधाया॥ गजकुंनंमदयका॥ शिव॥ वी॥ वल्वल्वल्वडयका॥ ला॥ हि॥ मुकयश्याका॥ उर्म
इगपिसं॥ जमलाकयंका॥ अलअनगंधयाजागीधसा॥ सिजयागुखासीस॥ विरुहश्यादायकागुलीखासी॥ काका
कायी॥ कर्वलहानं॥ नमितहानगंधायाजीधसा॥ खर्द॥ सक्त॥ अस्तधयागुशसा॥ उमगंधावियी॥ अलअकक॥ घाज
श्याकावीनमाली॥ धरनायानाहुधसा॥ दवदवगधिसंयानाहुघालश्याका॥ कर्वहानंडापापियाशसाधुगुवदना
सहयायमरुया॥ उमधरसना॥ अलहानंखासीया॥ सिधंरवावाडला॥ मरुशसा॥ उमधरवायावीजीगुववने॥ पाउ
सक्यागु॥ नगलाशसांअगुस॥ त्यत्यस्यकी॥ अलउगुलीदाहश्या॥ मरुशसांअजिना॥ म्यप्यहाडायीनाहाकयाना॥

त्याला

वाचि
या
॥ ३० ॥
सं

अत्यहानं जगत्पाहाउत्तुलीनु ॥ हाकनं ॥ सत्संभ्र ॥ मत्संज्ञां तावपि ॥ अधिजागुसायाका ॥ इत्यसियावा न्यमाता ॥ १ ॥
जन्मान्नपि ॥ साहासं ॥ पापइत्येव ॥ वधनं ॥ नृनच ॥ कार्यकालं च ॥ हीनंतव ॥ नसाधिगं ॥ २ ॥ कर्बल किमासं ॥ जमर
जन्मान्नपि ॥ इत्येवठरुयीगु ॥ पापसं ॥ असासयाना ॥ ममगु ॥ अर्थवाधगुरु कायागसां ॥ ३ ॥ आदिकु नासयाडाजी ॥ ४ ॥
लीनकुरुलनं ॥ किमासं ॥ वाचिहानधयागु ॥ कदाविह ॥ साधनामया ॥ अत्यकिमीत ॥ पापंजकदाहइयका ॥ इत्यसिया
वानहनाकजन्मया ॥ ५ ॥ ॥ आपदावाधनं ॥ न्याऽपि ॥ मगसु ॥ यदिइर्वलं ॥ विषादकुरु ॥ निरुद्धं ॥ आपद ॥ सु
कजागनु ॥ ६ ॥ ॥ अत्यहानं पापंशसां ॥ आपदा ॥ वरुइगु ॥ सजीलज्ञां गसिरुयका ॥ सदासर्वकालं ॥ कुरुका ॥ काया
सा ॥ आपदाधयागु ॥ धंदाजकुरुयका ॥ कायधियागु काइसा यायमरुयकागया ॥ धंदासुगजिकुडायावाजी ॥ ७ ॥
कागुहगवाननं आहादयकल ॥ गधजकधसा ॥ हपापीविं ॥ किमीसंनदी ॥ धंभु कायमसु ॥ विपत्रीगधयागुलायभपुः

किमासं ॥ वगनाया ॥ पधधका ॥ लाक नाथं ॥ आहादयकाविस्तर ॥ ८ ॥ ॥ अत्यहानं ॥ अमानसु ॥ महगमपिइ
उयि ॥ नदेवमानो ॥ कठया ॥ दिनसिंह ॥ सगाअयं ॥ ९ ॥ ॥ पूर्वकाल ॥ गुमानीइयावापि ॥ इर्जनपिसं ॥ सदा ॥ मानः
याकधका ॥ उरुसाहयानाइयी ॥ उरुगुमानिइयावापि ॥ गधधसा ॥ साकागु ॥ इर्जनधयगु ॥ डयाक ॥ सुरुधर्मः
ज्ञानधयागु ॥ गुपलदयीमरु ॥ गुमानधयागु सुपिरुनमइहनाक ॥ १० ॥ ॥ सुपु ॥ सुइधसा ॥ गधगतयापुरुइयावापि
वाचिसलपिसंजकसि ॥ ११ ॥ ॥ लरुगलपीसं ॥ सिधुमधु ॥ गुमानियागुख ॥ विरुवागुखनं ॥ १२ ॥ ॥ अपिअसंखवदुल
वरागधमान ॥ विजिता ॥ वजाकसि ॥ नमानिन ॥ मानीसु ॥ वलनती ॥ मानसु वमसुति ॥ १३ ॥ ॥ कर्बल
मानमइमस्यं ॥ गुमानमयासु ॥ धडायध ॥ नयः ॥ लनगुवसु ॥ लगधयाग ॥ दकसासं ॥ धर्म ॥ जिरुययाग ॥ १४ ॥ ॥ मनुष्य
वाहधं वासाने ॥ गुमानीमइ ॥ अर्थन ॥ सहुडानाप ॥ वावावासानं ॥ सहुयावसु वाजीमरु ॥ १५ ॥ ॥ माननइर्ज
मितीना ॥ मरु ॥ इदर्जना ॥ कुरु ॥ हनास ॥ पजिरुता ॥ १६ ॥ ॥ मानुष्य ॥ विरुता ॥ सवा ॥ १७ ॥ ॥ कर्बलगुमानइसा

॥ १ ॥
॥ २ ॥
॥ ३ ॥

[illegible]

三

五

三三

[illegible]

॥३४॥

॥या॥

कामा ॥ हनर्धजनका ॥ ॐ हलाक ॥ पत्रगुच ॥ ॐ हयधयधकुडन ॥ नत्रकादो ॥ पत्रगय ॥ ॐ ॥ हलाकजनपि ॥ कामधयागुजा ॥
 जिंकावर्धधकाधया ॥ कायलाधसा ॥ ॐ हयाकन ॥ पतलाकेनयधधया ॥ कायलाधसा ॥ कामत्रनिधयागुया ॥ कासेल;
 गधधसा ॥ ॐ हलाकसं ॥ वैहिनयागत ॥ पतलाकसीनयागत ॥ हाबन ॥ स्फाग ॥ पाल ॥ नृगतंकचिगतलधयाविल ॥ धगधत्रा
 धसा ॥ ॐ हलाकमत्रनियागुपापं ॥ सिमांसांननलकसवासयाग ॥ ॐ ॥ यदर्थ ॥ इन्द्रनिना ॥ हलाकलीननकध ॥ नत्र
 पापमकीमिवा ॥ यदर्थ ॥ गलिनापूला ॥ ॐ ॥ कर्बलगुगु कामयावर्धधसा ॥ त्यांमिनी ॥ स्मियाके ॥ किमीसं ॥ कामयावर्धनि
 डायत ॥ लाहगहाकलपा ॥ विनमियानाइल ॥ कर्बलधकामलाएगयागुधका ॥ पापधका ॥ रमियाह ॥ गीगमयाध ॥ लाप
 निसं ॥ कामधनुस ॥ रमलपाइल ॥ हलाकजनपी ॥ ॐ ॥ पचिक ॥ एवेपुत्रासा ॥ दविनय ॥ ययीकर्म ॥ मान्यवरा ॥ पवि
 श्रज ॥ वरवाकमनिविगा ॥ ॐ ॥ हलाकजनपी ॥ किमीसं ॥ ॐ ॥ किर्किमइगु ॥ कामयाकालन ॥ थडागु ॥ श्रमाश्रदि ॥ दकइसा ॥

धनडय ॥ संपुमिसकठा ॥ रुकल ॥ ॐ ॥ लदकहका ॥ सदासर्व ॥ प्रसंगापकया ॥ इयरागयानावान ॥ इगुकास ॥ हलाकली
 गुरुगुइसा ॥ धर्मदधयापूय ॥ साधनयना ॥ उरुमगु ॥ निर्वमिपडकिलारी ॥ मडानीगुकुइ ॥ ॐ ॥ गान्यवादिनी ॥ नान्यानी
 लविनी ॥ ममानिव ॥ पुकाम ॥ संपुमिगु ॥ किनगकुगु ॥ निवर्हि ॥ ॐ ॥ कर्बलउगुकामे ॥ सुनानयाउगुमष ॥ धमनीगसा
 गयागुयाग ॥ उगुकामकुपा ॥ गायगु ॥ थडाधसीमखला ॥ डाकामत्रनि ॥ थडाधमी ॥ ॐ ॥ नुजालगवयावान ॥ इयमिडीनीगु काम
 गगतलधसा ॥ नलिस्यइसाठानी ॥ विचिहानलाना ॥ निर्वनिपुनूधि ॥ मडानिगुकुइ ॥ नृवस्यमवनंडानी ॥ ॐ ॥ नकसा
 दसनादाध ॥ लालामधवे ॥ जायत ॥ गगमिधमनिपुनू ॥ लालाकन ॥ कपपिय ॥ ॐ ॥ कर्बलउगुकामयाकालन ॥ लाकड
 नपिसं ॥ नृपधिरु ॥ इयावागुसगील ॥ संधुजीधका ॥ कामलाएडक ॥ ययाइल ॥ नवागपीन ॥ नृपविगु ॥ इयावागुधसा
 लाल ॥ खे ॥ वा ॥ रि ॥ वि ॥ धलीजकडत्य ॥ मिइयावापु ॥ नृपीजापी ॥ स्मिजनयाके ॥ कायपिर्हियानाइयाइयाक ॥ ॐ ॥
 यधिभर् ॥ इगुवाग ॥ कसादाजीअस ॥ पत्र ॥ मांसकडम ॥ सलिक ॥ साधयववास्थिपंडल ॥ ॐ ॥ ४ ॥ ॐ ॥ ४

पुनर्वालथविजगु ॥ अमुचिशयावागु ॥ लाल ॥ हि ॥ खे ॥ वीज ॥ शि ॥ वा ॥ उरुगाशयावागुली ॥ कुरुलीरना ॥ असेरसयंवाचंविना
अर्थवा ॥ कयजकमिल्ययानागयागुसनीलथ ॥ डिगुसलील ॥ अजापंजथवागुसडीगु ॥ अमुचिगुमलील ॥ थुकेलारगयाः
जागयाना ॥ पलसपल ॥ अलिंगयानाकायशयाहिजाकजनपी ॥ ॐ ॥ अमम ॥ एवमत्यताननां ॥ कस्यभुचिकुमि ॥ वचन
मथमय ॥ कायममथ ॥ जनमिकुसि ॥ ॐ ॥ कर्वलथवसू ॥ अपविह ॥ अमुचिगु ॥ दालशयावागु ॥ थयमयविवाल
यानास ॥ थपीजागुनडागुवसू ॥ कायगुकायानावाना ॥ ॐ ॥ ॥ समसान ॥ पवितान ॥ धागान्कायायइपनयानपि
कथंरुत्वापि ॥ गतेव ॥ पुनलसयत ॥ नमि ॥ ॐ ॥ अर्थवापुगुवसू ॥ अपविह ॥ थ ॥ मयू ॥ ज्ञानवांलाकाकसियकी ॥ गथय
असा ॥ समनस ॥ अयुयका ॥ थसपायकागडाक ॥ सिकयाकह ॥ कुरुगुदं ॥ धायागुलपयना ॥ अननं ॥ कामउत्यमिशया
डाल ॥ धाथनु ॥ कामधयागुलि ॥ हिमरि ॥ विवालयाना ॥ थकह ॥ हिमरि ॥ विवालमया ॥ थजासाजीहचंवालय ॥ ॐ ॥ ४

ग
र
३५

मानार्थ ॥ दासता ॥ याकि ॥ मृडा ॥ कामविडुंविना ॥ दत्यन ॥ किचमाना ॥ ॥ हंयमाना ॥ ॥ लदिति ॥ ॐ ॥ पुनर्वाल ॥ सदांसर्वकालं
कामस ॥ ददुयाना ॥ मृडशयावापिसं ॥ अनक ॥ मान ॥ अर्थ ॥ अयालंडीयावासानं ॥ उगुकामं ॥ दाहयाना ॥ ददुहका ॥ नासयानाविल ॥
थकाममहिगु ॥ अथयाकालन ॥ कामयाग ॥ गालगमातेथका ॥ थयाहजाकपी ॥ थलीइसांकासीनीइंइंनयागुयइयावाना ॥ ॐ ॥ ४
कर्वलथनधनलाहयाथ ॥ मायायाथ ॥ ॥ अर्जुन ॥ नकुलनाथं ॥ विवादेनर्थमनर्थमिवहि ॥ अगुगया ॥ धनमतिना
वसजाहवविहले ॥ ॐ ॥ ॥ अमय ॥ धनदुर्ग ॥ दयकागयागु ॥ ऊंमावर्थधकाधया ॥ कायजाअसा ॥ थधन ॥ सुनानं
रंखा ॥ अदि ॥ रयायनीधका ॥ धं ॥ इययी ॥ हानलुवा ॥ हकायनिधुं ॥ धका ॥ हान ॥ सुमानं ॥ इडायी ॥ थधन ॥ गथयाना ॥ विवालया
यधका ॥ धनविवालयाथ ॥ मरु ॥ धका ॥ दं ॥ नइयाडायी ॥ अथयानिहि ॥ धनगयागयागु ॥ ऊंमावर्थधया ॥ कर्वलधन ॥ मायाः
पुहि ॥ लाह ॥ अनक ॥ उत्पमिशयासंसाव ॥ एयइ ॥ खवइया ॥ इयाडायी ॥ हजाक ॥ ॐ ॥ मायमा ॥ निमिर्गसर्व ॥ हनुरिष्यच ॥ निमि
न ॥ अयाति ॥ नकुन ॥ कुरु ॥ यातिचमि ॥ निरूपया ॥ ॐ ॥ पुनर्वाल ॥ हान ॥ थलाक ॥ मनुष्यगयसं ॥ मायालाहन ॥ अनगुकालन ॥ ४

117

三

三

85

8

॥ अथासौ विषादेऽपि मिथं कृदन्तरदने ॥ यापयन्ति ॥ सुकृत्कृत ॥ पापेनात्मसुखकृत् ॥ ३७ ॥ कर्षतश्चिज्जागु ॥ पुनश्चाशु
 ॥ अत्रिषधयाशुताग ॥ अचिजापिसे ॥ अडाजककमिजासा ॥ अनकविषाद ॥ मणिकल्पनागया ॥ लोह्याना ॥ अर्थवालाजालसालयाना
 ॥ हुकल ॥ घातश्चादियानासुखलायिका ॥ पापकर्मयाना ॥ इः खसियाचान ॥ ३७ ॥ मृतापतत्पपायष ॥ दीर्घतावृष्यथसूच ॥
 ॥ आगत्यागतसुगति ॥ रत्नारत्ना ॥ सुखचिन्ता ॥ ३७ ॥ अचिजापिसेसदासर्वकाल ॥ अचिजागु ॥ पापरागयाना ॥ अडाजकनयत्न
 ॥ असायाना ॥ भवयाग ॥ सुखमविसृ ॥ अडायेधपापयानाश्याशुगुहिली ॥ अलेअमीत ॥ नाकातंड ॥ खरागयायमातिगु ॥
 ॥ नजकसंयका ॥ कृतुकातयतयीहजाकपी ॥ ३७ ॥ एववहपुपात ॥ तगुवा ॥ गत्वमिदं ॥ तगान्या ॥ विजाध ॥ नरपत्न्यमी
 ॥ ३७ ॥ ३७ ॥ अचिजागुकर्म ॥ असंख्य ॥ प्रालिपिसे ॥ असंख्यपुमानं ॥ अचिजागु ॥ पापकर्मरागयाना ॥ असंख्यदंदाकाल ॥
 ॥ कर्षत ॥ जालेधजागु ॥ संसाजलपीकृत ॥ कृतकाचान ॥ अचिजागुनजकसुकृतुले ॥ कृतका ॥ अनयाना ॥ अनकरविषाधयानाउरुनशयी ॥

३७
३७
३७

३७ ॥ हानकृन्मदया ॥ अहनीश्या ॥ कीर्षयाजाचान ॥ ३७ ॥ तगुवाअपमानाव ॥ अनजा ॥ इः खसागजी ॥ तगुवमत्स्यतता ॥
 ॥ तगुपत्न्यतमायष ॥ ३७ ॥ पूर्वगतननचागु ॥ सागले ॥ समुत्पुमालं ॥ तचागुसासा ॥ इः खश्याचागु ॥ सुमानं ॥ उपका
 ॥ लयायगु ॥ लंमइगुधनस ॥ इः खसियाचपिंग ॥ सजा ॥ अन ॥ उवाजयागु ॥ ३७ ॥ तगापि ॥ अवितागोष ॥ व्यापार ॥ कृतः
 ॥ कर्मत्वेने ॥ निडयापदुवेवाले ॥ तसंगे ॥ निरुलसुथ ॥ ३७ ॥ अचिजापिसे ॥ अनयाना ॥ अचिजागु ॥ अनिलराग
 ॥ गयानागुलि ॥ नलकवीना ॥ अवीकायाना ॥ उपडवइगु ॥ व्यापालयाना ॥ संसाज ॥ ससंगयायगु ॥ निरुजशयका ॥
 ॥ सुनानं ॥ स्वयमयका ॥ मयनं ॥ निडायाययेजागुइयकाचानहनाकजनश्याचपि ॥ ३७ ॥ वृथेवायुवहृणा ॥ विव
 ॥ कस्त ॥ सुइलरि ॥ तगुपत्न्यनविहव ॥ निवालगमिकृत ॥ ३७ ॥ अथा ॥ अचिजापिसे ॥ पापकर्मयाना ॥ अचिजागुइड
 ॥ मितागयानाचान ॥ मनुष्य ॥ उमलाना ॥ अचिजागुइडमिहागयायगु ॥ व्यर्थकाधया ॥ कायलाधसा ॥ अइडमिहाग
 ॥ यानाचाम ॥ सधर्मसासुखयागुवाधयागु ॥ इलरश्याचान ॥ अधर्मरागयानाचाम ॥ सलगतिडागु ॥ धर्मगनविवात ॥

काष्ठि
या
३६
या

याय ००॥ अक्लमव न विवा लयायीमखु॥ ॐ॥ नमो वि॥ यतन॥ माला॥ महापाय॥ पुपातन॥ तगासन॥ गर्वा इत्यं॥ विविदि
त्साव इर्या॥ ००॥ ॥ अथा॥ गथाजाअसा॥ अथिजागु॥ अथुरगु कर्मइ ००॥ हजाक॥ मरिगुआस॥ तल्ययानावापित॥ व
दातधं॥ सत्माईसडीनीगु॥ ज्ञानवृद्धिकनिपि॥ असासात्रइलरइया॥ तापानाडीनीन॥ ००॥ ॥ पुनवात॥ गथाजाअसा॥ स
त्माईसडीनअयागु॥ कवलअमयायगु॥ अमाहाअकइयावान॥ महाइलर॥ गथाजाअसा॥ श्रीरगवानं वृद्धयागुप्रदुविलायनः
नपावनअविज्ञाना॥ गपीजागुकइइसासिया॥ नपस्यायानाविज्ञान॥ वगाथा॥ पुनसाधनअमयायअक॥ पापकर्म॥ जाग॥ धषः
माह॥ यायअपु॥ कवल॥ जाग॥ धष॥ माहअयागु॥ गनअक॥ अथिगलइसा॥ श्रीरगवानंयानाविज्ञाथा॥ सत्माईसडीनाः
पूइयागुप्रदुविलायइ॥ अजाग॥ धष॥ माहपापकर्म॥ गुइयाकइसा॥ सयनेन्ना॥ अइ॥ अइयाकनेस्यनम्ना॥ अथवा
अइ॥ अइइ॥ पूव॥ पुतिपिसं॥ डीहपापकर्मइसा॥ पती॥ पला॥ वलयानाइ॥ खसियावानीहजाकजनपी॥ ॐ॥ ८
पिसंयाथा*

ग
३
३६

का ५

अहावता॥ इमिअवतमषा॥ इ॥ खोववमिनां॥ यनइउ॥ लदे॥ स्थिअमवमपकिइःरिवा॥ ००॥ ॥ अहाअथय॥ अलाकः
जा॥ मनुष्यपिसं॥ पुतिगकइ॥ खइयाकनइ॥ अइ॥ खइसांसीनयायमइनी॥ अमाअयागुगलपमइनी॥ डीहका॥ जागः
धषडकवइयाना॥ पापनंहुयानावान॥ अथायगुइ॥ खसियावानमिनी॥ ॐ॥ ॥ सत्मासाया॥ यथाक॥ विविदि॥ जोदहि॥ म
इमइ॥ सत्मास्थिअं॥ नमयइ॥ अवंमपमिइ॥ रिवा॥ ॐ॥ ॥ कवलउगुइ॥ खइकअयागु॥ गथाजाअसारसागु॥ ल
खसइनाडीविइइइणीथा॥ अथवादाहइयाअयागु॥ मिषेनाविइगुगनाडीथा॥ अपापनंदाहइया॥ वागुयाग॥ पा
पइकयाग॥ अमइसायायमाल॥ अमइकपापइनाडीनी॥ अममयामसं॥ पापकयानावानअसा॥ इ॥ खसंइ॥ खज
कइयकावानी॥ गथाजाअसा॥ वि॥ यकनयालीयदायकलअसा॥ अलेखलनवल॥ विसकाडीगुली॥ लखलनगुप्यास
वायी॥ तंलंलखअयालीयनी॥ डीअतुपापयासा॥ पापकहयानावानी॥ अमयासा॥ अमइकइइयीहजाकजनइः
यावापीधका॥ अगुपुकात॥ अगुपुइयाविज्ञानावासा॥ श्रीवृद्धरगवानन॥ अक्लादयकाविज्ञान॥ ००॥ ८

पुष्पमय समुत्तरे सुखोपकजले स्वके सदापलरुदृष्टिणि वृद्धदलय मुन्यां ॥ १०॥ ॥ हृताकउनपि ॥ किमिसं ॥ इत्यपकुरु
का ॥ सुःख ॥ नेचर्य ॥ लायधयागुशता ॥ श्रीवृद्धरगवानपिसं ॥ आह्लादयकाविष्ठागु ॥ आकाससं ॥ मघडाया ॥ अलडासुपाचसं ॥ उ
लवर्हिडायां ॥ धपुन्यध ॥ लाइसाउरुगिशयी ॥ डसपात्त ॥ श्रीरगवानया ॥ आह्ला न्यना ॥ वाधिहान ॥ धर्मसारु स्यना विष्ठागु ॥ कि
मीसं जना ॥ स्यना ॥ उकागुचिरुयाना ॥ वाधिवरुत्ताना ॥ वाधिवर्यावरुत्तानाया ॥ १०॥ ॥ धनेति ॥ वाधिवर्यायामृत ॥ कल्ल
या ॥ सिकुफखथा ॥ ॥ संवत्सरापलरुन ॥ पुष्पसम्राजमाचल ॥ रुसायधमि ॥ अदजात्तानं ॥ उमफुमिकुसि ॥ १०॥ ॥ धधिजागुः
श्रीवृद्धरगवानया ॥ उ ॥ वाचा ॥ आह्ला न्यना ॥ स्यनागयागु ॥ लाउडकयायमग ॥ लामनीधका ॥ यमावल ॥ वृद्धययानावा ॥ किनक ॥ पुन्य
धर्मसचलयांनावा ॥ अर्थवाधर्मउक ॥ वल्लयायधका ॥ १०॥ कायाना ॥ श्रीवृद्धरगवानयागुवाचा ॥ लानागयागु ॥ वाधिहानइसा ॥
उकचिरुयाना ॥ काहुका ॥ धर्मपुन्यसउकवांना ॥ उगर्हउधलयायगु ॥ वर्यायायगु ॥ हृताकउनपी ॥ १०॥ ॥ १०॥

四

आत्मा उवाच लयाय नमः ॥ अगम इति ॥ पुनरुक्ता ॥ उत्पत्तिश्च ॥ कर्तृत्ववत्तातदं स ॥ पून्यासाध्यकारानन्दयौ ॥ ॐ ८
संचलत्यजमं शुद्धं पञ्चात्मसमवर्तनम् ॥ यस्मिन्नात्मन्यतिस्त्रिहा ॥ दद्यादपि ॥ एवायं ॥ ॐ ८ अविजायी ॥ माहाशुक्ला
अज्ञया वीर्यी ॥ पञ्चजनया ॥ उवाच लयाय नमः ॥ अगम इति ॥ पुनरुक्ता ॥ उत्पत्तिश्च ॥ कर्तृत्ववत्तातदं स ॥ पून्यासाध्यकारानन्दयौ ॥ ॐ ८
या ॥ कलमागुक्ता ॥ अयागुग ॥ अयासा ॥ एतिका कृमन विद्या उक्ता सा इह जनया ॥ दाघविरीहयकपी ॥ अर्थक ॥ अन्त्यायायी ॥ अत्य
उमनृष्यागुक्ता ॥ अयागुग ॥ अयासा ॥ एतिका कृमन विद्या उक्ता सा इह जनया ॥ दाघविरीहयकपी ॥ अर्थक ॥ अन्त्यायायी ॥ अत्य
नविषत्कृमासा ॥ अतुदयो ॥ एवायं ॥ यामान्य कृषिपासादि ॥ पुनिकाल ॥ विदितसया ॥ ॐ ८ ॥ अरवग ॥ अयासा
मपीमनृष्यापिसं ॥ अमनं ॥ अउवाच लयाय नमः ॥ अयायमाल ॥ दघलाव ॥ अहं कालपिकया ॥ अमनं ॥ मयपिसनं ॥ अहं कालपिकल ॥ अ
सा ॥ माहालयकृष्या वानी ॥ उगुलयउगुया ॥ अमनं इत्तां ॥ सतुला लया ॥ अर्थक ॥ मयनं कित ॥ मान्य ॥ मयायका ॥ नमाय
का ॥ अहं कालपिकया ॥ पिष्टाकगुथ ॥ प्यासवासका ॥ ऊलमृदुथां इयका ॥ अतुल ॥ मिकया वीर्य ॥ पुनथा ॥ प्यासदाहइयाव्री

कावि
या
४१
कि

पद्मि मत्स्यमग्न हस्ति पयिष्यमयमिदृति ॥ योत्ताहसत्कृयाहता ॥ पितृजावपिमायत ॥ ००० ॥ पुनर्वात ॥ मन्त्रयसं ॥ मा
नययाक ॥ लारदयक ॥ अर्धवासुखं चाना ॥ माजयायधका ॥ केशसां चाना ॥ लेशसां चाना ॥ वाचाडलाइया ॥ अर्धकु ॥ उगपकि
उरु ॥ न्या ॥ वरु ॥ वरुलाना ॥ हानेखाना ॥ रुकाचान ॥ हानइरुपिसं ॥ लारदयक निवागिनं ॥ मां ॥ वीरसां यात घात ॥ ००० ॥ आदिवा
ना ॥ अर्धवावा विषा पशु हिसापं ॥ यागु पापं ॥ अद्यालनलकालाग ॥ ००० ॥ ॥ कलत्रयस्वमायद्याग ॥ यमावीवी च नारवत ॥ ७ ॥
कपयितरु मात्मानमिदक दक्षपुजयत् ॥ ००० ॥ ॥ हियाकजनपी ॥ संगुमं मन्त्रयसं ॥ अर्धवा ॥ पंतिन उपका जीइया
वापी ॥ पलयाग उर्ध्वलयायधकाइयीगु ॥ अया ना वापित ॥ माननं ॥ कुं मया सवानी ॥ वदानडा चनाचीपी ॥ दवदवीपी
न ॥ पुजारावरुगतिनं ॥ कुं नमयास्य ॥ कर्वल ॥ पडागजक कठिलायक ॥ दयक धका ॥ आसाजकयाना ॥ कर्वल ॥ भूमिसं
प्राप्तिनलयागु ॥ वरु आदि ॥ लारयाना चान ॥ पुनलयागु ॥ कवल् किं विरु रतिवा माय ॥ सुनाने हर्जलयायी ॥ डीयाइसा

७
३
४१

अतस्त्रविचित्रलकरुसा ॥ रातुलिकुयाधकयकी ॥ ००० ॥ ॥ नप ॥ कुतुववन ॥ कखेवं ॥ पुमिमायत ॥ यदिदास्यामि ॥ किंताकिं ॥
ग्यात्माध ॥ पिम वता ॥ ००० ॥ ॥ कर्वलगुमं मन्त्रयसं ॥ मानधयागु ॥ ००० ॥ ॥ आया ना ॥ पशुभत्मायागजक ॥ मानयाना ॥ सदासर्वका
ले ॥ पडागजक ॥ नय ॥ लवन ॥ मि ॥ ॥ अयधकामनीरापा ॥ कर्वलपययाग ॥ सुयागनी ॥ कुं दान ॥ धर्ममयास्य ॥ अर्धधराजन
कुं मयाकुसुमवयाग ॥ नक ॥ लको ॥ दानयानां ॥ लियाकिग ॥ कुं नया वा नधका ॥ आसा मतागया ॥ अर्धवा ॥ ममपिसं हाडा
साने ॥ दानमयास्य ॥ धर्मजकनया ॥ स्वधनागयागुली ॥ अयत कुइयीलाअसा ॥ पुत ॥ पिभवजमइयाडानीहना
कजनपिकाकाविजायानास ॥ अर्धयाकालन ॥ पडागइध ॥ पुध ॥ पलजनयाग ॥ गुत्रयागइसा ॥ आत्मासेगु
रुयाना ॥ दानधर्मया नायान्यमात्मावान ॥ विनादानधर्ममयास्य ॥ पुनरुललायदयी मरुहनी कडनरुया
वापि ॥ काकाविवालयानाग ॥ किमीसं नं थध हयायधकामनीलालपायायगु ॥ ००० ॥ ॥ लोअव ॥ किं
ददामीति ॥ पनाये ॥ दवयाजगा ॥ आत्माने ॥ पीडयितान्य ॥ नजक ॥ पयतधुवं ॥ ००० ॥ ॥ ४ आत्मायागध ४

३४२

[illegible]

ननामसाधं वृद्धं संसाय इति कुरु सखं सखस्य नयः खिन पथिवर्तम कुरुते ॥ १०६ ॥ श्रीवृद्धगवानश्यायिष्ठा नवीनः
 आसपातं च संसाय सकलसखसो डललशयीयुक्ता सदासर्वकालं या न विष्ठा नवीन जडरुडललशयीष्ठा कयलाध
 सा अक्रायगु किमीसंयुजा अधिजागुक्ता किमिसं कुरुह विनालमयाम् ॥ १०७ ॥ आका नावत्येजालोको हस्ताप्यधो नसिधति एतस्या
 कुरुते कर्म स्वामीना दयता एति ॥ १०८ ॥ कुरुलधुलोक पललाक इत्यमाधका सिंहसु सिनाडापी सजक
 सखा ॥ १०९ ॥ पललाक इत्यमाधका कलमसिद्धशयीगु आकुनमया स्वामीश्यायिष्ठाकपी वृद्धवाधिसत्तगु
 इतिनिगु वाकलीनमया गुगुपिनागु खनमया किमीसु कवलइष्टसवक श्यावापी व्यागयगु वाकलीक
 कयाना अमीगु पललाकयागु इत्यमिष्ठा मखका ॥ ११० ॥ आगु इत्यसियावान हमाकजन हवली जाजा श्यावापी ॥ १११ ॥

३
३
४३

नयवत्ता नयं सुखात्पादं हस्तादृष्टं सुखात्सवं अया नयः खल्लोचन इत्यंगुलि माहिता ॥ ११२ ॥
 चमाहातधंगुडलसवश्यावागु गुपलायगु कायसि किमीसं वनानमवना ॥ ११३ ॥ मयाधया चिरुगता ममगु
 इत्यसं हानइत्य माहाअधायगु इत्यशयगु कुजाधसा जाग दध माहजक रलश्या माहनं कांशयकावान ॥ ११४ ॥
 उपदुवा यवखंति लोक यावति इत्यनिरयानि चैव सर्वालिगाना नित्यपयिगुहल गतुकिनव स्वासपयिगुह
 न ॥ ११५ ॥ चसंसायस अजक उपदव इत्यरयश्यावागु ॥ ११६ ॥ उपदवसांययायगु अधिजागु मसिगु इत्य
 इकगुचिरुस गधमडलकिमीक किमीसं अरुदकयागु उपकाल सकलयागं इत्यरुगीगुकास कुरुहचिरुना
 मयास ॥ ११७ ॥ पडजक सदासर्वकालं सुखलायगु ॥ ११८ ॥ आया ना ॥ ११९ ॥ आत्मायागु आजक काययाना नवीन हेवली जाजा
 श्यावापी ॥ १२० ॥ आत्मानमपयिगु अ इत्यं गुरु नसवपत यधमि मपयित्यस दाहस्यवगु नसवपत ॥ १२१ ॥

४ ४
४ ४

३२४

संज्ञा गायत्री तस्य मेति श्रुता सिल ॥ कल्पा ॥ कृति ॥ विर्य ॥ मृदिता ॥ अन ॥ प्रह्ला ॥ उपद्रा ॥ धनंता ॥ दान ॥ गालयारव ॥
५ मेति ॥ कल्पा ॥ उत्पन्नशुभारव ॥ ॥ अथ संवत्सरा इति ॥ निधयंकुल ॥ सभर ॥ सर्वसत्कार्यमस्तु ॥ नान्यवि
त्य ॥ तयान्धन ॥ ॥ ॥ हेमाकजपि ॥ अथ याका लल ॥ किमिह ॥ धनिनामंशुता ॥ मयीर्दुर्जापवानाशुता ॥ म
पि ॥ अर्थनमपिस्तुता नापवानसा ॥ अथ याका लल ॥ अथ याका लल ॥ अथ याका लल ॥ अथ याका लल ॥ अथ याका लल ॥
हानीशुभारवनापशुता ॥ संवादयाना चान्यशुता ॥ धनीनिसं ॥ निधयनं ॥ सदासर्वकालं ॥ सत्वपालिपिंनउअतयायशु
विर्हया ॥ ममशुविर्हं नमयात्य ॥ अथ विर्हं सांनयाना ॥ पुन्यशुता ॥ अथ विर्हं सांनयाना ॥ पुन्यशुता ॥ अथ विर्हं सांनयाना ॥ पुन्यशुता ॥
अथ विर्हं सांनयाना ॥ पुन्यशुता ॥ अथ विर्हं सांनयाना ॥ पुन्यशुता ॥ अथ विर्हं सांनयाना ॥ पुन्यशुता ॥ अथ विर्हं सांनयाना ॥ पुन्यशुता ॥
अथ विर्हं सांनयाना ॥ पुन्यशुता ॥ अथ विर्हं सांनयाना ॥ पुन्यशुता ॥ अथ विर्हं सांनयाना ॥ पुन्यशुता ॥ अथ विर्हं सांनयाना ॥ पुन्यशुता ॥

कर्वल ॥ अदानपुनया नाउ ॥ अर्थतुत अगुरुपित ॥ पूजायानाउला ॥ दोल कि कलपस ॥ यानातयाउ ॥ पापदयाचासान ॥ ५५
पायरुनाडानी ॥ ॥ नचकुष समंपर ॥ नचकासिसमं तप ॥ तस्मा त्कामि ॥ पुन लन ॥ रावयदिविचेनय ॥ ॥ ५६ ॥
॥ ससोले ॥ गग ॥ दष ॥ अतिगवागुपाप ॥ मगु कुं नमइ हना कजनश्यावापी ॥ कर्वल हान ॥ दमा ॥ अर्ममतिगयउ ॥ ५७ ॥
अत अंगुमवकुं नमइ ॥ अर्थवा ॥ तपसाहकल ॥ अथ या कार्तल ॥ हागुउतया नान ॥ दमा अर्मस ॥ अयगु ॥ ॥ ५८ ॥
मन सम ॥ नग ॥ कानि ॥ नपीतिलुखम ॥ ननिदान ॥ अथियाग ॥ दस ॥ सत्यहृदिष्टिग ॥ ॥ ५९ ॥ पुनवाल ॥ सुगु
मस्यो ॥ गग ॥ दष ॥ लपीडना ॥ कारुगुचिर्तयावानी ॥ अत्यडायाइसां ॥ चिर्तुइसां ॥ गुयससंस्थितयाना ॥ अर्मकार्य
यायरुयीमरु ॥ सुयागपिताने यायरुयीमरु ॥ अंगुमनयात ॥ सुखनंदयीमरु ॥ अस्तान हुत नंउयकरुयीमरु ॥ कर्वल
कुं आसासान ॥ धोल शयीमरु ॥ कुं आनसिद्धयायरुयीमरु ॥ हना कजनश्यावापी ॥ काकाविजायाना ॥ ॥ ६० ॥
पूजयत्यर्थमाने ॥ अथयि ॥ वेन ॥ समास्थिता ॥ तप्यनं ॥ हनुमिकृति ॥ स्वामीनी ॥ दषदरयि ॥ ॥ ६१ ॥

७
३
४५

कर्वल ॥ व जागधंगु ॥ सिंगु ॥ अर्थलानाइसां ॥ अनेकपूजा ॥ राव लउइसां ॥ यानावापीग ॥ उअसं ॥ अहकालगुमतिगयावापिसं
अथिजापी ॥ स्वामीइयावापीगइसा ॥ अकारुउत्यगीयानावापीसं ॥ अथमया आलाइयावापीग ॥ रूकेगुल्ययी ॥ ॥ ६२ ॥
ले ॥ अमाहवैद्युल ॥ प्यासाहमणा ॥ ॥ ॥ ॥ सरुदापु चिजर्मस्याइ दकि ॥ वउसयत ॥ संक्षपा नासि ॥ गकिचित्की
अनयनसुद्धिग ॥ ॥ ॥ अर्थग ॥ अनेसंपुति ॥ अनेकवसु ॥ अकनमाउजकवानीहेनाकपी ॥ अहकालअया
गुइसां ॥ सदासर्वकाले वावावानीहेनाकपी ॥ अहकालयाग ॥ मतिगयावापिअलसा ॥ अहजकमतिइयावापी ॥ ह
कजनश्यावापी ॥ कर्वल अह ॥ पुठ ॥ पुठि ॥ कलापी ॥ ॥ ॥ मिष्ट ॥ रागुवध ॥ अइयावापीसन ॥ सुनानह ॥ मान्य
इसावापिमरु ॥ ॥ ॥ नधिपगु ॥ कययागु ॥ इर्जना ॥ रामनायमा ॥ मालिग ॥ काचितगु ॥ पथत ॥ सर्वगिगुवध
पुनबलि ॥ कारुउत्यगियागुपि ॥ इर्जनइसांरूकेलाअसा ॥ अइर्जनिअयापि ॥ आकागुमाने ॥ आपालवजावत ॥ ॥ ६३ ॥

४६॥
(पि॥)

नका लं न लकूनं चान्यमाली ॥ लगयाना चान्यमाली ह गच्छी ॥ (०) ॥ त्वमेवास्य पकार्यषां ॥ तवेन ॥ वापकात्रिल ॥ माहादकः
इप गच्छ ॥ कृष्ण ॥ पविमाहिता ॥ (०) ॥ पुनर्वा लभ्य ॥ कासिका ॥ पनपापं कर्म मयास्य ॥ पनपापं कर्म मयास्य ॥ पनपापं कर्म मयास्य ॥ पनपापं कर्म मयास्य ॥
धर्मजकयागसा ॥ ममपि स्यनं ॥ धर्मजकयागसा ॥ ममपि स्यनं ॥ पलउ प्रकालयायी ॥ कर्तल किमीस्य ॥ पापकर्मयाग ॥ अ
नक ॥ लाह ॥ माहयाना ॥ अधर्मयास्यली ॥ मपीस्यनं ॥ पापकर्म ॥ अधर्मयाग ॥ अलपापं पापगु वलइया वानी ॥ ४६ ॥ ४७ ॥
पुयं ॥ सुतं ॥ कामि ॥ पुतवत ॥ यनसर्व ॥ रविष्यति ॥ मेरुचि ॥ पनस्यतं ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ अधिजागु ॥ दक ॥ ज्ञान
बुद्धि सियका ॥ जोग ॥ द्वेष ॥ का ॥ माह ॥ धदक ॥ सांतागु ॥ कामि ॥ यागु ॥ हिंनु ॥ कमाधर्मसिवांता ॥ कमाधर्मसिवांता ॥ कमाधर्मसिवांता ॥ कमाधर्मसिवांता ॥
ना ॥ अलधर्ममाधर्मसिवांतागुली ॥ दकलाकपितइसां ॥ विरिक्तल्लभचिरुयाना ॥ विरिक्तल्लभचिरुयाना ॥ विरिक्तल्लभचिरुयाना ॥ विरिक्तल्लभचिरुयाना ॥
यदया वानी ह गच्छजनइयाचापी काकाकिमीस्यनं मनं विजागयाना ॥ धयानागुलसकलकार्यइसां सुदइया ॥ ४९ ॥ ५० ॥

तुमिय ॥ पसिताला ॥ मैपूयाय ॥ नकाय ॥ नवतार्प ॥ नवागु ॥ नवकाय ॥ सखायन ॥ ५० ॥ ५१ ॥ अधिजागु ॥ ज्ञानइसां कं विज्ञा
मयास्य ॥ किमीस्यजागडा ॥ नाचागु ॥ सागयानाचापीन ॥ जस ॥ अध ॥ हिंनु पुन्ययापिंइसां मयाकस्य ॥ गनावियी ॥ हानेव
जागधगु ॥ अधलाहइगु ॥ अयवटइगु ॥ सुखलायगु ॥ आदकइसां स्यकावियी ॥ मयाकस्य ॥ मीन ॥ स्यकानं विद्याचीन ॥ इका
वियान वान ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ सखादय ॥ गदम ॥ सवेगनायत्यवि ॥ गुलवसूपिमास्य ॥ सयकाय ॥ कर्त ॥ ५४ ॥ ५५ ॥
कर्तल हान अधिजापी स ॥ सागयाना ॥ विरिक्तयानाचापिगु ॥ निरुय ॥ कमाधर्मस ॥ नासयानावित ॥ गुलवसूपिसंजा ॥ कर्त
ज्ञासाजा ॥ ५६ ॥ मिगुय ॥ मयस ॥ ५७ ॥ मिगजा ॥ कापलपाविरिक्तयाना ॥ इययाना ॥ दागमगया ॥ दावविद्याचीन ॥ ५८ ॥ ५९ ॥
नस्मात्सुत्यादि ॥ पाताय ॥ यतव ॥ पुष्पस्थिता ॥ अधायपात ॥ पुष्पा ॥ पुष्पा ॥ द्विषसुव ॥ ६० ॥ ६१ ॥ अधिजापि ॥ सागया
जापि ॥ ज्ञानीजनइयाचापित ॥ तंमायका ॥ अधिजापि ॥ उरुमंकायानाचापित ॥ पातक ॥ अदियाना ॥ स्यका ॥ कर्तवि ॥ ६२ ॥ ६३ ॥
दकयाग ॥ स्यक ॥ ६४ ॥ अहं कालयया ॥ ६५ ॥ इसां किमीस्यइकया ॥ सति कावा ॥ हिंनु काया ॥ पीधसा ॥ विषसमान ॥ मयाधका
गाजा चीन हे गच्छजनइयाचापी काकाविजायाना ॥ ६६ ॥ ६७ ॥

الحمد لله

इः खं प्रवेष्टु ॥ कामस्य ॥ यदपापत्वमागत ॥ वृद्धादिष्ठानत ॥ ॐ ति ॥ दृष्टस्मिन् ॥ कथं पिय ॥ ॐ ॥ हृन्नादजनपी ॥ किमी
नजा ॥ ॐ जाग ॥ द्वेष ॥ माह ॥ मायाया नागुपापं ॥ नलक लोगसकृदुकोत ॐ वल ॥ अलकिमीतनकायापी ॥ सुंद ॐ लाका
काविजायाना ॥ अचिजागुपापया ॐ पिंरु ॥ ॐ जाग ॥ द्वेष ॥ माह ॥ को ॥ माया ॥ ॐ यागनया ना ॥ का ॥ चपिकया ॥ किमीसं
मगातुस्य ॥ अचिका ॥ मृणावृद्धरगवानया ॥ निजाया नागु ॥ ॐ यागनाकाकाहजाकपी ॥ अचिजा ॥ मृपापया ॐ कृपना ॥ गथा ४
॥ तुलावमइलहजाकपी ॥ ॐ अहकालयागकायमिठरावयाना ॥ पुमयानावाजा ॥ का ॥ ॐ वृद्धरगवानंइसा ॥ अहदयः
काविज्ञानावाजा ॥ हृन्नादजनइयापी ॥ ॐ ॥ पुष्पाविद्युदुगानस्मृग ॥ कोपानयुद्धत ॥ कागिसमी ॥ तपानासि
नलतदुपजिष्ठित ॥ ॐ ॥ अ ॐ याकाल ॥ किमीसंइसां ॥ पु ॥ यइसांदयीगु ॥ ॐ मदिदइसाइकावान ॥ कर्बलहानं
जामपुलस ॥ यं ॐ कागयालइयावासानं ॥ अ ॐ नंहजा ॥ काइइसांयाना ॥ ॐ हमाहसइसांवाजावाजा ॥ हृन्नादजनपी ॥

[illegible]

॥ के इति स्मृत्प्राप्तं न मित्रं यात्रा ॥

१ॐ नमः श्रीपद्माय नमः ॥

॥ ॐ निर्विकल्पकमस्तु त्वं पद्माय नमः ॥ या त्वं सर्वानवयंगि ॥ नि

जयये निजोक्तम् ॥ १ ॥ हृदयपद्माय नमः ॥ कल्पपात्रं सां संपूर्णं कल्पानुलंघनं यथा चास्मिन् कल्पे लहमाग ॥
अथ या का जलकल्पपात्रयात् ॥ जी अहं नीश या चास्मिन् नमस्तु त्वया नावा ना ॥ कर्तव्य कल्पयि गयी असा ॥
निर्विकल्पकध्यातुः संकल्पध्यातुः विकल्पकृद्वासां मद्रुः निर्विकल्पकध्यातुः समाधियाना विज्ञाना चास्मिन् कल्पे
जः कर्तव्य कल्पपात्रयात् ॥ जागद्विषयध्यातु गता चापीः सव लय विकल्पमयास्य ॥ निर्विकल्पकसमाधीयाना चापि ॥ जाति
जनपि संजकः कल्पपात्रयात् दधनयायदयी ॥ वदार्दवाषदया चापी संकल्पपात्रयात् दधनयायदयी मरु ॥ कृज
पाडा अमरु ॥ अत्र पद्मया चास्मिन् कल्पपात्रयात् अत्र पद्मा धधवां अथ वांधकास्तनानः आदि शैलकायमस्तु या

वानहमागजननी ॥ १ ॥ अकाशमिव निरुपाधनिष्पेक्षा निजक जाम् ॥ यस्वीप धमिरावनः सप धमिराध
गतम् ॥ २ ॥ हृदयपद्माय नमः ॥ गथा अकाशमिव निरुपाध ॥ अत्र गपुका त्रया जप त्राः पत्रापंचना नमस्तु ॥ अ
र्थकस्तनानंदय कान इक्षमस्तु ॥ कर्तव्य लथडां धधमनं ह सिद्ध इया विज्ञाना चास्मिन् ॥ निजक ज अहं त्वत्पुनं नमस्तु ॥
अर्थक अथ अत्र पद्मया चास्मिन् मरु ॥ कर्तव्य लथडां अत्र पद्मसदा कायं नंधी जइया विज्ञाना चास्मिन् ॥ धधमि कल्पपात्रे
का सियकाः संयुक्तस्य दधनया नावागु ॥ कर्तव्य हानं धधम गतयातं अ सियका उरुज नाया नावागु ॥ ध
ध ॥ तथगा ॥ अर्थकः ॥ अत्र यातः विज्ञाना चास्मिन् तथ गतं नंधी कदधनं त्राना चास्मिन् ॥ २ ॥ तव वायुं तुल्यं याव
अस्य वज्रं तु ॥ नपस्य त्वं न जं सनं ॥ अत्र यदी कया जिय ॥ ३ ॥ हृदयपद्माय नमः ॥ धधमं सायु निजक ॥
उरुम इया चास्मिन् अमरुदया वान ॥ कर्तव्य धधमी मध कल्पपात्रे अहं अइ इया वान ॥ कर्तव्य लथ गतं इसां ज

अर्थरूपालतामयास्ताने ॥ धर्मकार्यसविद्ययायीमव ॥ ॐ ॥ सुलला यावका लाके ॥ इलला सुप्रकाशित ॥ यतस्तु नापय
 धस्य ॥ नक्षत्रिदप जा धमि ॥ ॐ ॥ अथाधसंसाये ॥ मरिगु अयला धया गुपी ॥ अर्थवाडपुडव कायायापी ॥ अपिजक
 लाय अष्टह जाकपी ॥ ॥ कर्बलरिगु ॥ मुत्तुगु कर्मयाजा वापि ॥ धर्मया विस्वा इपीजा ॥ साध ॥ दाता इया वापी ॥ अपिलायत ॥
 जावला धक ॥ अथाया कालल ॥ गधं गुरि द्या गु वर्या लाय धं कपी रि द्या ग ॥ अय जा धः धया गु याय धय ॥ धूमिग ॥ ॥ ॥
 याय धसा ॥ याय द्या मषू ह जा कजनपी ॥ कर्बल ॥ मीन मषू धयाय धगल ॥ थडा डक कना डनी ॥ अथाया कालल ॥ अ ॥ ॥
 पजा धः धया गु स्यातं याय मसा ॥ ॐ ॥ अम मापाडि न सुस्मात ॥ गुरु नि वि नि वा शित ॥ वाधि वर्या सहा यत्ता ॥ ॥ ॥
 स्पृह लीय ॥ सदा जिपू ॥ ॐ ॥ कर्बल किमी संज्ञसां ॥ साधका ॥ आतु धका मध सज्ञसां ॥ दक्ष पापज्ञसा ॥ ग्वमुना
 प्रीति या नाडा ॥ संप्रति धध कृति धं क धध नागल ॥ धपा पध या गु ॥ कर्बलगु गु र्व संवृद्ध या गु पुड विलाय गु र्ज्ञसां ॥
 वाधि वर्या विरू याय गु हान ॥ समल लय पिग धसा ॥ मरुधं रालपा ॥ वाधि हान र्ज्ञसां तापाका ॥ गाता जी न ह जा कपी ॥ ॐ ॥ ४

अपकाला ॥ स्यात्पति ॥ मरुयदि नयु क्त ॥ अ न्य धन ॥ कथं कानि ॥ रिषडिवहिना क्तो ॥ ॐ ॥ अथाया कालल ॥ कि
 मीसं ॥ डिं धया गु र्वं ॥ पलाज्ञसा ॥ अय जा धया गु पी ॥ इडि नपी ना गु आसा या ना वा न्यमये ॥ धपी र्ज्ञसां मरुधका सिक्की ॥ ४
 अत्य ध मरुतयत ॥ मानय याय मसा ॥ धुपि र्ज्ञसां ॥ जाग ॥ दध ॥ माह ॥ माया ॥ काध या इया वापी धुपी ॥ धजाग दध दक
 र्ज्ञसां गाता ॥ कमा धर्म र्ज्ञसां वा ॥ धध या गु किपी पला लज्ञला ह जा कपी ॥ कर्बल पला लम र्ज्ञसा ॥ गध जाग ॥ दध ॥ माह ॥
 माया ॥ काह ॥ धली गाता ॥ कमा धर्म स वा न्य ॥ कमा धर्म सि मु वा स्यं ॥ गध न न र्ज्ञय द्या ॥ गल र्ज्ञयी मरु ह जा कजनपी अ
 वस्य मव न ॥ कमा धर्म र्ज्ञक त ल र्ज्ञया वा न ॥ ॐ ॥ नड्ठा मय सवात ॥ पुति ला त्य क्त ॥ कमा ॥ सग वात ॥ कमा ह
 गु ॥ पूअरु ॥ सध र्म वरु द्या ॥ ॐ ॥ अथाया कालल ॥ डिं धया गु ॥ पलाज्ञसा ॥ किमीसं ॥ इष्ट जन या के ॥ आसा हला
 सा ॥ मगस्य ॥ रिगु मतीतया ॥ धजाग ॥ दध ॥ माह ॥ माया ॥ काध ॥ धया त गाता ॥ कमा धर्म वा ना ॥ कमा धर्म या गु हतु ॥
 वांला क सियका ॥ उगु कमा धर्म सि ॥ सध र्म र्ज्ञसां रालपा ॥ पला या ना ॥ वाधि वर्या विरू स ॥ वल या ना वा हली कपी ॥ ॐ ॥ ॥

गति ससाजयागुगुइयाचीन॥ पुनवाल्कलपाजयागुड॥ गथागलयागुडं महिमाइसां वदा २ डागिजनइ
 याचापीसंहेः ज्ञेन अकाजकायमइ॥ स्पसानेमस्यस्यधजसाः चंदराव॥ चंदमायागुकिजलंः अर्थक॥ चंदः
 माडाः गुडुं मलाडाकुंरुतक मइः हानं लासुर्याडावंदमाडांनंरुतक मइः थरुर्क अज्ञानीडक धायीगुडु
 जकधका॥ अर्थकीजलमस्यइयाचापीसं चंदसूर्य ज्ञयाजीनीवजः चंदसूर्यम र्वकजः चंदसूर्यनंथमी
 गखनीमयः लाचंदसूर्ययागुजसिगतं थमीगखगुं वलगिनीः थमीसनं चंदसूर्यखनीः कर्वलडा थगुसुनानी॥
 लागुहापाजमितादवीयात द धनयायदरु॥ थरु स्पनीइसां गथागलयागुनंद धनयायदयी॥ गथागलडां ला
 उहापाजमितादवीडांरुजक मइ॥ निजंनंरुक धकासीकी हरगलुजनइयाचापीह सिषाजनइयाचापीः
 लागुहापाजमितादवीइसां थसंसापेहाइयाधिकांनावीक॥ ३ ॥ कृपालकापपुक्त्वाः वद्धधर्मपूज

सजीम्॥ सखमायागिमाहात्म्य मरुजैर कि वत्सज॥ ४ ॥ पुनवाल्कलपुहापाजमितादवीः कलपाजइसांगथा
 कः धसा॥ वृद्ध यागुः धर्मयागुगुगुल्यु विज्ञानावाक॥ कर्वल थसंसाजलाक पिगः धर्म्ममार्गः मुक्तिमार्गक
 नाविज्ञानावाक॥ थथाम् धर्म लागुहापाजमितादवीकलपालयातः जागीजनपिसंद धयानाः सर्वकृतं पदवी
 लानाडांन॥ पुनवाल्कलपाजया कृपानं जागीजनपिदक दयावानइयाः सख अर्नंदनीः अनुरु लज्ञान
 लानाः माहापूषधयकाडाभाकपुवीलानाडांनः कर्वलकजपाजइसांर कि वत्सजइयाचाक॥ पुनवा
 ले सनांकलपाजयागुगु नायानाचीनः थरुगतिजनयागुइसां॥ कलपाली सदासर्वकार्य दयाकृपा
 नया॥ पाज अपाखनायानावकायानाविज्ञानावाक कलपाजपाल॥ हपुहापाजमितादवी॥ ४ ॥
 सकुडपा लय बुद्ध स्वस्त्वां विधियदीकउ॥ तेनापिनियतं सिधिः प्राप्य तमाद्यद धनि॥ ५ ॥ हपु
 हापाजमितादवीकलपाजयागुइसां॥ रकिजनया नाचापीसंइसां॥ कलपालजकलमकाः चित् बुद्ध

याता ॥ जागद्वय माया माह को धः दको ताता ३० वि वि पूर्वक न ॥ अथ र्ग रावनं सहित याता ३० ॥ कलपालया
तद धन याता ३० ॥ अथ अर्क कि ज न याता ३० ॥ अथ अर्क कि ज न न सर्व कृ त्व
पदवी जा नानि ३० य नं मा कुरु ल जा ३० ॥ अथ रा अ साः कलपाल अ मा घ द ३० य ना गु ड ल ॥ कलपाल या ग द
धन या ना गु गु य ली नि स्कु ल रु यी म र व ॥ कर्तव्य धन या ना मा गु नं मा क प द वी श सा ना मा कृ ड या ३० नी ॥ ४ ॥
सर्व धां म धि वि ता लः प रा धं नि य ता त्म ना म ॥ या धि का ज न यी ती चः मा ग त्व म सि व त्म ना ॥ ५ ॥ हि प रु द्रा पा ज मि
ता द वीः सृ ष्व क्क स थ डं गु वि रु डं भ व पी नी गु का ज ल स अ प न या यी ॥ अथ नः प ल ड प का त्र या य गु वि वि
त याः थ डं गु म न सा वा वा क म र्म नि ॥ पु न ड प का ल या य ध काः स नी ल रु सा अ प न या यीः अ ल थ य त विल म्भ
सा अ यी ॥ क र्त व ल थ धि पा विल पू नू ष ॥ अ धि क ज न नी ॥ मा या नं मा ग ड या वि द्या ना वा म्भ क ल पा ल ४

यात

अथ वा सदा सर्व कालं ॥ अथ गाताः कवलः पत्र ड प का ल या य गु ला वि रु ड सां ग याः प न ड प का ल या ना वा म्भ ॥
कलपाल या पृ रु ड सां कलपाल ड त्य नि या ना पा न ल पा ष ल या ना क र्त व ल थ या तं तु क ल पा ली द ध
न ड सा वि या ड ध न या ना वि द्या ना वा म्भ क ल पा ल ॥ पु न व लि ग थ मा म र्म नि पृ क रा य म वा या तः पा न ल
पां स ना या ना वि द्या ना वा नः ३० थं तु क ल पा र्ज या ना वि द्या ना वा न रु ड न नी ॥ ५ ॥ य ड द्वा ला क रु
नू वः पू ण म्भ व कृ पा त्र व ॥ नि न त्व म सि क ल्या लिः सर्व ध ल्पि ता म हि ॥ ६ ॥ हि प रु द्रा पा त्र मि ता द वी ॥
ध स सा य गु वि रु ड्या लि ग ल पिं द या वा न ॥ थ पिं स र्क ल सी रं हि रं गु रू र व या य ध का ॥ ला क पिं थः ह्ना
न गु लः स न गु क न रु ड या ना ॥ गु रू ड या वि द्या ना वा पिं ॥ वृ द्ध रु ग वा न पिं द र्क क ल पा न या पृ म र व
ला ॥ क र्त व ल क ल पा ल ड ग ग या त हि र या नाः सदा सर्व कालं क ल्या न या ना वि द्या ना वा म्भ क ल पा न ॥ ॥

143

[illegible]

वाचि
र्या

॥ ५३ ॥

॥ न ॥

दुष्टिस्तुतापकात्रयकृतं ॥ मृनीनां २१४ ॥ पुनर्वातः संतु मयनं ॥ सकलसत्त्वयात ॥ सुखशयकं तु आसानं रुसां ॥ श्रीवृः
द्वरगवान् पिंरु ॥ पूजायां ॥ अलधमी रुसा पूजायां ॥ श्रीवृद्धरगवानं रुसां ॥ अथ तहर्बमानया नाविष्का ॥ ८
केवलेहानं ॥ गुमसं ॥ मवयात ॥ इः खवियाइल ॥ उमसियागपी गुइ ॥ लाधसा ॥ काधजायु ॥ दानपुन्यधर्मयासानं
जायात ॥ श्रीवृद्धरगवानं ॥ जायत ॥ ययु ॥ मय ॥ अथ या काल ॥ मृनी ॥ लपिसं रुसां ॥ धधका आकाद
यकाविष्कातहजाकपी ॥ ॥ ॥ ॥ आत्मीकृतं ॥ सर्वसिद्धं जयते ॥ कियत्तमहिनेवहिसं ॥ ॥ ॥ नमस्तत्त्वः
लूपीपासु ॥ उवनाध ॥ किमनादजात ॥ ॥ ॥ पुनर्वातः तदं धयापि ॥ अर्धवाहनीजनपी ॥ वाचिसत्त्वपिसं ॥ धमनं
धडागु आत्मा विवलयानासया ॥ अलसर्वसत्त्वयात ॥ सकलयात ॥ अर्धवापत्त्वकयात वाहिकधका मयास ॥ धडाधका
लतया ॥ सागुयासानं ॥ सर्वसत्त्व ॥ उधनयाय नया ॥ अधिजापी ॥ हानीसाधजनशयावापी सं ॥ लाकयात ॥ ग्वयलइः ख

॥ ७ ॥

॥ ७ ॥

॥ ५३ ॥

धंदाविया ॥ अधिजापीतधका ॥ नाधधयगु ॥ धूमित ॥ आदस्यायगुसिवाय ॥ अनादययायगु कुद ॥ ॥ ॥ ॥ ८
तधगतजधनमितदेव ॥ स्वार्थस्य संसाधनमितदेव ॥ लाकस्य इः खपहमनदेव ॥ तस्मात्तवासु ॥ वनमितदेव ॥ ॥ ॥ ८
अथ या काल ॥ जागधगतपिंरु ॥ आजाधनयानाडी ॥ संसाजयात ॥ सुखशयकं तु आ ॥ साधनयानातलसा ॥ धडा
तसुखशयी ॥ अर्धलाएनंदयी ॥ हानं लाकयात इः खमशयक ॥ लाकउधलइ ॥ गु कायातसा ॥ धडागनं ॥ इः खश
गुमसु ॥ अथ या काल ॥ लाकयातलकायायगु ॥ वरुसवाना ॥ लाकजकायायगु कायाहजाकपी ॥ ॥ ॥ ८
आत्मा एविष्कृतं ॥ सत्त्वानाधनसंत्व ॥ ॥ ॥ हेवसो ला ग्वय ॥ सोस्थित्यं किं नप धति ॥ २१७ ॥ अथ या काल
ललधसंसाज ॥ तदयाना किमी संमत्त्वयलाधगधजाधसा ॥ सर्वसत्त्वयात उदालशयमाधका ॥ आसिखायानाः
श्रीवृद्धरगवानयात ॥ एवदगगर्गितया ॥ पूजाया ना ॥ अर्धवा ॥ दानदानव्ययाना ॥ धर्मनयानागु पुन्ययापुण्य
किमीतकल्यालशयी ॥ लाग्वनंदयी ॥ वजातधं ॥ वजधन ॥ उम ॥ संप्रति ॥ उधय सुखरागयायदयी ॥ ॥ ॥ ८

सकलवस्तु कसं: जागद्वषमदया: निवर्हिङ्गया डान ॥ ११ ॥ जागद्व सिद्धि तत्त्व: नवक वनगळु सि ॥ स्वा न स्वपि
यसर्वेषु विद्वत्ति नापिलय ॥ १२ ॥ हपुहा पात्र मितादवी ॥ जागिडन पिर्स ॥ नयाना: ॥ न विवात्र या न ड्य शुच
ख ॥ ॥ मी सं न पुता काय मरु: कल पात्र ॥ केवल क ज पात्र ग ल न विद्या गुनी मरु ॥ पुनर्वा ल सं प ॥ ॥ न स्थ न सं
या फ मान इया विद्या ना वा ॥ केवल ॥ रव: विद्या न इ ॥ या रु या वा पी सी ड क ने मरु ॥ ॥ ॥ न जागिडन पिर्स
कल पात्र या ग न विद्या ना वा न ध का: ॥ न दृष्टि न विवात्र या ना स्व गु व र व ॥ कल पा या ग न र व ॥ र व के म
॥ निवि क ल्य समा धिया ना वा पी: जागिडन पिर्स विवात्र या ना ॥ व शु व र व ॥ कल पा सर्व न सं वा पु न मान र व न
द न ह मा ग ॥ १२ ॥ या त्वं भवन प ॥ मि: पु प य न व र ग व ॥ प प य व वि म् य न: त दि द म ह द र र ॥ १३ ॥ हपुहा
पात्र मितादवी ॥ सु नानं क ल पात्र या क: सं क ल्य: वि क ल्य म या स्य ॥ किं तु: ग ॥ न ॥ सा: पु थ म पूर्व क न क ल पात्र

या ग द ॥ न या ना मा तु लं म् क इ या डान ॥ ॥ क गु जा व द ॥ उ र र ॥ श ॥ र्य ॥ ॥ ॥ र्थ वा ॥ जागिडन पिर्स कल पात्र या क
सं क ल्य वि ल्य म या स्य: केवल प म पूर्व क या ना क ल पात्र या क: द ॥ न या ना मा तु नं म् क इ या डान ॥ ॥ क गु व न
श ॥ र्य: गु क स्य न क ल पात्र या त द ॥ न या य म र ॥ ॥ ॥ र्थ वा द ॥ न या य म र ॥ ॥ ॥ म् क इ या डान: ॥ ॥
गु व न ॥ उ र र ॥ श ॥ र्य इ या वा न ॥ १३ ॥ ॥ त्वं भव व ॥ त प ॥ न प ॥ न पि व ॥ ॥ त्वं भव म् य त प
॥ न प ॥ न पि म् य ॥ १४ ॥ हपुहा पात्र मितादवी: सु नानं क ल पात्र या त: द ॥ न या त: केवल द ॥ न या
ना क ल पात्र या क ॥ जाग: द ॥ त ल ॥ सा: ॥ ॥ जागि सु दा सर्व का ल वं ॥ न ग म न वा नी ॥ केवल हानं गु क स्य न
कल पात्र या त: द ॥ न म या त: ड म न् य या स द ॥ सर्व का ल वं ॥ न ग म न वा ना वा नी ॥ पुनर्वा ल हानं गु क २
जागिडन पिर्स कल पात्र या त द ॥ न या ना वा गु ली ॥ मी क ना ना डान ॥ ॥ त न क ॥ सा: वि ना क ल पात्र या त ॥

५५
३

३
४
५

युद्धयत्किस्रुयंअपयातिमत्सु ॥ नाजावगामजपलप्यधसंकुलषु ॥ कृत्वापिपुनऊयमममनुक्तममापनुवन्नि ॥ विसृजि
न ॥ गदिहवीर्य ॥ नहारठस्य ॥ १०८ ॥ अथयानिगा ॥ अवीर्यपुजाकर्म ॥ माहायलवानुज्ञया ॥ नरुधंगु कृतज्ञसांजाग ॥ के
वर्लपुपुकातनीधसा ॥ अकललागु ॥ अयातं ॥ सल ॥ किसि ॥ यावक्या ॥ स्रुष्ट ॥ धनुक ॥ बाल ॥ सज ॥ भक्ति ॥ अर्द्ध ॥
दि ॥ नयाजयाना ॥ संगममयाना ॥ एकाकाल ॥ धधधु ॥ दध सजाजामनयाजयाना ॥ सकलयाग एकाका ॥ धडा यध निर्ययानाडा
नास्रुलागयायदु ॥ धधधु ॥ दध धु यागज्ञसां ॥ हनययाना ॥ धडा यध जसा ॥ दधकार्यसिद्धयाना ॥ सुखलागयानावाय
दयी ॥ १०९ ॥ अथनिधिभक्तसुविद्युष्टिगाम्नुगमकुलाकलनजर्द्ध ॥ विरंगलामान ॥ वार्यल एभयदुमिव ॥ पुवि
लधधुजा ॥ कुवयनधधुलजलधनाजनानि ॥ २२५ ॥ हाकनी ॥ पुन्यइगुवीर्ययागु ॥ पजाकर्मज्ञसां ॥ असीर ॥ रुयद
याजानगु ॥ केवलिअनकजनु ॥ हिगीमअल ॥ ग्वंइ ॥ सलपआदी ॥ धडलडीतुयालयदयावागु ॥ समूदेगजयानाडा
नधध ॥ धधधु हय ॥ नजइया ॥ कविगलगु ॥ नमइगुइया ॥ अनक ॥ जसगुलयास्वामि ॥ जलजन धनसंफा कललाना
नजइयी ॥ ११० ॥

वावि
र्या
५६
३

जागदिलजगमिवागुवपुषा ॥ विस्तरयेयान्निगा ॥ नीलं सज्जनविह निर्मलगतं ॥ मम्यव न समादापयत ॥ यत्पाका न
नय ॥ मत्सिखय ॥ प्राकृष ॥ वीर्यानिगा ॥ निष्कृ ॥ सज्जिख संघ सहिगा ॥ संवाधिसत्वासुखं ॥ ॐ ॥ पुनवा लथ
वीर्यावानपुगुषंशसां ॥ अधिजागु सपसमानगु ॥ विषतुत्पइयावागु ॥ जाग ॥ दष ॥ माह ॥ माया ॥ क्राट ॥ दक्षइसागागा
संम्यकसंवृद्धयागु हानइसां चिन्तनाया ना ॥ नीलस्वरावहिगु था जागु ॥ अण्णत् चरायमाननिर्मलगु ॥ संम्यकसंवृद्ध
हानलाना ॥ ५६ ॥ ससाजसुमे लमेलुल ॥ वाकासडाना ॥ बिल चरायमानइयका ॥ निर्मलभ्राताइयका ॥ कर्वलसंसा
अदकदव ॥ सिद्धा ॥ आगा आदि ॥ कर्वलवाधिसत्त्वपिनापवाना ॥ सकलहिगइगु वाधि हान सच लयाना ॥ आन
नु पूर्वकनेगागयाना वा नं ॥ ॐ ॥ यदेवा विपति ॥ धिमानवसिना ॥ येनिर्द्ध ॥ समनुरवनि सोमसं ॥ अत्यन्त
विष्णुलकलंउरुहिहोवा यस्य ॥ स्थिज विहिगस्य ॥ साविष्णुति ॥ ॐ ॥ कर्वलथगु विर्यपलाकर्मनं ॥ अण्णमा
हाहेतुइया ॥ वजागं गु विहासकललाग ॥ कर्वलगभीजागु ॥ कलधसा ॥ ग था स्वर्द्धरखनवाना वापी ॥ दवलाकपिसं ॥ स्वर्द्ध

३
३
५६

वाविमानइसा वा ना ॥ आका सवायाइल ॥ आपालंदवकं या ५५यापी ॥ अपसराधयापीसंइसा ॥ स्ववाया ॥ का ॥ ५३५याथा ॥
सुखरागयाना वा न ॥ डाधगुं ॥ ५३५ख सिमखला ॥ ५३५गुचिहं ग्वसाग्वया ॥ सकलयात ॥ धर्मविहृइयका ॥ ५३५यथा
सुखरागयाना वा न ॥ हजाकजनइया वापी ॥ ॐ ॥ वत नपिववो ॥ त्वरिहयधीना ॥ संवाधिलर्कि ॥ पदमापन
वति ॥ वाधं उदानं ॥ पुसिदहिं ॥ सडा धान ॥ हिगु ॥ प्रवर्द्ध निहनु ॥ ॐ ॥ कर्वलथनाग ॥ दष ॥ माह ॥ माया ॥ क्रा
ट ॥ ५३५इसा पापगागा ॥ रिगु वाधि हानइसां ॥ ५३५मनं रिंके चिहं यानां ॥ सियका ॥ वाधर्द्धदानधयागुइसां ॥ ५३५
चिन्तु धानया ना ॥ संसाजसत्त्वपालियात ॥ उधलया ना ॥ अ नकपुका ले ॥ हानगुल आदि ॥ दानपुनयानागु ॥ धानजा
गयानागु ५३५वातधं काधयातल ॥ अधिजागु ॥ वाधर्द्धदान धानया नागु ॥ पुनइसातधगु ॥ ५३५वाधि हानलाना
कर्वलदकलकलं ॥ संइकइया ॥ लर्किनेउ ॥ ५३५कलपा फइयका वा न्यदयी ॥ ॐ ॥ उमपवधकजलेक ॥ निमित्त
गान् ॥ जागदिपाधनिचयां ॥ पु विदार्य ॥ सर्वान् ॥ आका ५३५तुत्पमनस ॥ समलाकहनु ॥ धानाधवनि ॥ मन्जा ॥ गुलहनुतन

ॐ क्लायाना वाना ॥ क्लयानिनिधिसाः ॥ डिङ्गुसामा क्लपुडव्य जाय धका ॐ क्लायाना ॥ धगुगागुयाना क्लयपात्रयादि ॥ ध
गागुयायकू म्मसुइहिपुजम स्वज ॥ उक्ताः विष्णुः महादेवयां धगागुवानागुसामधमइ ॥ ध्यवमनूषागुसामधम
यी ॥ अर्धनं क्लयपात्रयातः धगुगागुवानागुवया नायामागुलं ॥ लाकपितमा क्लपुडवीलायी धका ॐ क्लायाना
वाना डिङ्गुपुजम स्वल ॥ डिङ्गुधगुगागुयानागुः केवलरुना धगागुयाना वागुइ ॥ पृथ्वीति धगागुयाना वा
ममनूतयेयाकनं निर्वानिपुडवीला ॐ ही हलाकडनपी ॥ १८ ॥ पुष्पापात्रमितासुखाः यस्मयापचितं ॐ
हम् ॥ गिनास्वा ॐ उक्ताः क्लयपात्रयातः ॥ पुष्पापात्रमितापत्रायनं ॥ २० ॥ केवल ॐ पुष्पापात्रमितादवीयागुतो
गुयानागु पृथ्वीयागुपराव ॥ क्लयतिना डिङ्गु अलात ॥ धगु पृथ्वीयागुपराव डिङ्गुमति ॐ क्लययीकीहमा
ग ॥ सागापृथ्वीवाना वापीपालिपिः सकलस्यां याकनं ॥ ॐ पुष्पापात्रमितादवीइसांद अनयानाडः स

[illegible]

वाचि
या
५८
न

वलातधनुः पुन्यशसांशया वागु ॥ तस्मिन् हानं खयका ॥ उद्वालयाना वाग ॥ गथ शिउया वागु ख ॥ श्रीसूर्य उदयमश्याः
वागुवषते ॥ धिउ यी रथ डीथा तुशगुव खने ॥ श्रीसूर्य शसा उदयश्या सकलनं खडानं ॥ अल ५ अथं कालदक ॥ ना ५
याना वृगु ५ ॥ डीथा तु ॥ वाचि हान धयागुल किं खयका ॥ लाक पिनीगु ॥ नागद्वष ॥ माह ॥ माया ॥ काट ॥ अहं कालद
का कूका ॥ वाचि हानतया ॥ उद्वाजया नाविल ॥ ॐ ॥ ॐ निमला ॥ समाधाय ॥ वल ॥ अवजल हानय ॥ वाचि माई वि
नु माह ५ ॥ समाधे स्थाय पावयग ॥ ॐ ॥ ॥ ५ लिगे ५ गुपकालं ॥ हानसियका ॥ पापयाकु श्या वागु ॥ ५ नाग ॥ द्वषः
माह ॥ माय ॥ काट ॥ ५ पीता ना ॥ हे आननु रिक् ॥ ५ समाधिस ॥ कने विरु रि का वा ना वा ॥ हे आननु ॥ ममरम रिगु ॥ मधु
गुते अनम ॥ विरुनं मकास्य ॥ हे वा लाक ॥ अनया ना समाधी वा ना ॥ वाचि वया विरुया ना वा ॥ हे आननु रिक् ॥ काका हनाक
पि किमी सन ॥ कां लाक मन वाधया ना ॥ समाधी धयागु ॥ अन क सि की ॥ हे नाक पी ५ का पी रगवानं अहादय का वि का
॥ ॥ ॐ ॥ ॐ मेप वि कल सर्व ॥ पुहा र्व हि ॥ उम दिने ॥ तस्मा इत्यादय न्य हा ॥ ३ ॥ ख निव नि कां क या ॥ ॐ ॥ ३

॥ ३ ॥
॥ ३ ॥
॥ ५८ ॥

अथ या काल ॥ ५ संसात्र ॥ सर्कल सत्व प्रालिपिक ॥ हिनया ना उद्वाजयायगु ॥ पुहा ग्गन श्या वाग ॥ अथ या काजल ॥ स
र्व सत्वया ॥ ३ ॥ ख रुकेत ॥ रिक् पुहा ग्गन धयागु क सि य का ॥ ग्गन उरुपति यायमाल धका धया ॥ हे नाक पी ॥ ॐ ॥ ३
समृक् ॥ पत्रमार्ध ॥ ५ य सय मिदं मतं ॥ वृद्ध जगु वल गतं ॥ वृद्ध तं ॥ समु तिल यग ॥ ॐ ॥ ॥ केवल ५ संसात्र ॥ सं
वृत्ति सयुडा ॥ पत्रमार्ध सयुडा ॥ ५ निगु सयुया मरुइ धका धया मल ॥ गथ ५ सा ॥ पत्रमार्ध सयु धयागु गथ ५ सा
जाग ५ नयाना वा यगु क गु ॥ ५ माक डी नयगु श्या वाग ॥ संवृत्ति सयु धयागु गथ ५ ना ५ सा ॥ श्रीवृद्ध रगवानया ॥ अ
रु वल श्या वागु ॥ माहाग धना वागु ॥ पुहा गत धयागु ॥ माहाग धना वागु ॥ ५ ५ का सी की ॥ हे नाक उ न श्या वापी
का का वि बालया ना ॥ ॐ ॥ ॥ गतु ला की ॥ दि ५ द ॥ यागी लकन कसु ५ ॥ गतु पा क न ॥ का ला की ॥ यागी ला
क ॥ नवा धग ॥ ॐ ॥ ॥ केवल अल धन या नि जन पि स ॥ पत्रमार्ध सयु ॥ वि बालया न ॥ हान ५ संसात्र ॥ लाक उ
न पि स ॥ पत्रमार्ध सयु धका ॥ वि बालया न ॥ अथ धका ॥ अ न ॥ लाक जन पी डी ॥ या नि जन पी डी स वा उ शल ४ ॥ ॐ ॥ ४

[illegible][illegible]

पुष्पाभनवाधिमागलचत्रवच॥ कर्बलानपुष्पाभनरिगुवधिलूमकाडः॥ वाधिमागलचत्रयायगुइसाषगुइ६॥ ५५॥ रगुइ
 इसांरवठपालमीगासचत्रयायमागु५५॥ हलाकडनपी॥ ४ ॥ हानंयागुआर्याष्टांगमार्गचत्रयायइ॥ आर्याष्टांगचलन
 रवति॥ गधत्राधसा॥ यागुआर्याष्टांगमार्गचत्रयायगुइ॥ ककुत्राधसा॥ दिव्यचक्रवत्॥ रिगुमिखांस्वयगु१ रिगुम
 तिगयाइयगुनिगु२ सयवाकानकायसिधी॥ रिगुमतिगया॥ सयये५ सयवाककायगु३ रिगुआयानाइयगुप
 गु४ कर्मनकिंविक्का॥ रिगुकर्मयानाडिर्विकानययायगुआगु५ रिगुआ५॥ इहकर्मनसरुल॥ हानंरिगुइहक
 र्मयाना॥ उपगपयानावायगु६ सगितयगुरुसगु७ उकजागचिरुनं॥ कर्बलहानं७ कचिरुयानाजागयायगु
 आगु८ ५५॥ आगाइसांगधीजागुपुकात्रयागुधसा॥ आर्याष्टांगमार्गआदि५५लीसकठीइसां॥ रिगुहानलायगजामहाक
 कइयावान॥ गधत्राधलसा॥ उमनपु५५॥ रवति॥ उमरपतीयानाडयागु५५॥ इसाकलमदयक५५॥ समाधियायगुहान

ला००मष॥ प५५॥ हिमत्रचिरुनदृ॥ कर्बलपु५५॥ हिनइस्यलीचिरु५५॥ इ००मरव॥ अथयानिमीती॥ ५५॥ समाधिहानलायगद५५
 कूललपापगाता॥ दवपजाउपगयजागयायगु५५॥ ५५ ॥ अदतादानं काममिथ्यावालेपे५५॥ अथपाइखा॥ कर्बलद५५॥ कूलपाप
 धया५५॥ पु५५॥ हिसायायगुकु५५१ पत्रधननगरव॥ पत्रयागुधननगरयाना॥ नृगलेखाकाकायगुनिगु२ पत्रसीगमल
 कठविंमिसागइसांस्वकगु५५३ पत्रपु५५॥ कठविंमिडरुमिसास्वकगु५५॥ ५५॥ इसाधगुसत्रीलेयानागुपापइयावा
 न॥ हानमिथ्यावा५५॥ मिथ्यास्वकायगु५५॥ काववृथ५५॥ कनीयानाकरूपीरु५५॥ लाकगु५५॥ चिरुयागसायावियगु५५॥ हानकक
 गुकीववचलगयगु५५॥ वासगापवियगु५५॥ ५५॥ पगावचललंयानागुपापइयावान॥ हानकठकागमति५५॥ स्वक
 गु५५॥ कठविनीधननगरयगु५५॥ धनपापधकासिदि५५॥ अहममभवय५५॥ कर्बलहानंधगुमननिकायापत्रमनृधयाग
 निदावहानाइयगु५५॥ धनपापधकासिदि५५॥ हानअस्वयाववा५५॥ मयास्वगुमानाईयाइयगु५५॥ पापधकासिदि५५॥ ५५॥ लीइ
 सा५५॥ म५५॥ यानागुपापधकासिदि५५॥ ५५॥ डिगापापआदिइसांअनगरपुकार्तयानागुपापगागाडं॥ ५५॥ चिरुयानापुकाभदग
 पा॥

11

1000

जथा भक्तप्रसादनपक्षे प्रहारादि कृत्या ॥ कर्षलज्जाम्भु प्रसालं ॥ श्रीवृद्ध धर्मसंघ श्रीप्रवृद्धवतापिः अथवा हानं श्रीध
 र्मधनुस्यैरुत्तरेण यागु इ सो ॥ हानं दिगपालदवगापिहनेः पूजायाना पापद्वन्द्वतातादवगापिह पूजायासा उर्कः अल्पद
 वगापिह सांपुस इ याडी न कायायी ॥ सत्यधर्मनैव न कृत्वा ॥ शुलिंगकस्य धर्ममच्यन उलिक इ सा ॥ श्रीपत्रमिध्वलपी
 संप्रगिरावने मस्य ॥ अथयानिकी हानी उ नपी संवि बालयाना न्धया डी ॥ नपालेन प्रमद ॥ धनपाल प्रपृथक् इ सो स्वयत्
 स्थान उ लम इ या वा पिला क उ नपी संः गडी धनु प्रपृथक् लाय गु अ व अ ल इ सां सि बु क ॥ नेपाल उ रूपी वागमयाया ॥ अथः
 याका जल नपाल मं लु लेरु सां र गवान पि सं उ त्यगिया ना न गु वागमति धया गु ॥ द्वाद ल प्रिध्वन सानं कृत्वा ॥ द्वाद म
 तिथि सं ॥ स्नान कर्म या ना ॥ हानं ॥ अष्ट वेरु ना उ त्यगी कृत्वा ॥ अष्ट वेरु ना गुरु आदि दर्शन या ना ॥ श्री स्वयं र धर्म धनु
 तु न लया ग पूजा या ना डी ॥ धरु उ पाषठ वरु आदि व ल्या या य गु स्व ॥ दान प्रदान न कं ॥ हानं उ धम क दान प्रदान या य गु स्व ॥

जथा भक्तदानप्रदाननः पृथमा र्च चाराय ॥ कर्षलज्जाम्भु दानप्रदान या ना यथ म मिल गु या ना ॥ अल्प थली या ना गुः
 पृथयाः च ल्या या ना स धर्म लाय गु स्व य ॥ हला क उ न पी ॥ अथ या का जल ध कि उ र्क स र्च मि ठा न गु ध का श्री भक्त म नी र
 गवानेन ॥ धरु नपाल मं लु ल विष्णु ना सकल सहा ला क या त आ हा पि ह आ हा दय का डी विष्णु ॥ ग ध उ क अं ह्ला दय
 कल ध सा ॥ हला क उ न पी ॥ उ क विठ ल ॥ उ क विरु या ना या कि मी स्य ॥ सं सा ग प्राली उ ना ॥ ध सं सा ग प्राली उ न पि ॥ इ र्व
 व द ना ॥ इ र्व व द ना गु क क इ या डी गु ॥ का जल ॥ का जल ग ध या ध सा ॥ अ विद्या कर्म नि ॥ म रि गु कर्म या ना इ गु ली
 इ र्व र ल्या ॥ इ र्व व द ना उ त्यगि इ ल ह ला क पी ॥ अ विद्या नि जा ध ॥ अ विद्या ध या गु या ग नि जा ध या ग सा ॥ इ र्व नि जा ध न ॥
 इ र्व ध या गु ली नि रा इ र्श या डी नी ॥ अ विद्या या ना वा रु ल्यः धा ल इ र्व ध या गु क रु सी मा ला वा नी ॥ अ थ या नि ति अ वि का
 ध या गु ग नी ध का श्री र ग वा ल पि ह आ हा दय का विष्णु ना न ॥ ६ ॥ कर्षल ध सं सा ल धर्म या य गः उ क म न न विरु क
 २ ॥ उ क विरु या म न का रु का डी ना य गु प गु इ ॥ कृ क ध सा ॥ ध धा र्थ सत्य इ सां लु मं काः रा व ना या य गु कृ ना ध सा ॥ इ र्व ध या गु ॥

[illegible][illegible]

इह न समुद्र लं व ॥ ३४ स्वसुड धयागु निगुड ॥ हाने इह स्वनि आध धयागु ॥ ३५ ॥ कर्बल हाने इह स्वनि आध गमीनी धयागु
 धयागु ॥ ३६ ॥ कर्बल इह स्वधयागु ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

का. इ. खयागु रवंडक हज लयायगु र्पूइया बागुयात। धनइ. खं धकासिकि ॥ इ. खन निजा रुल ॥ इ. खनिया ध ध
यागु कूर धसा ॥ इ. खइ सानि स ह या ना. धिऊया नाइ. खयागु मूलक दया बागु. कंद यायगु. यातइ. खनि ना
ध धकासिकी ॥ इ. खनि ना धा म मय न ॥ हनीइ. खनि ना ध ग भिनी ध यागु कू जा धसा ॥ इ. खयागु मूलक द यायगु ॥
जागु ल. नाग. ध ध. माह. कार. ध इ सयि डि रू या ना ड ॥ अहं ध यागु ॥ मम ध यागु ॥ डिंका. का ध यागु ध गा गा ग स
मा धियागु न ॥ समा धी का ग यायगु सि ध केंडक ॥ इ. खयागु मूल हाइ सां ल द न इ या ड नी धकासिकी ॥ स ध म न न ॥
कर्वल ध उपाय सिंका स धर्म च ल यायगु या ना वा सा इक ॥ अत्य ध ध ध ध धि सामा ध ध यागु. सक हा पू इ या. धा
धि हान न ॥ क धि हाना मा कू प ड ला ० ध का धा र वा न वा व ॥ धा र वा न पि सै आ हा द य ग गु ध सा स ह न डि
न पी ॥ धि ल ध न मा कू प ड न ॥ धि ल ध न मा कू प ड वि ला य ड ॥ धा ल हि सा का ल्य न ॥ धा ल हि सा यायगु ॥ म ड
धान यायगु ॥ इ. धा र व म हा यगु ॥ क क गि के ध न लो र म गे गु ॥ पत्र सि या के ग म न म यागु ॥ ध हा गा गा य रू सा।

22

विरुमुद्रया ना ॥ विरुकातुका ॥ ५५ विज्ञानलायतजा ॥ निहासं च लवटुचो ना ॥ अर्थरुद्रियागुचयसिया ना ॥ अलसिहासं
 मलकया ॥ वाधिवर्याविरुयायगु ०० काया ॥ हेराकडनश्यावापी ॥ २०० ॥ विहाजकिरु ॥ विनुं च कापयकु ॥ न
 निहा ॥ जकातुं ॥ चले ॥ विनुमजका ॥ २५१ ॥ हेरिहृगलपि ॥ किमासंशसा ॥ प्रारगधनयागु ॥ विहायाग ॥ जका
 यायगु ०० काइसा ॥ अमकिमाकवागु ॥ चंचलश्यावागु विरुयागनि ॥ अनकपकालन ॥ ऊननशगुगिया ना ॥ जकायाय
 नीमालावान ॥ अलथुगुमिहायागजकायाय ॥ मरुठजा ॥ ५५ चंचलश्यावागुली ॥ वाधिवर्याविरुयाय अवरसम
 वनंयायरुयीमरु ॥ हेवलीजाजाश्यावा ॥ काकाथगुविरुनीयाकनंकातुकी ॥ २०० ॥ अदागा ॥ मरुमाग ॥
 नकवगिहतायवा ॥ कजाठियामवायाडो ॥ मनुविरुमगगज ॥ २५२ ॥ पुनवालथविरुइसांगथि ॥ ५५ ॥ ग ॥
 मगश्यावा ॥ किसाइसा ॥ उमगाश्याइल ॥ ५५ ॥ ५५ विरुन ॥ ममगाश्यावानहेराकपी ॥ सुनानंवाधयानावा
 ५५ यायमरु ५५ विरुयाग ॥ केवलअधिंजा ॥ विरुयागवाधयानाधियमरुयसली ॥ ५५ विरुइसांगथयायी ५५

पिसं आह्लादय का विज्ञानावान ॥ ॥ गत्ता विने ॥ समाधाय ॥ सत्त्वा जक पयगुत ॥ चिन्ता दयहि ॥ सर्वग एयतु ॥ वजाय
न ॥ ॥ केवल अथया काल ॥ चिह्नया गइसां ॥ समाधाय ॥ अलग अगर्ह पिनिगु ॥ भिक्काइसां लमंकाः
जगन्नइगु गिया ना ज काया ॥ हजाक जनइया वापी ॥ असीसा ज सकहनं ॥ चिह्नहया नाइसां ॥ अयक पु कालेय इया उयाः
वान ॥ अचिह्नहया ना ॥ सदा सर्वकालं कल्याण इयानं वान ॥ निचयनं ॥ ॥ भस्मा निनजक ॥ कन ॥ घठिता नि ॥ सम
कुत ॥ न काय कूटिमं केन ॥ कूता जाग म्भगा सिय ॥ ॥ अथया काल ॥ नलक स सकहनं ॥ अरु अरु इसां ॥ कूया
निति गया गल ॥ कर्वल हानं ॥ तां नायकत ॥ ह्याडक कूया गया गु ॥ नपागाइसां लाया गल ॥ नया गु अंग इसां गया गल ॥ १०
यानिति गया गल ॥ हानं ॥ अग्नि कूटल स ॥ कायमिक्का यका ॥ चिह्नइसां दायका गल ॥ कर्वल अमिसा ग कूया निगी जमे
याना गल ॥ हजाक जनपी अकाणी वद्ध एगवान इसां आह्लादय कल ॥ अर्थग अखग अया असा ॥ ॥ ७४ ॥

पापचिन्ता समुत्तरं ॥ सर्वमिगु बुवालय ॥ गत्ता क सिन ॥ डेलाक चिन्ता दयारयानक ॥ ॥ अत्य असीसा ले
इ ॥ एवरागया गुवसु ॥ नजक कूटु अदि ॥ १० सकतां ॥ अगु पाप चिह्नं कृत्य गिइया वान ॥ अथया काल ॥ ह आनं दुः
हिक्का ॥ १० सड मय पागल ॥ चिह्नसमान इया तय कल गुवसु ॥ मगा कू नमड ॥ अथया काल ॥ १० वाचि हान ला
यगु ॥ १० काया अजक ॥ लापां ना चिह्नया ॥ वांलाक चिना ॥ केवल गुगु पिनी गु ॥ भिक्काइसां नना ॥ वाचि चर्या वरु इसां
चलया अका आह्लाइसां दयका गल ॥ हजाक जनपी ॥ ॥ १० तिगु चिह्न समाधाय नपुत्री समापं ॥ ॥ ८
अदु विनुं ॥ उअरु कूला ॥ दानपाल मितायदि ॥ उगट विनुं मका पि ॥ साकथं ॥ पूर्वता यिना ॥ ॥ १० असीसा जस
जगत संसालया ॥ दजिडइया वागु कूका विय अकाइसां ॥ वाचि सत्य इया वापी से ॥ दान पुनया ना ॥ दानपाल मीगा
नं पुनया ना ॥ अलग अगता अयका विज्ञानावान ॥ हजाक जनपी ॥ अलउगु दानकापी इसां ॥ सत्यपालि पिनी न अ
उया अका पि ॥ दजिनु इया वान तिनी ॥ अखग अया असा ॥ लापा इया विज्ञाकपी ॥ न अगतापी से आह्लादयका विज्ञात अख ८

۱۵۹۱

रूकतु ॥ विरूतु समनमडा ॥ अथवा मवयात ॥ स्यायमथाधका ॥ कल्लभतया ॥ हिसायायतुली ॥ विजतिगुविर्दुयावा
 म ॥ मनुष्या ॥ नीलपाणवदया ॥ अहिसाकज्जविर्दुयायुमया ॥ नीलपालामीता ॥ अथयानिगी ॥ नीलपाल
 मागानं विरूहख ॥ हयाकजनपी ॥ काका मसीकी ॥ ॐ ॥ कियता ॥ मालयिष्यति ॥ उर्जनान् ॥ गगनापमान ॥ मा
 जितकाधविनेतु ॥ मालिगा सर्वलपव ॥ ॐ ॥ अथ ॥ ससाय उर्जनधयापिइसा ॥ आकाशपुमालनं असीषदया
 यान ॥ ॥ उर्जनधयापि ॥ ॥ मनुयागरूकागुलिर्दुके ॥ केवलथडकवाना ॥ काधयागरूकेरूसा ॥ उक्तमनुने
 उर्जने ॥ मनुरावया ना ॥ मवयात ॥ लाजिवायका ॥ काठउरूपुनियानाविची ॥ अथयाकाल ॥ थडकवागुकाठयान
 मंतयायगुविर्दुयाना ॥ कमातया ॥ मंतयायगुगुविर्दुकातिपात्रमिताधका ॥ गथगर्हपिसं आकादयकल ॥ अथ
 ॥ कामिपालामीगानं ॥ विरूहखधकासिंकी ॥ ॐ ॥ समिदययातुं ॥ सवान् ॥ कृतधर्म ॥ रविष्यति ॥ उपाना
 वममातु ॥ कनारवति ॥ मदनी ॥ ॐ ॥ कर्बल आपालेह ॥ विर्यपिनाकर्ममइम ॥ मनुष्यने ॥ ॥ ससाय ॥

二

काजल ॥ मवयाग रिगु कायाकेन ॥ थगु चिनि ॥ रिगु काना केन ॥ मरिगु कायाग चिगंगा ॥ रिगु कासरू थयनक
कजामरू थगु चिर्गु यायमाल ॥ रु जाकपी ॥ जल्यउगु का लायाइसां ॥ मवनें याय मनशया डायी ॥ ज थयाका लेल ॥ थगु
चिर्गु यागनि ॥ उमलं चिच ॥ मपिनीगु चिर्गु याग ॥ निवाल लया नाकू याय ॥ थ चिर्गु चिर्गु ॥ ॐ ॥ सहापिवा
गकू जीगवां ॥ मनुवगन ॥ ग ललं ॥ यल्यठावक कस्यापी ॥ चिर्गु थु जगनादि के ॥ २६५ ॥ केवल स्यागु मस्य
या ॥ वचन ॥ मजी लनिगा ॥ सा हायदत्ता ॥ मडभाह सजक ॥ चलया नावान ॥ थ चिर्गु ॥ वाचिहानं अदिइल
चिवाल मयास्य ॥ जलउक स्या कूरुल लायदुयी ॥ जवस्य मवनी कूल लायदु ॥ म ॥ कर्बल चिर्गु सजक थउ
नाइ कूस ॥ ककीमागु ॥ वाचिहानं थउनायाना ॥ चिर्गु थिलया ॥ उकस्यं ॥ वाचिहानं दकं सा थनायाना ॥ वजाग
थगु ॥ सधम्मियागु ॥ कूल लायदु ॥ रु जाकडनशया सापि ॥ थ थनयागु ॥ वाचिहानं स ॥ चिर्गु स्थी जगु कू या
के थसा ॥ थनपालमी तायागु कूल ॥ थ चिर्गु थनया नागु ॥ पचया कूल ॥ जसंखदया वान ॥ वोरथानयानानं यायमरू ४

॥ ६० ॥
॥ ६१ ॥

जपां सुपांसि ॥ सवाल ॥ दीर्घकालकृतान्यपि ॥ अथ विरुन ॥ मनुन ॥ वथेन सिध्दतमहि ॥ ॥ ६० ॥ ॥ १४ ॥ खगध्याना ॥ सा
हानमइ ॥ अर्थगपुहा ॥ न मनमइ ॥ इसा ॥ गकाल उपगयाना ॥ अर्थरुदानपु नयासीनं ॥ कुरुललाय रुयीमरु
हजाकजनपी ॥ अर्थवावर्थनंशयाडानी ॥ अथपाकाल ॥ मदमाह सवानावा ॥ विरुइसा थीज याय रुयीमरु ॥ अल
थयत सिधिरुल लायीमरु ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ इरुहंनु ॥ सखपाफु ॥ तममनु ॥ म् अम्वज ॥ यजगद मसर्वसं ॥ विरुगु
सं नराविगं ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ पलाकजनपिसं ॥ इः खरुका ॥ सखलायधका ॥ मदमाहइया ॥ आकासं ॥ आकासं ॥ तमलायाः
नापालकेकाइल ॥ केवलधुनिसं सधर्मलायगु ॥ गुक्कइयावागु ॥ विरुजलयाग ॥ रावनामया ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ तसा
त्यविधिरुविनं ॥ सदाकार्य ॥ सलदुगं ॥ विरुजकावतं ॥ यवत्यावइतिः किंतप्रावते ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ अथपाकालन ॥ हेरा
ननु रिह ॥ सदासर्वकालं ॥ पडापधययावागु ॥ धमंइसां म् धिस्थनयानागयागु ॥ विरुजलयाग ॥ वां पलाकविहकागु

॥ ७ ॥
॥ २ ॥
॥ ६० ॥

का ॥ विरुजकायायगु वरुसचलया ॥ पयिजागु विरुजलयाग ॥ जकायायगु वरुगाता ॥ मभगु ॥ गपस्यायायगु काय
॥ ॥ ६५ ॥ ॥ विरुजकावतुहं नचंशयावान ॥ कवलधु विरुजलजकायायगु वरु ॥ क् असापुहा ॥ नधयागु विरु ॥ पुहा
पालमिताधयागु ॥ हेराकजनशयावापी ॥ काकाकिमीसां नसीकी ॥ पधधका ॥ अलगवानन ॥ अननु रिह ॥ सगला
कसकलयाग ॥ अहादयकविष्कात ॥ पुहा विरुधयागु ख ॥ केवलविरुयाग ॥ थीजयाना विरुजकायाना ॥ विवाले
यायगु रावना ॥ संपुजनविह ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ यधचपलमधस्य ॥ जकगिबेलमादजाग ॥ जवइरुनमधस्य ॥ जकावि
नुपयलगु ॥ २६८ ॥ ॥ १४ ॥ खगध्याना ॥ सा ॥ चवलइया ॥ विरुइसाससा हितमइपि ॥ अथवा अघालपी ॥ खाली
गयधस ॥ दधुसवाना ॥ पडाके ॥ के ॥ पो ॥ घाल ॥ दयावाहु मनुष्य ॥ ववलसुगवइयावापि ॥ अघात्रितयनापंकीना
वानीवल ॥ पडाकेवानावागु ॥ घालस ॥ अयीवल ॥ गधस्यायी ॥ पघाल ॥ सनीधकापालयाग ॥ गधविवालयाना ॥ जकाया
यानागयी ॥ डधगु ॥ जवपुकाती ॥ इरुपिंनानीपं ॥ वानावासानं ॥ धगुविह ॥ मरुगुकायागु ॥ विरुसनीधका ॥ धगुविह
मसंरुस्य कलयाना ॥ विवालयानावापि ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ १ ॥

[illegible]

४

॥ ११ ॥

|| פ ||

二五

۱۴۲

दवयया नावापि ॥ रंः न स्यं स्मिधया उ दवयया ना ॥ रंः कर्मयाना ॥ रया कायी ॥ उधं ॥ स्मिधमगुधलसावा ॥
 असा ॥ हापो २ भाई नया नागयागु ॥ पयदं ॥ रंः पयायं कुधं हयया ॥ अंककालस ॥ नयक हागयाय माता
 हयाकपी ॥ ३० ॥ वलनं सुजसंधा ॥ यमवना जगवषक ॥ प्रालवना ॥ मया कि ॥ हसि सड मिडा विगं ॥ ३१ ॥
 पुनकासगध पापक मया नावापि ॥ रंः न स्यं ॥ मवयागु गुमिमाता ॥ मवसल पाडया ना ॥ रया कायी ॥ कर्वल ॥ उ
 सड मिध नगु डिधिका शया वागु काययान ॥ नागया नावानी ॥ उधं रुया डानं ॥ ३२ ॥ गला स्मिधमनादा
 जान् ॥ नापनेया कदावन ॥ गनापि पुपस्थया ॥ संस्म त्यापायि कं व्यधं ॥ ३३ ॥ अथया काल ॥ स्मिया
 नलूमंका ॥ मनवान मनयाग पिठकाय म ॥ कदाचिठमवनं ॥ प्या हाडन असा ॥ गुपिनीगु मि कालूमंका ॥ स्म
 मिगया ॥ नलकयागु ३ ॥ रयध लूमंका ॥ लिगहया अस्थगु नयागल ॥ हयाकडन शया वापी ॥ ३४ ॥
 उया अया न्नासिया ॥ हायादय अवापि ॥ धन्याना ॥ गुसंवासा सुकरं ॥ जायन स्मि ॥ ३५ ॥

82

8 v

काचिच
या

७०॥
॥६॥

कर्वलगुत्रुपायाइयावापिसं॥ उपदलशसां॥ व्युगुहानकया॥ कमलीशया॥ दजकया॥ हानाउत्रयाइसंवाना
वासा॥ अलडयाअका॥ अनेरुसयाडायी॥ हाननदयी॥ अमनअयअयन॥ अथयाकाजल॥ इदशसांसमल
लपुसुमियाकन॥ इयाडायी॥ ॥००००॥ ॥वृद्धाअवाचिसुत॥ संसाजवृद्धाचिसुत॥ सर्वतयाहनक॥ सर्वपि
पुत्रगुलाकसिपामगु॥ सदास्थित॥ ॥०००॥ ॥हाननदरिद्र॥ असंसाजवृद्धाचिसुतपिसं॥ मरवगुपुदापि
३॥ सकगाहर॥ अथयाकाजल॥ अउअतलाकपीसकल॥ इडानयानावाज॥ अथयाकाजल॥ ॥०००॥ ८
०॥ निष्ठात्यासदाचि॥ उदादजतयाचि॥ वृद्धानुसुमिजपि॥ एवअसुसुसु॥ ॥०००॥ ॥हाननद
रिद्र॥ अथयाका॥ वांलाकसियकासदासर्वकालं॥ अउनायाना॥ उत्रयाउत्राहाना॥ वलयायमरुयीअका
अवाकयाहाना॥ आदलरावतया॥ सदासर्वकालं॥ उत्रयाअउवाज॥ हानाकजनपी॥ अलडयाग॥ उवपु

७॥
॥३॥
॥७०॥

कातवृद्धयागुअनुसुमि॥ संपजयसंम्यकसुमिअयागुवजावलदयाडायी॥ अलडयावाचिचयानिचलयाइयाडायी ८
संपुजयगदायानी॥ नेवयागगांपुन॥ सुमिपंदामनीवाज॥ अकार्थमवतिवृत्त॥ ॥०००॥ ॥पुनवालहाननदरिद्र॥
गुलियागअसासुमिसंम्यकअयागु॥ असेसालजकायायगु॥ सुमिदयाडायी॥ कर्वलदयाडायअकुंगुसुमिशसां॥ पु
नवालहाननमदयाडायीमद॥ असेसालजकायायकालल॥ मनयागुवाजअगुचिरुइसां॥ सदासर्वकालंसंपुजय॥ सु
मिस्थीयवाजवाजी॥ हानाकजनइयावाजपी॥ ॥०००॥ ॥पुनगावदिदचिरु॥ सदापस्थायमादसं॥ सदाचिजीनुयने
व॥ अगवकावसदा॥ ॥०००॥ ॥अथयाकालल॥ अगुचिरुयाग॥ हानाअयाना॥ कवलगुअयतक॥ माकडान्य
गुदयावानहानाकपी॥ उअयतकइसां॥ असंसाजअलयायगु॥ सुमिगयाचिरु॥ वांलाकनयावाज॥ अर्थगगाअजा
असा॥ दसगुत्रियअदिइसां॥ कूमइअथअक॥ कर्वलसिमाअथयागु॥ सिजवथां॥ गअवाजवाज॥ उअवाजवा
नमाल॥ हानाकजनइयावाजपी॥ काकाअशवडमावुडययाना॥ विवालयानाडीस॥ हानाकपी ८ ॥०००॥ ८

॥०००॥
॥३॥

॥७१॥
॥६॥

निस्कलानपुविक्काला॥ नकर्तव्याकदाचन॥ निष्कयमुवसंदापि॥ कार्याद्विजगता॥ २४५ ॥ पुनर्वालनिस्कनधया
गुगथजाअसा॥ कलमदुयावागुकासइसां॥ कदाचिर्गवलसंमिखावायास्वयमन॥ कुंकासं॥ हागुलासंयायमनः
धरगथजाअसा॥ नपावनअनयानावाकइसां॥ गथयानावाअसा॥ धगुहासयावाकाउक॥ कत्तयावाअमिखां
डाधगु॥ धंसालेउअलयायगुसुमिचिर्कुकसदासर्वकालं॥ स्थीलयावाकस्वयावानेमाल॥ हवाकउनपी॥ ॥७॥
द्विचिन्महतासु॥ दिभपथकदाचन॥ आरासमाउमालोका॥ स्वागतार्थविलाकयल॥ ॥७॥ ॥ केवलअथया ॥७॥
काललकदाचिर्क॥ धगुमिखां॥ स्वयहमागुहनुइसा॥ मिजकमिखाकना॥ दिसापति कलमाउकस्वयाडा॥ पलघन ॥२॥
स्वयाहनुधयागुधधकासिका॥ वृजयइया॥ गुगुवधगुसुमिअर्थसंसुष्ठइया॥ वांलाकविवालयानास्वयमा ॥७१॥
लावान॥ ॥७॥ ॥ मार्गदोरयवाअर्थ॥ मूरुपधवगुदिसं॥ दिसुविन्मयवीकगु॥ पनावसेवयकन॥ ॥७॥ १

अर्थवा स्वयहमागुहनुइसा॥ अर्थवाअहिअसानं॥ नलीगथस्वयलाअसा॥ खंआदिकूरयनअना॥ लंसविलाविसुडाअथ
एयदनीलाअका लिअया॥ अउरअंपलखजकस्वया॥ विसुडानीडाधगु॥ प्यगुदिसासंपलखजकअयाडा॥ याकनंथडा
गुसुमियागलिगहया॥ चिर्कसंगुसुयाविवालयानाअयाडावाअ॥ हवाकपी॥ ॥७॥ ॥ सुअदपसनेवापि॥ पुनपअमि
लूयव॥ ॥ वंसर्वस्वस्थसु॥ कार्यम्वदिसमाचन॥ ॥७॥ ॥ केवलगलंडांसां॥ अर्थयाडासानं॥ हापालिपासदाका
लं॥ धडागुचिर्कनी॥ धर्मचिर्कयालामयालाअका॥ विवालयाना॥ निजापनयायमाल॥ हानंधगुपुकार॥ सकलअवस्थः
दककासंवाअइया॥ रिगुआचार्ययाना॥ रिगुआचलयावाअनमाल॥ हनिष्ठाउअन॥ ॥७॥ ॥ कार्यनेवमवस्थय
मिखाविषयक्रियांपुन॥ कर्षकायस्थिग॥ गुमि उअयंपुनअगतया॥ ॥७॥ ॥ पुनर्वालहाकनंधगुसजीलं॥ गथवाना
वान॥ कूआयाग॥ धर्मकार्ययाला॥ मयालाअका॥ इअ॥ पिनसकएनंरिगुअवस्थस॥ वाला॥ मंवालाअकाविवालय
याना॥ धगुअलीजयाग॥ माकडाअगुचयसिगया॥ रिगुआयानावाअमालावाअहवाकउनपीकाकाविनाया॥ ॥७॥ ॥

॥ ३२ ॥
॥ ३३ ॥

निलय सर्वयत्न ॥ विष्णु मनु द्विपक्ष ॥ धर्म विष्णु महासुख ॥ यथा वदन् नमस्यते ॥ ॐ ॥ पूर्व वालग धमना हाश्या
वाक्क किं सायाग ॥ उत्तया नाडा ॥ विष्णु तं विना साययाग ॥ मार्क यावत्स काल ॥ डाधु, धगु विरू सुगि धयागुनं ॥ वांलाक ड
लया ना निगापनं विवालयाना चान्य ॥ ग वलकुं नयम शयक ॥ धर्म लपी इ सां धमयया ना ॥ काठुका विना गयमाल ॥ ॐ ॥
कूठमव कुच इति ॥ पुण्य वद नग धमन ॥ समा धन धर्जनैव ॥ कलम प्यत्तु ड घ ॥ ॐ ॥ केवल धडा विरू इ सां
जन डान ॥ जन डानी धां धका ॥ वांलाक विवालयाना चान्यमाल ॥ कर्तल गध राती कूवू या वाक्क ॥ एजी या या राती ना दि यीगु
रव धं दाजक ॥ हानं दयी धकानं धदा कया डानी ॥ धगु मन याग विरू समा धन या ना ॥ एजी कूवू या डायी ॥ डां धां ॥ धगु वि
रू याग नं मगा रुस्य ॥ काठुका क ना वि नाशय माल ॥ हजा कपी ध रव धगु विरू धिल या यगु रव धका ॥ जीवू रग वा नं इ
सा भ्राहा दय का वि का वा न ॥ धड या अ धा पि न क ला ना हि ॥ या ना ह क ना या न एग वा नं इ सा हे ला क पि ॥ ॐ ॥ ८
एया सु वा दि सम्ब ॥ यद्य भ का य ध सुखं ॥ दान काल तु नील स्य ॥ यस्मा इक ॥ उपे कल ॥ ॐ ॥ ८ ॥ ॐ ॥ ८

॥ ३३ ॥
॥ ३४ ॥
॥ ३५ ॥

केवल ध रव ग धा धा सा ॥ उत्सव आदि सुख या नागु ॥ धन स रय इ या डी स्या ली ॥ अन सुख ध यागु गु व ल इ या
अव स्य म वनं इ यी मरु ॥ डा धगु ॥ विरू याग स्थि न म इ य डी जा ॥ विरू याग रय इ सां डी या ॥ केवल अन का क स्य नं
का इ सां सिद्ध या यरु यी मरु ॥ कल न लाय रुया मरु ॥ अ ध या काल ल ॥ डा धां तु दान पु न या यत नं ॥ नील स्य रा
व म द यक ॥ दान या सा नं कू रल द ग मरु ॥ विद्यु ड क इ या वा नी ॥ ॐ ॥ ॥ यग वू द्वा क रू मा ज क ॥ गगा इ न्य
त्र वि वि न यग ॥ तद व गा व निष्ठा धां ॥ तर्क ते ना क जा ल ना ॥ ॐ ॥ ॥ पूर्व वाल ॥ डा वू दि मान क म नू ग य री ॥ गुगु
का भाल स्य याग ॥ उगु का इ सां सि म द यक ॥ मव गु विरू ना मया स ॥ उगु का स य क विरू नं या ना ॥ सिद्ध या यी ॥ डा
धां तु ॥ गुगु या क नि का न ना इ सां ॥ मा क डान्य गु विरू या ना ल्या हा म डा क ॥ वा वि विरू ध या गु व रू ॥ मगा रुस्य ॥ वा धा
व या ध या गु ॥ अ क मी व रू या ना चान्य माल ॥ हजा क डान इ या वा पी ॥ ॐ ॥ ॥ नृ व हि सु क र्ग सर्व ॥ मय ध ना
रयं र वर ॥ अ र्पु ज न्य व ल ल पि ॥ व धि वे व ॥ ग मि षा गि ॥ ॐ ॥ ॥ अ ध या काल ल ॥ नृ व ध गु उ काल ल ॥ विरू रि का ॥

सिंघु झाइसां या ना वा मयाग ॥ गवतसं कूं रयदुं मरु ॥ असंपुज न च यागु ॥ विरुसः सतिमइ मयाक ॥ जाग ॥ दधः
क्राध ॥ माह ॥ माया च यागु उक वदइया ॥ पापकर्मजक या ना ॥ इरवरयश क इयका वा न्यमा ला ॥ सिंघु झाया पाग जवव
लइया मरु ॥ ॥ ३०६ ॥ ॥ ना ना विघु पुलापषु ॥ वगमान नवनक ॥ कोहु हलषु सवेषु ॥ ह्या दो सुक पागगं ॥ ॥ ३०७ ॥
पुनर्वालिसंपुज न्य विरुमइ मं ॥ नाना पुकातं ॥ रवगु ॥ मरुगु ॥ रं हाना इयी ॥ कोहुक वा य इयी ॥ कवल लुवा रवउ
क हाना इयी ॥ पलयागु कार्यजकइसां ॥ ना ॥ जक या ना ॥ थडागजक पुखयायधका ॥ थडागजक कर्हि ला ॥ ॥ ३०८ ॥
या ना वा नी ॥ हजाक पी ॥ काका थधध का धागु ॥ रवगु मरुगु वुडय या ना ॥ थका गु वुडय गवानं आ ह्या दयः
का विद्या ना चीन ॥ ॥ ३०९ ॥ ॥ म मदन नग कंद ॥ गवाध कल मागगं ॥ सत्या गा थ गति नि का ॥ न कल लं ही न म
ले उत ॥ ॥ ३१० ॥ ॥ ॥ थं हागु झां कल मइगु ॥ गथ ना धा सा ॥ वां हागु हा यागु इल ॥ घासइसां लो ला थ ल्यागु
इल ॥ वस ॥ मइल स ॥ किहु किय स न गु इल ॥ थडं मा कल मइधका सि कि ॥ हजाक पी ॥ थ झां मा ना गा इसां ॥

॥ ७ ॥
॥ २ ॥
॥ ७३ ॥

कवल लुवा गवतसं विनागु ॥ गुं पिनीगु नि काल मका ॥ कलदुं गुं सिंघु कार्य या ना वा ॥ हजाक पी ॥ ॥ ३११ ॥ ॥ यदा
वलिहु काम सागु ॥ वनुं कामा पिवा रवग ॥ सविनु पु लवका दो ॥ कूर्य द्य र्य ल य ति मग ॥ ॥ ३१२ ॥ ॥ कवल गवल २
गुं वरवग ॥ गनडमिगु कूं झाया यगु ॥ कूं रव हायगु ॥ का इया डायी ॥ उगु वरवग ॥ हापां थगु विरु नि विवा ल या ना
य ॥ मः मः ॥ सिंघु ॥ मरिगु विवा ल या ना न्यमा ल ॥ ॥ ३१३ ॥ ॥ म न नि तं पु ति हगं ॥ यदा पु थ हव के मन ॥ न कर्तव्य ॥ न
व न्य ॥ स्या तव्यं का ष व सदा ॥ २६८ ॥ ॥ पुनर्वाल हानं ॥ गवत २ थगु मन ॥ मवं झाया ना वागु ॥ झा रव ना ॥ मव याग ह
न य या ना ॥ थ म या य ध का ॥ ॥ ३१४ ॥ ॥ का या यी ॥ इ अल उगु वरवग ॥ गु स सिमा ग थ क द या वा न ॥ डा थं थु थ म न न म डा स्य
म क वा ना वा न्य ॥ ॥ ३१५ ॥ ॥ उड नं सी प सी वा ॥ यदा मान म द नि तं ॥ सत्या म नि ल र्व वरु ॥ वव क थ म ना रवग ॥ ॥ ३१६ ॥ ॥
हानं गवल २ थगु मन ॥ ति ति कू या इयी ॥ मव याग उप हा स या यगु ॥ मन इया डायी ॥ अ रि मान इया डायी ॥ मन इसां
हर्ष मान इया डायी ॥ हानं मन व का इया डायी ॥ अल उगु वरवग ॥ थ म न म डा स्य ॥ स म क वा ना चीन ॥ ॥ ३१७ ॥ ॥

॥ ८ ॥
॥ ८ ॥

१७४

शुभाङ्गी ॥ केवलहानंभवयाग ॥ साक्षिणी ॥ गुरवना ॥ तन्मायकाहलसुमतिङ्गी ॥ केवलउगुवर्ग ॥ कादलावागु
सिमागधरव ॥ डाधगु ॥ धर्मनामडास्य ॥ सुम्कचानाचान्य ॥ हुनाकजनपी ॥ ॐ ॥ असहिन्जमीरीनं ॥ पु
गलहं ॥ मखलेयदा ॥ मयकाहिनीविष्टं ॥ तदामिष्टवकाव्यव्य ॥ ॐ ॥ केवलउगुवर्गस ॥ धगुचिंरु
सहयायमरुया ॥ एयमकास्यचतुलश्या ॥ डिलाहाश्या ॥ अर्धव ॥ धडालिनापकवालीश्या ॥ कायगुमतिङ्गी ॥ ४
केवलउगुवर्ग ॥ कादलावागुसिमागधरव ॥ डाधगु ॥ धर्मनामडास्यसुम्कचानाचान्यमाल ॥ हुनाकजनश्याचा
पि ॥ काकाधरवंजनाविवालयाना ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ उर्वसकिलषुमालोक ॥ निष्कालंशिंवामन ॥ निगुहियाद
रंसुर्य ॥ पतिपकलतसदा ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ गुगुपुकोलीकषयाना ॥ लानागयागु ॥ गुगुयागुवाक ॥ पिवाबलयानाचाना
गुलामनाडानीधका ॥ निष्कलश्याहुनाडानीधका ॥ धगुमनैरवना ॥ अर्धवपुलाश्या ॥ पकवालीधयागु ॥ मपीनापः
मालमरुस्य ॥ सदासर्वकालं ॥ कागुकहुनागयमालधका ॥ अलगवानेशतां ॥ अहादयकल ॥ हुनाकपी ॥ ॐ ॥ ४

၁၄

विद्यालया नावा न्यमाल ॥ ३०० ॥ विजा क्लृप्तलवलापां ॥ सत्या ॥ सत्या मङ्ग मङ्ग ॥ अथ यदा दृष्टं विभक्तमपुर्क्य ॥ समत्
वत् ॥ ३०१ ॥ आङ्गसाहजकपी ॥ पलखपलखनं ॥ मोक्षरुललायगु ॥ अथ नधकासीकगु ॥ कर्बलवालीवाल ॥ लूम
कावा ॥ अलेहानं समत्पत्रवत्सु ॥ कपमङ्गसिपीलं वावावा नमत्पला ॥ हाथगुधगु विरुयागनं ॥ पीलयानागयमा
लावा ॥ का ॥ गुर्नरुसां निरवाउपदं नविल ॥ ३०२ ॥ गङ्गा मिषसंगु ॥ कृष्णमानी गुंगलत ॥ नकजात्य
नधकाय ॥ कलादगुपुतिकया ॥ ३०३ ॥ पूर्नवाले अलेहानं ॥ सिनाडान ॥ मृगक सजीलयान ॥ गङ्गातस्यंशुसां
उरव्यधुस्यमदयक ॥ सागुसालायंका नययीकी ॥ केवल अथिकागु ॥ नागश्याडानीगु ॥ अनिलगु नलीलयान ॥ निदाया
नागयगुयान ॥ कायपतिया नावा ॥ अथ पतियायम हजाकपी ॥ ३०४ ॥ कायनो वृद्धिमाधय ॥ गङ्गागमननिश्च
यान ॥ यथा कामंगमं कार्यं ॥ कुर्यात्सत्वाधीसिद्धय ॥ ३१० ॥ कर्बल विरुठा ॥ इंगुडाउ अश्यावा ॥ गनडानी ॥ गन
यनी ॥ केवल लिगुहलसा ॥ त्याहानं नुडायी ॥ हाथगु विरुनं गनकाग ॥ अथ हडानी ॥ अथ याकाल ॥ संसाल सत्वपा

卷一

विनिष्ठा न गता न चान ॥ वनस्य नृपतिरुक्ता ॥ राजानमथ मां मातां ॥ त्रिवाचनवह्नि तज्जगत् ॥ - ८४० ॥ पूर्णवाल अल
हानं राजनयायत ॥ कृपा नीगथायायगुधसा ॥ अर्थे श्रयावापि सिनाडापी ॥ पितृगलपिंरू ॥ कर्बल हानं वरुया नावापी
न ॥ शिङ्ग श्रयावापी धूमिगश्रसा ॥ गगनया ॥ धर्मराजनयायमाल ॥ गथायायगुधसा ॥ धडाकृवागुवस्तुश्रसां गागा ॥ मथ
ममागुश्रसां राजनयायमाल ॥ ८४१ ॥ धर्मराजेन वद ॥ नमिग्राधस्थितवदत ॥ सकुतदधन ॥ नाव
गुमिगमस्तुके ॥ ८४२ ॥ कर्बल भ्रादल गावमइपी ॥ चिरुश्रसां चिलमइपी ॥ कर्बल कृनम वागैप्यावापी ॥ कसाश
साकृयावापी ॥ कचिश्रसां कृनावापी ॥ अर्थेग गस्तु अष्टक नाशपी ॥ हानं भ्राग गगधि विनामइपी ॥ ईदं नयाइपी ॥
मिसागये संप हिनामइपी ॥ धूमिगश्रसा कदा चिरुमिवने ॥ धर्मउपद गथायागु वियमथा ॥ धका ग्राहगवात्र
इसा भ्राह्मादयका विष्ठा ॥ ८४३ ॥ गमिग्रादानमत्यष्ट ॥ नमिष्टुष्टुष्टु विना ॥ हीनात्कृष्टुष्टु धर्मष्टु ॥ समं गमेन वमाचनत ॥

॥७७॥

॥६॥

कविलः जलहानं पुरुषं मदकं ॥ न कान्धवा ना स्त्रीजनयात ॥ धर्मयागुखरुसां कथमथा ॥ जातहि न इया वापि ॥ लज्जामलम
हिगुयाना वापी ॥ अश्ववल इया वागुख ॥ धर्मभक्त कथमथा ॥ हे गोकुजन इया वापी ॥ धर्मवृद्धयया नाका ॥ ७७७ ॥
नादाय धर्मप्रागुख ॥ हीन धर्मनियोजयत ॥ नवा वाजीपयिण्ड ॥ सुमंजी ॥ अस्तरयत ॥ ३१५ ॥ हानं गथा नाधमसो ॥ धर्म
इसां हि न इया वापी ॥ सुपागु इसानं ॥ धर्मउपदल वियमथा ॥ कवलि नमया यगु ॥ नाल मदया वापि ॥ नमसुगयागु
खक ना ॥ मंरुवा ना ला ए या ना कने माल ॥ धूपित ह गोकपी ॥ धधधका धीरगवानं आह्लादयकल ॥ ७७७ ॥
दनु का रुच ॥ खटव विसर्जन मपावर्त ॥ न संजल स्थल ॥ राख मजाद धापिग हिंन ॥ ७७७ ॥ पूर्ववाल हान गथा
नाधमसा ॥ अशुचि वसु नंद किंडा यापी ॥ मलमूत्र आदियाना ॥ सिलम्वापि ॥ अर्थवा अस्विथमसे ॥ मलमूत्र यानागु
धमसे ॥ मृनागु धमसे ॥ धर्मभक्त धयागु ॥ बाखान याय मथा ॥ कवलि हानं ॥ लखस ॥ पलवलस ॥ नयत नव सुकसे

॥७॥
॥७॥
॥७॥

सिं ॥ वा अ ॥ अदि अपविह इया वागु ॥ वरु क सदतसा ॥ धव सुकू न नयमथा ॥ हे गोकपी ॥ ७७७ ॥ मखपू नर
जात ॥ सख वं पुसगाननं ॥ पलम्वपाद नापात ॥ नवा रु मर्दय तमम ॥ ७७७ ॥ अलहानं राजन या यगु गथा ना धमसा ॥ अशु
दक नयमथा ॥ कवलि पद डायक नयमथा ॥ अगुस धव डायक ॥ नयमथा ॥ कवलि रजा इसां ॥ कठा कानं नयमथा
हानं लाहार्त ॥ हागु रुयानं नयमथा ॥ धकागु इया वा अश्वजसत्यनी ॥ धगुपु काली निरवा वरु सकना विष्ठाग
हे गोकुजनपी ॥ ७७७ ॥ नैकयात्र सियाकू यार्थानं ॥ नयन मागन ॥ लाकप धदि क सर्वदत्ता ॥ दत्ता वव डायत ॥ ७७७ ॥
कवलि मेवया सिंडा नौपगनं डान्यमथा ॥ हे गोकपी ॥ हानं नथसं वाधमथा ॥ नापनं वा नयमथा ॥ नापनं दनमथा ॥ कथा
लासा हे वा नयमथा ॥ धधधका मवया विरुस इसां ॥ लाल ला ॥ मलाग धका स्वया ॥ विवाल या ना धयमाल ॥ हे गोकपी
धइसां डाना गाल माल ॥ ७७७ ॥ आवा जो धिसुखानां ॥ मपमय मया हत ॥ विरु धधनमा वाजी ॥ नियगी गाव
दावने ॥ ७७७ ॥ अथ या काल ॥ वाधिसुख पिनीगु ॥ नमया यगु आवाय ॥ आया लेइ धका ॥ गथागु पि सु

॥७॥

७८॥ आह्लादयकाविष्ठा ॥ अथयाकाल ॥ गलतक विरुद्धतां सुदमशत ॥ उभयकनमयायमातावान ॥ हजाकपी ॥ ७९॥ ८
८॥ नागिदिवं च तिलकं ॥ निकालं च पर्वरुत ॥ अषापनि समस्त ॥ वाचि विरुद्धिना लया ॥ ८०॥ ॥ अथयाकाल ॥ वा
चिचर्यासि रसां ॥ चानिहिनं ठिकालसं ॥ कुरु सख चयागु मत्यं कुरु ॥ सदा सर्वकालं ॥ उभयमया नाचामे माल ॥ कर्तलन ॥
गगपिनीगु ॥ अथयायाना ॥ वाचि विरुद्धि नकु ॥ अत्रलया नाचामे माल ॥ ८१॥ ॥ यासवका ॥ पुपकन ॥ यं पत्रव ॥ ८२॥
अऽपिका ॥ गसवससु याचिका ॥ निरुका उवयगुत ॥ ८३॥ ॥ अलहानं ॥ गुगुवषने ॥ गुगु अथस्थ पत्ररुया डायी ॥ ८४॥
उगुवषने रसां ॥ धर्म रसां गजयाय कुरु ॥ ४८ गुगु विर्याय मातावान ॥ अथवा थडागु वृद्धिमवा थवासा ॥ पत्रव ॥ ८५॥
कुर्याक ॥ वधडा ना ॥ अलउगु अथस्थयागु ॥ निरुका चनाउलरुगुनियाना ॥ आरुसां यायमाल ॥ हजाकपी ॥ ८६॥ ९
सदा कल्या लमिगुत ॥ डाविगाथे नगुसु ॥ वाचिसुख वरुधन ॥ महायानार्थका विद ॥ ८७॥ ॥ पुनकाल थजव
वरुपाचा तल ॥ वाचि हान लायका ॥ वाचिचर्या विरुद्धतां या नाचापि ॥ वाचिसुखपि ॥ कर्तलहानं नाहायान सचीना ॥

अर्धनि सियावापी ॥ कल्या लमिगुयात किमीसं ॥ गव लतालगमन ॥ ८८॥ ॥ गगदेव समासन ॥ संपुजन्य सलकल ॥ यकायचि
नावस्थया ॥ पुणवका मरुमरु ॥ ८९॥ ॥ हजाने मुहिकु ॥ थसंपुजन्य चिरुयागु लकल ॥ थथका संकफ मागु कनागु ॥ कर्त
लकिमीसं रसां वृडयाना ॥ हजाकजनपी ॥ थसंपुजन्य चिरु सजीलं यागु ॥ अथस्थ ॥ चिरुयागु अथस्थ रसां ॥ बाल बाल वि
बालया ना ॥ वाचिचर्या विरुद्धतां या नाचायमाल ॥ हजाकजन रसां चापी ॥ थथ वृडयया नाका ॥ थका गीरग वाने आह्लादय
काचिका ॥ ९०॥ ॥ यगनि वायनयग ॥ यदवच निरु ॥ गलोक विगज काथ ॥ निरुका हसा ॥ समाचनग ॥ ९१॥ ८
अथयाकाल ॥ लोकपिनीगु चिरु ॥ गकायायत ॥ गजीगन यायमन थका ॥ निवाचलयायमा ॥ गलगलं जाजलप्यमा नि
कायात ॥ विबाल या ना थया ॥ निजायनया ना ॥ यायमाल ॥ ९२॥ ॥ हात्वानत्र संहित साधनगसुत्र ॥ स्यात ॥ कुर्यादिगु ॥ स
नमासु ॥ दंडं पुवंतं ॥ ९३॥ ॥ थथका गजनि सियाका ॥ मनुष्यजनपिसं ॥ थनहि रल ॥ पत्रजनया गह रल ॥ हि
रशयीगु ॥ कायसि रसां ॥ गगपलया ना ॥ जलरुगुनियाना सकलयातं ॥ हिरुश ॥ गुकार्यसि ॥ वाचि हान यात ॥ ९४॥

[illegible][illegible]

वानयापुरा लक्ष्म्या ॥ ५३७ कालं विस्मय ॥ ३०६ ॥ हगव लखना रूपं ॥ सपुं पद साधनं ॥ निहा संमलमाधयः
यवा जति सदा पुनः ॥ ३३१ ॥ हगवन ॥ शुभ्रस्य रसां ॥ कलपलं भाद्रादय का विष्णु कुरु ॥ वजात धनु संयक संवृद्धया उ
पुद वि साधना यायु ॥ सदा सर्व कालं ॥ पुद शयीतु निहा संमलमाधय ॥ समाधन नाया नाइसा वलया ॥ ३०६ ॥
तुव गुरुगम धन्या ॥ निहा संमल वृद्धि का मला ॥ विनया रिमखा सफ ॥ सधर्म का मधयिल ॥ ३०६ ॥ हगवनः
शुभ्रस्य ॥ ५३७ निहा संमल यायु ॥ हानस रसां ॥ कल लक्ष्या वायु ॥ विनय सूर्य सधयात धं ॥ नम यायु ॥ सनू रव रसा
याना ॥ सज्जिन रसा ॥ सधर्म यायु लूपी रसा ॥ एन्द्रा जया ॥ एन्द्रा जी रसा ॥ रिशु मायग सडानी ॥ भल धूमिग रसां धं ॥
माहात्मा धका ॥ सदा सर्व कालं ॥ उसी साया यक ग्या ॥ ३०६ ॥ गणाम व सदा रडं ॥ सर्वग पिह वं देवम् ॥ सधर्म साधना
साहं ॥ निलत्पादं निना कूलम् ॥ ३०६ ॥ हगवन ॥ ५३७ निहा संमल यायु वया ॥ नया नावापित ॥ सदा सर्व कालं
॥ संसा या ना वा यक ग्या ॥ हागु ॥ ५३७ डी सानं ॥ डी ना धयग क ॥ मं डल रसा सधर्म यायु ॥ साधना यायु ली ॥ उत्साह

॥७॥

॥८॥

॥९॥

वडह रसा डायी ॥ भल हानं ड त्याग धयायु कं नम दया ॥ निला कूल रसा ॥ सकल काम नाइसां ॥ निधयन पुत्र रसा ॥ हजा
कजनपी ॥ ३०६ ॥ गणाम रसा सदा रडं ॥ वाचि गुण लक्ष्म्या ॥ ३०६ ॥ गिल ल मज ल स्थित्वा ॥ यव जति ड ड धित ॥ ३०६ ॥
हगवन ॥ शुभ्रस्य नं ॥ सदा सर्व कालं ॥ विजल यायु मज ल रसां डी ना ॥ कर्बल ड ड ग्याग हित रसा ॥ वाचि वया विरू
या ॥ ५३७ धूमिग सदा सर्व कालं कल्या ल रसा ॥ भल वाचि हान रसा ॥ साधन यायु रसा वाच ॥ ५३७ वि सगु ल ॥ साध
ना यायु कार्य दिर्क ॥ सिध रसा माधका ॥ ५३७ भाने नु रिदु का ह्रादय का विष्णु ॥ हजा कपी ॥ ३०६ ॥ ५३७ धाने नु रिदु
माख्यातं ॥ पुत्वा स रवीन मडा ॥ भय रू कं नमाने ॥ सना ला के व मादि मगं ॥ ३०६ ॥ ५३७ धका भाने नु रिदु रसा
विर्हियायु यना ॥ श्रीगवानं रसि रसा रसा ॥ आयुष मान रसा ॥ विष्णु कुरु ॥ भाने नु रिदु यायु ॥ रवा ल रसां सया
श्रीगवानं रसा ॥ भ्राद्रादय का विष्णु ॥ ३०६ ॥ ५३७ धम व सदा गणां ॥ रडं संवाचि साधनम् ॥ धर्म गुण ल सं
पुत्र ॥ हव वृन रवा लय ॥ ३०६ ॥ ५३७ धाने नु रिदु कंधया धं ॥ निहा संमल यायु ॥ हान वा ना वाचि वया विरू यापितः

59

3

७
३
४२

I